मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	41.2	30.5
जमशेदपुर	39.0	27.0
डालटनगंज	41.6	26.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 09

चुनावी समर 2024

रांची, बुधवार 22 मई 2024 ● बैशाख शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 43

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पीएम मोदी बोले- पूरा देश ही मेरा वारिस

गांव-गांव जाएं, लोगों से कहें कि मोदी ने जयश्री राम कहा है

महाराजगंज (बिहार)। पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर छिड़ी बहस के बीच बड़ी टिप्पणी की है. पीएम ने बिहार के महाराजगंज की रैली हुए कहा कि मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं है. देश के लोग ही मेरे उत्तराधिकारी हैं. मोदी ने कहा कि बिहार राजेंद्र प्रसाद की धरती है, लेकिन राजद और कांग्रेस ने इसकी पहचान

वसूली के लिए बना दी है. उन्होंने अपील की कि आप गांव-गांव जाएं और लोगों से कहें कि हम मोदी जी की तरफ से आए हैं. उन्हें बताएं कि कैसे एनडीए की सरकार फिर से बनी, तो उन्हें आवास मिलेंगे. ये आवास घर की महिला मुखिया के नाम पर होंगे. आने वाले पांच साल बिहार की समृद्धि लेकर आने वाले हैं. हमारी बहनें अब ड्रोन पायलट बनेंगी, हमने ऐसी योजना बनाई है. हमारी गारंटी है कि तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है. मोदी ने इस रैली में जनता से साफ कहा कि वे कैंडिडेट न देखें बल्कि पीएम का चुनाव करें. आपका यह वोट सिर्फ सांसद चुनने के लिए नहीं है, बल्कि पीएम चुनने के लिए भी है. उन्होंने इस दौरान जनता से यह भी अपील की कि आप लोग सबको कहना है कि अपने मोदी जी आए थे और उन्होंने आपसे जय श्रीराम कहा है. क्या आप लोग मेरा जयश्री राम हर घर तक पहुंचा देंगे. मोदी ने कहा कि ये लोग सहन नहीं कर सकते कि देश की जनता अगले पांच साल के लिए मुझे फिर से चुनने जा रही है.

खरगे बोले- पीएम रोज दे रहे नफरती बयान

हिंदू और मुस्लिम करने के लिए मोदी को ले लेना चाहिए संन्यास

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी रोज हिंदू-मुस्लिम बयानबाजी कर रहे हैं और समाज में नफरत को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसके चलते उन्हें सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले लेना चाहिए। खरगे ने एक इंटरव्यू में आरोप लगाया कि मोदी के इरादे साफ नहीं हैं क्योंकि वह चुनाव

प्रचार के दौरान हिंदू-मुस्लिम के साथ रोजाना नफरत भरे भाषण दे रहे हैं. पीएम भैंस छीनने और मुसलमानों को बजट का 15 प्रतिशत हिस्सा देने जैसी बातें करते हैं और ऐसी बातें कहकर वह खुद समाज में विभाजन पैदा कर रहे हैं. दूसरी ओर उनका दावा था कि अगर वह हिंदू-मुस्लिम बात करेंगे तो उन्हें सार्वजनिक जीवन में रहने का कोई अधिकार नहीं है. मोदी को सार्वजनिक जीवन छोड़ देना चाहिए. खरगे ने दावा किया कि मोदी समाज का ध्रुवीकरण करने के लिए नफरत भरे भाषण दे रहे हैं. मोदी सभी को साथ लेकर चलने की बात करते हैं, लेकिन वोटों को बांटने के लिए नफरत भरे भाषण देते रहते हैं. क्या उन्होंने कभी संविधान या मुसलमानों के खिलाफ बोलने वालों की निंदा की या महिलाओं के खिलाफ अपराध और आदिवासियों पर पेशाब करने के मामलों पर बात की? क्या उन्होंने कभी ऐसे लोगों के खिलाफ बोला? वह चुनाव प्रचार पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं.

केजरीवाल बोले- पीएम मोदी की विदाई तय

हर चरण के साथ जीत की तरफ बढ़ रहा इंडिया गठबंधन

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि चुनाव के हर चरण के पूरा होने के साथ यह स्पष्ट होता जा रहा है कि चार जून के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार की विदाई होने वाली है और इंडिया गठबंधन सत्ता में आ रहा है. केजरीवाल ने दावा किया कि इंडिया गठबंधन देश को

एक स्थिर सरकार देगा. उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दिल्ली में आयोजित अपनी चुनावी रैलियों में उनके लिए अपशब्द कहे. उन्होंने शाह पर हमला करते हुए कहा, आपको पीएम ने अपना उत्तराधिकारी चुना है, इसलिए आप अहंकार दिखा रहे हैं. आप अभी तक प्रधानमंत्री नहीं बने हैं. केजरीवाल ने कहा, आपने कहा कि भारत में केजरीवाल के पास कोई समर्थन नहीं है और पाकिस्तान में उनके अधिक समर्थक हैं. आप मुझे अपशब्द कह सकते हैं लेकिन देश की जनता से अपशब्द मत कहिए. यदि आप जनता के लिए अपशब्द का प्रयोग करेंगे तो कोई बर्दाश्त नहीं करेगा. शाह ने दक्षिणी दिल्ली में अपनी पार्टी के उम्मीदवार के समर्थन में वोट मांगते हुए एक रैली में कहा था, भारत में केजरीवाल और राहुल (गांधी) को कोई समर्थन नहीं देता, उनके समर्थक पाकिस्तान में हैं.

अखिलेश बोले- यूपी में सिर्फ एक सीट पर लड़ाई

बाकी बची 79 सीटों पर हो जाएगी भाजपा की सफाई

आजमगढ़ (उप्र)। यूपी इंडिया अलायंस के प्रमुख घटक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में सिर्फ एक सीट पर भाजपा लड़ाई में है, बाकी सीट पर जनता उनका सफाया कर देगी. सपा प्रमुख ने एक चुनावी रैली में कहा, इस बार भाजपा के लोगों ने जो

अंकगणित बनाया है, उसे विफल करने का मन यूपी की जनता ने बना लिया है. बिना नाम लिए उन्होंने पीएम मोदी की सीट वाराणसी को क्योटो बताते हुए कहा, अभी जो आंकड़े तथा सूचना सामने आ रही है, उसके अनुसार भाजपा केवल एक सीट पर लड़ाई में है, वो क्योटो है और बाकी सब भाजपा हार चुकी है.यादव के सभा में पहुंचने के बाद भीड़ मंच के पास पहुंचने की कोशिश करने लगी जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा. अखिलेश ने चिलचिलाती धूप में आये हुए लोगों के उत्साह पर कहा, बहुत दिनों से परिवर्तन का यह जोश और उत्साह है लेकिन इसे बचाकर रखिए. ये जो बल्ली टूट जाएगी, तो हमारी और आपकी खराब खबर निकल जाएगी. मैदान में मौजूद लाखों लोगों को समझाते हुए अखिलेश ने कहा, आप सब भाजपा को 80 की सीटों पर यूपी में हरवा दो. संयम से रहो. अखिलेश ने इंडिया की सरकार बनने पर अग्निवीर योजना समाप्त करने और भर्ती परीक्षा को सुदृढ़ करने का भरोसा दिया.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	70,100
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

तीन दिन का उपवास करेंगे संबित पात्रा

भुवनेश्वर। भगवान जगन्नाथ पर जुबान फिसलने को लेकर विवादों में घिरे भाजपा के नेता और पुरी से प्रत्याशी संबित पात्रा ने माफी मांगी है और तीन दिन तक उपवास रख कर प्रायश्चित करने की घोषणा की है. वहीं, कांग्रेस ने संबित पात्रा द्वारा भगवान जगन्नाथ के संदर्भ में की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था का अपमान करने का पाप हुआ है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माफी मांगनी चाहिए.

4 जून को दिखेगा 2004 जैसा माहौल: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 4 जून को चुनाव में इंडिया गठबंधन को स्पष्ट जनादेश मिलने के साथ ही 2004 जैसा क्षण देखने को मिलेगा और इस गंठजोड़ के शानदार प्रदर्शन का एक कारण यूपी में होने वाला बहुत प्रभावशाली बदलाव है. रमेश ने दावा भी किया कि पीएम मोदी एक सांप्रदायिक पिच तैयार कर रहे थे, लेकिन उनकी पार्टी ने इस पर खेलने से इनकार कर दिया और उनकी गुगली और बाउंसर को भी विफल कर दिया. -पेज 12 भी देखें

सिसोदिया को हाईकोर्ट से भी नहीं मिली बेल

नयी दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका लगा है. पहले निचली कोर्ट ने उनकी हिरासत बढ़ा दी और अब दिल्ली हाईकोर्ट से भी सिसोदिया को बेल नहीं मिली. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने सिसोदिया और ईडी के वकीलों की टिप्पणियों का भी जिक्र किया. आदेश में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से ट्रायल कोर्ट के अधिकार पर अंतर नहीं पड़ता. उसे मेरिट के आधार पर ही फैसला लेना था. सिर्फ मुकदमे में देरी जमानत का आधार नहीं हो सकती.

ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी ही अवैध

हेमंत सोरेन के वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, जमानत नहीं मांग रहा

विनीत आभा उपाध्याय। रांची/दिल्ली

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत से कहा कि वह जमानत नहीं मांग रहे. दरअसल, ईडी की कार्रवाई और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी ही अवैध है. यह मामला जमीन से जुड़ा है. सिविल नेचर का है. सिब्बल ने कहा, मैं तो कह रहा हूं कि आप सबकुछ स्वीकर कर लीजिए, तब भी कोई केस नहीं है. हमने हाईकोर्ट में गिरफ्तारी को चुनौती दी. वहां दो-ढाई महीने तक पड़ा रहा. हम जमानत नहीं मांग सकते. इस पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि बेल के लिए तब याचिका दाखिल किया, जब यह पेंडिंग था. सिब्बल ने न्यूजक्लिक केस का उदाहरण दिया और कहा कि कोर्ट ने गिरफ्तारी को गलत बताया और मामला खत्म किया.

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का भी कोई आधार नहीं बताया गया था. उन्हें 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया और सेक्शन 19 नहीं लगाया गया था. पीएमएलए लगाने को कुछ नहीं था. इस पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा, यहां कुछ तथ्यात्मक असमानताएं हैं. संज्ञान ले लिया गया है, इसलिए कोर्ट प्रथमदृष्टया संतुष्ट है. जब एक ज्यूडिशियल फोरम ने प्रथमदृष्टया तथ्यों को देखा है और इसे चुनौती नहीं दी गई है. क्या एक रिट कोर्ट गिरफ्तारी की वैधता को देखेगी? सिब्बल ने यह भी कहा कि सोरेन और केजरीवाल के केस में एक अंतर है. एएसजी एसवी राजू और एसजी मेहता ने कुछ कहना चाहा, तो सिब्बल ने कहा कि वे इतने उत्सुक क्यों हैं. सिब्बल ने कहा कि जमीन का कब्जा अनुसूचित अपराध नहीं है. जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि पुरकायस्थ का केस अलग था. जस्टिस दत्ता ने कहा कि आवदेन दायर करते वक्त भी समान दलीलें दी गईं थीं, जिससे कपिल सिब्बल और अरुणाभ चौधरी ने इनकार किया.

जानकारी के मुताबिक जस्टिस दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की अवकाशकालीन पीठ के सामने दोनों पक्षों ने दलीलें रखीं. सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी. सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अरुणाभ चौधरी ने कहा कि यह 8.86 एकड़ जमीन का मसला है. जो कि आदिवासी भूमि है. छोटानागपुर टीनेंसी ऐक्ट के तहत, इसको ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है. मैं दिखाना चाहता हूं कि यह क्या भूमि है. सिब्बल ने सोरेन की तरफ से कहा- 12 प्लॉट हैं, 1976 से 1986 के बीच गैर आदिवासी भूमि की रजिस्टर में एंट्री हुई. तब वह चार साल के थे. हेमंत सोरेन 1975 में पैदा हुए. उनका इससे कुछ लेना-देना नहीं है. हेमंत सोरेन की तरफ से सिब्बल ने कहा- आरोप है कि 2009-10 में हेमंत सोरेन ने जमीन पर जबरन कब्जा किया. उनके खिलाफ 20 अप्रैल 2023 को केस चलाया जाता है. इस जमीन पर बिजली का कनेक्शन आरोपी नंबर चार के नाम पर है. वर्ष 2015 में हुई लीज में यह खेती वाली जमीन है. साफ है कि यह हेमंत सोरेन के कब्जे में नहीं है. लीज का मालिक राजकुमार है. सिब्बल ने शिकायतकर्ता बैजनाथ मुंडा और श्यामलाल पाहन का नाम लेते हुए कहा कि ये जमीन के मालिक होने का दावा करते हैं. उन्होंने कहा कि यह भुइंहरी जमीन है. इसलिए मुंडा और पाहन का दावा विवादित है. मामला बेनामी प्रतीत होता है. उन्होंने कहा कि यह सिविल नेचर का मामला है और इसलिए ईडी जांच नहीं कर सकती है.

शीर्ष कोर्ट आज भी करेगी मामले की सुनवाई, हो सकता है कोई बड़ा फैसला

कपिल सिब्बल की दलील

मामला जमीन से जुड़ा है, सिविल नेचर है, ईडी जांच नहीं कर सकती.

न्यूजक्लिक के संपादक की गिरफ्तारी जैसा ही है ये पूरा मामला.

शिकायतकर्ता बैजनाथ मुंडा और श्यामलाल पाहन का दावा विवादित है.

एएसजी एसवी राजू की दलील

जमीन का मालिक होना ही नहीं, कब्जा करना भी अपराध.

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने की दस्तावेजों में छेड़छाड़.

सेक्शन 45 के तहत जमानत याचिका खारिज हो चुकी है.

ईडी ने किया अंतरिम जमानत का विरोध

ईडी की तरफ से पेश हुए एएसजी एसवी राजू ने कपिल सिब्बल की दलीलों पर कहा कि वह इस तरह दलीलें दे रहे हैं, जैसे यह ट्रायल हो. इस पर जस्टिस दत्ता ने कहा, पिछली बार जब मेरे और जस्टिस खन्ना के सामने मामला सूचीबद्ध हुआ था, तो हमने कहा था कि प्रथमदृष्टया संतुष्टि होनी चाहिए. एएसजी ने कहा कि अदालत ने उनके खिलाफ संज्ञान लिया. सेक्शन 45 के तहत जमानत याचिका खारिज हो चुकी है. उन्हें चुनाव के ऐलान के कुछ दिनों बाद नहीं गिरफ्तार किया गया. यदि सभी दस्तावेजों की जांच गिरफ्तारी के चरण में हों, तो जांच कभी खत्म नहीं होगी. उन्होंने 15 अप्रैल को जमानत याचिका दायर की थी. 13 मई को खारिज कर दी गयी. समान आधार थे. एएसजी राजू ने यह भी कहा कि पीएमएलए के तहत आरोपी बनाने के लिए कब्जा होना ही पर्याप्त है, मालिकाना हक की जरूरत नहीं. उन्होंने कहा कि पहले नोटिस के बाद सोरेन ने एक असली मालिक से संपर्क किया और परिस्थिति बदलने की कोशिश की. दस्तावेजों से छेड़छाड़ की कोशिशें हुईं. वर्ष 2009-10 से उनका (हेमंत सोरेन) का अवैध कब्जा था. 8.86 एकड़ का टाइटल सोरेन के नाम पर नहीं है, ना ही उनका नाम किसी रिकॉर्ड में शामिल है. लेकिन कब्जा उनका था, जो कि एक अपराध है.

अमित शाह पर कमेंट मामले में राहुल गांधी को दूसरी बार समन जारी हुआ

रांची। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी को कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा है. भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह पर

आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मामले में राहुल गांधी को रांची की एपी-एमएलए कोर्ट ने समन जारी किया है. इसे राहुल गांधी के लिए अदालत की तरफ से झटका माना जा रहा है क्योंकि ये समन दूसरी बार जारी हुआ है. बता दें कि मंगलवार को एमपी/एमएलए मामले के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरानशिकायतकर्ता के अधिवक्ता बिनोद कुमार साहू ने राहुल गांधी के खिलाफ समन जारी करने का अनुरोध किया. अदालत ने मामले में दूसरी बार राहुल गांधी को उपस्थिति का समन जारी किया है. साल 2018 में मामला दर्ज होने के बाद अदालत ने राहुल गांधी को समन जारी किया था. यानी पहली बार साल 2018 और दूसरी बार छह साल बाद 2024 में इस मामले में दूसरा समन जारी किया गया है.

क्या है पूरा मामला

यह केस भाजपा के नवीन झा ने साल 2018 में दायर किया था. याचिका में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली अधिवेशन में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. झा के मुताबिक, राहुल ने कहा था कि भाजपा में एक ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं हो सकता. इस बयान से उन्हें ठेस पहुंची. इस वजह को लेकर याचिका दाखिल की है. याचिका दाखिल होने के बाद कोर्ट ने राहुल गांधी को समन जारी किया था.

प्रदेश भाजपा की ओर से अपने ही सांसद-विधायक को नोटिस भेजने पर सरयू राय का तंज, कहा-

दीन दयाल का नाम वाले को नोटिस और दाग लगाने वाले को संरक्षण

संवाददाता। रांची

जमशेदपुर पूर्वी से निर्दलीय विधायक सरयू राय धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के खिलाफ लगातार आक्रामक हैं. इस बीच उन्होंने मंगलवार को

एक्स पर एक पोस्ट कर प्रदेश भाजपा द्वारा पार्टी के विधायक व सांसद को नोटिस भेजने पर सवाल खड़ा किया है. उन्होंने लिखा कि दुखद आश्चर्य कि जनसंघ के संस्थापक दीन दयाल जी का उदाहरण देने पर विधायक राज सिन्हा को प्रदेश भाजपा ने कार्रवाई का नोटिस दिया है. वहीं भाजपा के चाल, चरित्र, चेहरा पर अपराध और जमीन कब्जा का बदनुमा दाग लगाने वाले और चुनाव में सांसद-विधायक को गाली देने वाले प्रत्याशी के पक्ष में पार्टी खड़ी हो गयी है. गौरतलब है कि चार दिन बाद 25 मई को धनबाद में मतदान होना है. ऐसे वक्त में सरयू राय का यह बयान धनबाद सीट के चुनावी समीकरण में उलटफेर कर सकता है.

कब्जा जमीन वापस कराने की गारंटी दें राजनाथ सिंह : राय ने ढुल्लू महतो का प्रचार करने बोकारो पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी गारंटी मांगी. उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह गारंटी दें कि भाजपा के धनबाद प्रत्याशी ने लेडीडुमर के राजपूतों, दरिदा-चिटाही के तेलियों, मुसलमानों व अन्य पिछड़ों की 200 एकड़ जमीन पर जो कब्जा कर लिया है, ऊंची चहारदीवारी खड़ी करके घेर लिया है, उसे रैयतों को लौटा देंगे. अगर वो यह गारंटी नहीं देते हैं, तो वोट ना मांगे.

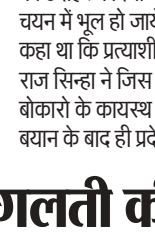

प्रदेश भाजपा ने सांसद-विधायक को भेजा है नोटिस

उल्लेखनीय है कि प्रदेश भाजपा के महामंत्री आदित्य साहू ने हजारीबाग के निवर्तमान सांसद जयंत सिन्हा और धनबाद के विधायक राज सिन्हा को सोमवार देर शाम नोटिस जारी किया है. जारी नोटिस में राज सिन्हा से पूछा गया कि उन्होंने भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के पक्ष में प्रचार क्यों नहीं किया. क्यों चौक-चौराहों पर ऐसे बयान दिये, जो भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ जाते हैं. दूसरी ओर जयंत सिन्हा को भेजे गये नोटिस में पार्टी की ओर से कहा गया है कि हजारीबाग लोकसभा से पार्टी द्वारा मनीष जायसवाल को प्रत्याशी घोषित किये जाने के बाद से आप न तो चुनाव प्रचार-प्रसार और न ही संगठनात्मक कार्य में रुचि ले रहे हैं. वहीं, लोकतंत्र के महापर्व में आपने मतदान करना भी उचित नहीं समझा. आपके इन रवैयों से पार्टी की छवि धूमिल हुई है. दोनों सांसद व विधायक को दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है.

राज सिन्हा के इस बयान के बाद जारी हुआ नोटिस

पिछले दिनों धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा ने चित्रगुप्त महापरिवार के मतदाता जागरूकता अभियान में जनसंघ के संस्थापक दीन दयाल उपाध्याय का उदाहरण दिया था. उन्होंने कहा था कि हो सकता है कि पार्टी से प्रत्याशी के चयन में भूल हो जाये, लेकिन कार्यकर्ता को उसे सुधार करना चाहिए. साथ ही कहा था कि प्रत्याशी के गुण-दोष को कसौटी पर पर रख कर मतदान करें. राज सिन्हा ने जिस कार्यक्रम में यह बात कही थी, उस कार्यक्रम में धनबाद और बोकारो के कायस्थ समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे. उनके इस बयान के बाद ही प्रदेश भाजपा ने राज सिन्हा को नोटिस जारी किया है.

वीडियो वायरल — यूपी में भाजपा प्रत्याशी ने राजा भैया के बहाने साधा पूरे क्षत्रिय समाज पर निशाना

क्या राजाओं के गढ़ प्रतापगढ़ में तेली नहीं बन सकता सांसद?

शुभम संदेश नेटवर्क। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश में राजनीति नित नयी करवट ले रही है. छठे चरण के लिए प्रतापगढ़ सीट पर 25 मई को वोटिंग होनी है. इस बीच कुंडा से विधायक और जनसत्ता दल के अध्यक्ष

राजा भैया उर्फ रघुराज प्रताप सिंह ने किसी भी दल को समर्थन देने से इनकार कर दिया है. ऐसे में इस सीट पर एंटी इनकंबेंसी का असर देखने को मिल सकता है. इसके बाद भाजपा सांसद और मौजूदा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता रोने लगे. उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. गुप्ता का ये वीडियो प्रतापगढ़ में हुई जनसभा का है, जिसमें अपना दल सोनेलाल की नेता और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल उनके समर्थन में चुनाव प्रचार के लिए पहुंची थी. इस दौरान भाजपा उम्मीदवार भाषण देते-देते मंच पर ही रोने लगे और रोते हुए कहा कि, लोग हमारा विरोध कर रहे हैं क्योंकि मैं तेली समाज से आता हूं. क्या कोई तेली यहां से सांसद नहीं बन सकता है. क्या क्षत्रिय ही यहां (प्रतापगढ़) से सांसद बन सकता है. इस राजाओं के गढ़ (राजा भैया के प्रभाव वाला क्षेत्र) में कोई तेली सांसद नहीं बन सकता क्या?

संगम लाल गुप्ता के इस बयान के बाद कई तरह से कयास लग रहे हैं. दरअसल प्रतापगढ़ सीट पर राजा भैया का खासा प्रभाव है, लेकिन उन्होंने इस चुनाव में भाजपा को समर्थन देने से इनकार कर दिया है. वहीं उनके समर्थक भी क्षेत्र में भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने में जुटे हैं. राजा भैया भी कह चुके हैं लोगों में मौजूदा प्रतिनिधि को लेकर एंटी इनकंबेंसी है. वहीं भाजपा भी राजा भैया को लेकर अब मुखर दिख रही है.बता दें कि यूपी में अब अगले चरण में पूर्वांचल के हिस्सों में चुनाव होने हैं. इन सीटों पर राजा भैया का राजपूतों में खासा असर है. भाजपा प्रत्याशी के आरोप के बाद पूर्वांचल में भाजपा के मुश्किल खड़ी हो सकती है. पूर्वांचल में क्षत्रिय समाज का दखल अच्छा-खास है. यह समाज चुनाव में काफी असर डाल सकता है.

क्या कहा संगम लाल गुप्ता ने

प्रतापगढ़ से भाजपा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रहे हैं कि क्षत्रिय जाति के कारण लोग उनके खिलाफ हैं. क्या राजाओं के गढ़ में तेली सासंद नहीं बन सकता? क्या क्षत्रिय ही सांसद बनेंगे? हम हमेशा पटेल समुदाय का साथ देंगे और उनके साथ हर समय खड़े रहेंगे. प्रतापगढ़ में लंबे समय तक विपक्षी दलों का कब्जा रहा. उनसे अगर 18 गांवों के नाम पूछ लें, तो बता नहीं पाएंगे. इसके बाद संगम लाल गुप्ता रोने लगे. उन्होंने रोते हुए कहा कि मैं तेली समाज से आता हूं, इसलिए मेरा विरोध हो रहा है. मैं आपके समुदाय से आता हूं, तेली समाज से आता हूं, इसलिए मेरा यहां पर विरोध किया जा रहा है. आपने महसूस किया होगा कि 2019 से अब तक मैंने किसी का अपमान नहीं किया है. क्या कोई तेली सांसद नहीं बन सकता है? राजाओं के गढ़ में सिर्फ क्षत्रिय ही सांसद बन सकता है? आप सब लोगों से मैं अपेक्षा करता हूं कि सब लोग हमें अपने चरणों की धूल दे देना.

क्षत्रिय समाज में सांसद के बयान से नाराजगी

संगम लाल गुप्ता के इस बयान के बाद क्षत्रिय समाज के लोगों ने नाराजगी जाहिर की है. क्षत्रिय समाज के लोगों ने उनका वीडियो वायरल होने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए पूछा कि क्या सांसद संगम लाल गुप्ता क्षत्रिय जाति के लोगों को वोटर नहीं मानते हैं? भाजपा प्रत्याशी अपनी निश्चित हार को देखते हुए क्षत्रिय समाज पर आरोप लगा रहे हैं. उनका ऐसा आरोप किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है. बता दें कि हाल ही में अनुप्रिया पटेल ने भी राजा भैया की दबंगई पर कई सवाल उठाये थे. इसको लेकर भी क्षत्रिय में गहरी नाराजगी है. और राजा भैया के समर्थक मिर्जापुर में अब अनुप्रिया पटेल का भी विरोध कर रहे हैं.

गलती की नहीं तो क्यों मान लूं ट्रायल फेस करूंगा: बृजभूषण

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की अदालत ने मंगलवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न के मामले में भाजपा सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न, धमकी, गरिमा को ठेस पहुंचाने के आरोप तय कर दिए.

कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को आरोपियों के खिलाफ केस ट्रायल शुरू करने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने बृजभूषण से कहा, आप पर कुल सात धाराओं में आरोप लगे हैं. क्या आप अपनी गलती मानना चाहते हैं? इस पर बृजभूषण ने कहा, कोई सवाल ही नहीं है, जब कोई गलती की ही नहीं, तो मानना कैसा. अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत के समक्ष पेश आरोपियों ने पूछने पर अपराध स्वीकार करने से इनकार करते हुए स्वयं को बेकसूर बताते हुए केस का सामना करने का तर्क रखा. बृजभूषण के खिलाफ कोर्ट ने आईपीसी की धारा, 354, 354ए, 506/1 में आरोप तय किए. सह-आरोपी और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर पर भी आपराधिक धमकी का आरोप तय किया गया है. कोर्ट से बाहर आने पर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए बृजभूषण शरण ने कहा कि मेरे ऊपर चार्ज फ्रेम हुआ है, जो आरोप लगाए गए, उन्हें अब पुलिस को साबित करना है. मेरे पास अपनी बेगुनाही के पूरे सबूत हैं. उनका टिकट काटे जाने को लेकर किए गए एक सवाल पर बृजभूषण ने कहा कि मेरे बेटे को टिकट मिल गया है.

महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में कोर्ट ने भाजपा नेता पर किया चार्ज फ्रेम

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष नया कार्य और व्यापार के लिए दिन उत्तम नहीं है. जीवनसाथी से आपसी मतभेद दूर होंगे. पहले किए गए कार्यों के उत्तम परिणाम आज देखने को मिलेंगे. लेन-देन करार की चिंता रहेगी. डूबा हुआ धन प्राप्त हो सकता है. अन्न का दान करें.

वृषभ मौसमी बीमारियों से कुछ परेशानी हो सकती है. साझेदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा. संतान, भाइयों से मदद मिल सकेगी. कारोबारी अनुबंध होंगे. योजना फलीभूत होगी. प्रतिष्ठा बढ़ेगी. प्रसन्नता रहेगी.

मिथुन संतान के कार्य में गति मिलेगी. आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी. राजकीय बाधा दूर होगी. पूजा-पाठ में मन लगेगा. चिंता रहेगी. निवेश शुभ रहेगा. यात्रा में सावधानी आवश्यक है. जल्दी में कोई काम न करें. आपके प्रभाव से कार्यक्षमता बढ़ेगी.

कर्क माता से वैचारिक मतभेद हो सकता है. चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है. जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं. पठन-पाठन के प्रति जिज्ञासा बढ़ेगी. धैर्य रखें. व्यर्थ के दिखावे, आडंबरों से दूर रहना चाहिए.

सिंह व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ बढ़ेगा. परिवार में वैवाहिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी. पत्र, सूचना मिलेगी. व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन हो पाएगा. सूर्य को जल दे.

कन्या नया कार्य होगा, जिससे प्रसन्नता बनी रहेगी. बाहरी सहयोग सहज ही मिलेगा. व्यापार, नौकरी की चिंता रहेगी. दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा. पूंजी निवेश लाभकारी रहेगा. कामकाज की संभावनाएं बनेंगी. अपने काम से काम रखना होगा.

तुला समय सामान्य है. मानसिक तनाव से बचें. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यावहारिक समस्याओं का समाधान संभव है. दूसरों की मदद करके मानसिक संतोष मिलेगा. रुके कार्यों की चर्चा होगी.

वृश्चिक खर्च पर काबू आवश्यक है. काम में मन नहीं लगेगा. धैर्य रखें. आर्थिक तंगी रह सकती है. लापरवाही, टाल-मटोल से समस्याओं को नहीं बढ़ाएं. कामकाज में विलंब होगा. किसी करार, लेख में धोखा संभव है.

धनु समय बहुत ही उत्तम है. मेहनत का फल मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापारिक विवादों का निपटारा आपके पक्ष में हो सकेगा. अनजान लोगों पर विश्वास नहीं करें. नौकरी में अधिकारी प्रसन्नता दर्शाएंगे.

मकर उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. स्वाभिमान बना रहेगा. प्रयास करते रहें. संबंधों में सुधार की संभावना है. लापरवाही से काम नहीं करें. घर में खुशी का माहौल रहेगा. हितकारक व्यक्तियों से भेंट होगी. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

कुंभ कार्य का उचित लाभ मिलेगा. भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. प्रमाद न करें. सत्संग का लाभ मिलेगा. सोचे काम समय पर पूरे होंगे. व्यक्तिगत अथवा व्यापारिक कार्य हो सकते हैं. सामाजिक प्रतिष्ठा का ध्यान रखें.

मीन विवाद से बचना चाहिए. नया कार्य को लेकर फालतू खर्च होगा. कार्य होगा पर धैर्य रखें. परिवार की समस्याएँ हल होंगी. वाणी पर संयम रखें. व्यापार अच्छा चलेगा. लिखा-पढ़ी के कामों में सफलता मिलेगी. शिव मंदिर में जलपात्र दान करें.

तापस घोष की जमानत याचिका खारिज

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के कब्जे वाली भूमि से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपी तापस घोष की जमानत याचिका पर रांची पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई. दोनों पक्षों की ओर से बहस सुनने के बाद कोर्ट ने तापस को बेल देने से इनकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी है. बता दें कि तापस घोष को ईडी ने इसी महीने गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है.

ईरान के राष्ट्रपति के निधन पर राजकीय शोक

रांची। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के निधन पर झारखंड में भी मंगलवार को एक दिन का राजकीय शोक मनाया गया. इसको लेकर झारखंड सरकार के संयुक्त सचिव अखिलेश कुमार सिन्हा ने सभी प्रमंडलीय आयुक्त, सभी डीसी, और सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को पत्र लिखा था. पत्र में कहा गया था कि हेलीकॉप्टर क्रैश में ईरान के राष्ट्रपति का निधन हो गया. इसको लेकर भारत सरकार ने 21 मई को एकदिवसीय राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया है. गृह मंत्रालय भारत सरकार ने इससे संबंधित भी आदेश जारी किया है. ऐसे में 21 मई को झारखंड के उन सभी भवनों जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, वहां राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे. साथ ही किसी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जाएगा.

संजीव व जहांगीर की रिमांड खत्म, जेल

रांची। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद ईडी ने मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उसके सहायक जहांगीर को मंगलवार को पीएमएलए कोर्ट के न्यायाधीश के समक्ष पेश किया. अदालत ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. बता दें कि दोनों की गिरफ्तारी पांच मई को हुई थी. रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट से अनुमति के बाद ईडी के अफसर दोनों से 14 दिनों तक पूछताछ कर चुके हैं. इस पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं. संजीव लाल के सहायक जहांगीर के घर से ईडी ने 35.23 करोड़ रुपये नकदी बरामद किए थे.

वह इंजीनियर बनना चाहती थी सिरफिरे की शिकार बन गई

उसे तो पता भी नहीं था कि कोई सिरफिरा उसका पीछा कर रहा है. वह अनजान थी. कोई अंदेशा भी नहीं थी. दिन-रात कॅरियर संवारने में लगी थी. फिर अचानक 15 दिसंबर 2016 की रात उसकी आखिरी रात कैसे साबित हो गयी. फिर सिरफिरा कैसे कानून के शिकंजे में फंसा? अदालत ने उसे मौत की सजा सुनायी है. अपराध कथा की इस कड़ी में पढ़ें सिल्ली की रहने वाली प्रतिभावान बच्ची की हत्या की कहानी.

अपराध कथा

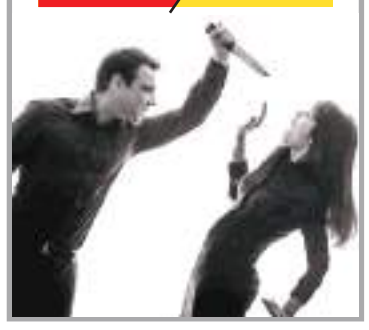

सौरभ सिंह

वह बूटी बस्ती स्थित अपने घर में रहती थी. हर दिन इंजीनियरिंग कॉलेज जाना और फिर वापस लौटना. पढ़ाई में जुट जाना. एक ही लक्ष्य था- कॅरियर संवारना, खुद की और अपने परिवार की जिंदगी को बेहतर बनाना. किसी भी तरह की अनहोनी से अनजान 15 दिसंबर, 2016 की वो काली रात, वह खाना खाकर सो गई थी. उसे अंदाजा भी नहीं था कि ये रात उसकी जिंदगी की आखिरी रात साबित होगी. उसी मुहल्ले में रहने वाला एक सिरफिरा युवक राहुल, जिसने खुद को एक ऑटो चालक बता कर कमरा लिया था. उसने ऐसा कृत्य किया, जिसने सबका दिल दहला दिया. दुष्कर्म, हत्या और फिर पीड़िता को जला देने की घटना ने पूरे शहर को स्तब्ध कर दिया था. जिसने भी सुना, हर किसी का दिल एक बार के लिए दहल उठा. सुबह में पड़ोसियों ने जब घर से धुआं उठता देखा, तो कमरे के भीतर गये. जला हुआ शव देखा. युवती के परिजनों के साथ-साथ पुलिस को सूचना दी गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला. इसमें अन्य कॉलेज के छात्र-छात्राएं व स्थानीय लोग भी शामिल हुए.

रांची पुलिस इस लोमहर्षक घटना को अंजाम देने वाले अपराधी को नहीं खोज पायी. लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा था और पुलिस परेशान थी. कई युवकों को हिरासत में लिया. उनमें हत्या करने वाला कोई भी नहीं था. धीरे-धीरे लोगों का गुस्सा शांत होता गया और स्थानीय पुलिस भी ठंडी पड़ गई. दूसरे कामों में उलझ गई. यह सब दो साल तक चला. न मुहल्ले के लोगों को कुछ समझ आया, न ही पुलिस को. हत्या करने वाला सिरफिरे ने तो मान लिया था कि अब वह कभी नहीं पकड़ा जायेगा. वह रांची छोड़ कर लखनऊ में आराम से रह रहा था. शायद अब किसी अन्य शिकार की तलाश में लग चुका था. क्योंकि उसका कैरेक्टर ही आपराधिक रहा था.

वर्ष 2018 में सरकार ने मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंप दिया. 28 मार्च 2018 को सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की और मामले का अनुसंधान शुरु किया. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का इस्तेमाल करके किसी तरह यह जानकारी जुटायी कि एक युवक, जो घटना के दो-तीन माह पहले से उसी बस्ती में रह रहा था, घटना के बाद से लापता है. सीबीआई को पता चला कि वह हाल ही में बूटी बस्ती में रहने आया था. जहां वह रह रहा था, वहां उसने सबको यही बताया था कि वह ऑटो चलाता है. सीबीआई को यह जानकारी भी मिली कि वह मूल रूप से बिहार के नालंदा के धुर गांव का रहनेवाला है और उसका असली नाम राहुल है. जबकि बूटी बस्ती में उसने अपना नाम अमित उर्फ राज श्रीवास्तव उर्फ अंकित बताया था. नालंदा में उसका आपराधिक इतिहास भी रहा है.

सीबीआई की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ती गयी, वैसे-वैसे राहुल के पुराने कारनामों का राज परत दर परत खुलता चला गया. पता चला कि पटना व नालंदा में उसने दुष्कर्म, साइबर अपराध जैसी अनेकों घटनाओं को अंजाम दिया है. इसके बाद सीबीआई को पता चला कि अभी वह लखनऊ में रह रहा है. तब वहां से उसे हिरासत में ले लिया. घटनास्थल से मिले नमूनों और युवती के नाखून से मिले चमड़े के डीएनए राहुल के डीएनए से मेल खा गये. इसके बाद सीबीआई 22 मई 2019 को उसे लेकर रांची पहुंची.

महज 23 साल के राहुल ने घटना को अंजाम देने की जो कहानी सीबीआई को बतायी, वह बेहद डरावनी और लोमहर्षक थी. उसने बताया कि घटना से करीब तीन माह पहले सितंबर 2016 में वह बिहार के नालंदा से रांची आया था. उसने बूटी बस्ती में ठिकाना तलाशना शुरु किया. मुहल्ले में उसे कोई नहीं जानता था. वह पूरी तरह अनजान था. इसलिए, किसी ने उसे कमरा नहीं दिया. तब कुछ लोगों ने उस पर तरस खाकर मुहल्ले के मंदिर के पीछे के एक कमरे में रहने की अनुमति दे दी. यह व्यवस्था तब तक के लिए थी, जब तक कि उसे किराये पर कमरा नहीं मिल जाता. लेकिन वह वहीं पर स्थायी रूप से रहने लगा था. इसी दौरान उसकी नजर युवती पर पड़ी. कॉलेज जाते और लौटते वक्त, वह युवती का पीछा किया करता था. कई बार मुहल्ले के बच्चों से भी युवती के बारे में पूछताछ कर चुका था. इस कारण मुहल्ले के कुछ लोगों ने उसे डांटा भी था. अक्सर वह पीछा करते हुए युवती के घर तक पहुंच जाता था. एक बार किराये पर कमरा लेने के लिए युवती के घर भी गया था, लेकिन उसे कमरा नहीं दिया गया.

राहुल युवती पर नजर रखने लगा. उसके घर के आसपास घूमने लगा. 15 दिसंबर 2016 को उसे मौका मिला, जिसकी तालाश में वह कई दिनों से था. उसे पता चला कि युवती घर में अकेली है. उसके माता-पिता बाहर गए हुए हैं. इसका पता चलने के बाद राहुल ने उसी रात अपने खतरनाक मंसूबे को पूरा करने की ठान ली. पूरा प्लान तैयार किया. रात में जब पूरा मुहल्ला सो रहा था, तब छत का एस्बेस्टस तोड़ कर वह युवती के घर में घुस गया. युवती के साथ वह जबरदस्ती करने लगा. युवती ने काफी देर तक उसका विरोध किया. राहुल को अपने नाखून से नोंचा. उसने हर वह कोशिश की, जिससे वह राहुल के चंगुल से बाहर निकल सके और अपनी इज्जत, जान बचा सके. लेकिन उसकी हर कोशिश बेकार साबित हुई. राहुल ने पहले उसके साथ दुष्कर्म किया, फिर गर्दन में तार लपेट कर उसकी हत्या कर दी. हत्या करने के बाद भी राहुल नहीं रूका. उसने उसके शरीर पर मोबिल छिड़क कर आग लगा दी. फिर वहां से फरार हो गया.

सीबीआई ने राहुल को पकड़ने के बाद उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया. एक माह तक स्पीडी ट्रायल चला. अदालत ने उसे दुष्कर्म और हत्या का दोषी माना. साथ ही उसके अपराध को रेयर ऑफ रेयरेस्ट माना. अदालत ने राहुल को मौत की सजा सुनायी. वह बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में सजा काट रहा है.

डिस्क्लेमरः इस स्टोरी को राहुल के इकबालिया बयान, सीबीआई की जांच और ट्रायल में आए तथ्यों के आधार पर तैयार किया गया है.

लोस चुनाव : सातवें चरण में झारखंड की तीन सीटों पर एक जून को होगा मतदान

53 लाख मतदाता करेंगे 52 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

शुभम किशोर। रांची

लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में झारखंड की तीन लोकसभा सीट राजमहल, दुमका व गोड्डा में एक जून को मतदान होगा. राज्य के चौथे चरण में तीन संसदीय क्षेत्र में कुल 52 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं. इनमें राजमहल से 14, दुमका व गोड्डा से 19-19 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं. तीनों लोकसभा क्षेत्र में छह जिले और 18 विधानसभा आते हैं. चुनाव आयोग के डेटा के अनुसार, इन तीनों लोकसभा क्षेत्र में कुल 84 लाख 11 हजार 857 आबादी है. इसमें 43,02,034 पुरुष और 41,09,823 महिलाएं शामिल हैं. वहीं कुल 53 लाख 16 हजार 868 मतदाता हैं. इसमें 26,97,207 पुरुष, 26,19,631 महिलाएं और 30 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं.

गोड्डा लोस क्षेत्र का क्षेत्रफल कम, मतदाता ज्यादा

तीनों लोकसभा क्षेत्र में दुमका सबसे अधिक 5,263 स्क्वायर किलोमीटर और गोड्डा सबसे कम 4,002 स्क्वायर किलोमीटर में फैला है. वहीं राजमहल लोकसभा का क्षेत्रफल 5,038 स्क्वायर किलोमीटर है. गोड्डा का क्षेत्रफल कम है, लेकिन यहां की आबादी सबसे अधिक 37,67,857 आबादी है. इनमें 16,39,959 पुरुष व 15,27,715 महिलाएं शामिल हैं. वहीं 20 लाख 25 हजार 176 मतदाता हैं. इनमें 10,48,884 पुरुष और 9,76,278 महिला मतदाता हैं. दुमका लोकसभा की बात करें, तो यहां की आबादी 24 लाख 89 हजार 87 है, जिसमें 12,65,562 पुरुष व 12,23,525 महिलाएं हैं. इस लोकसभा में 15 लाख 89 हजार 435 मतदाता हैं, जिसमें 7,98,286 पुरुष और 7,91,143 महिला मतदाता शामिल हैं.

किस लोकसभा में कितने मतदाता

राजमहल लोकसभा

विधानसभा	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	कुल मतदाता
राजमहल	1,80,777	1,70,221	3,51,001
बोरियो	1,41,532	1,41,243	2,82,879
बरहेट	1,11,467	1,15,720	2,27,188
लिट्टीपाड़ा	1,06,793	1,11,162	2,17,956
पाकुड़	1,90,872	1,92,423	3,83,295
महेशपुर	1,18,496	1,21,441	2,39,938
कुल	8,50,037	8,52,210	17,02,257

दुमका लोकसभा

विधानसभा	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	कुल मतदाता
शिकारीपाड़ा	1,11,345	1,17,925	2,29,270
नाला	1,24,316	1,19,455	2,43,771
जामताड़ा	1,61,229	1,55,546	3,16,778
दुमका	1,27,843	1,30,948	2,58,794
जामा	1,10,917	1,14,280	2,25,197
सारठ	1,62,636	1,52,989	3,15,625
कुल	7,98,286	7,91,143	15,89,435

गोड्डा लोकसभा

विधानसभा	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	कुल मतदाता
जरमुंडी	1,37,413	1,28,361	2,65,777
मधुपुर	1,90,650	1,76,780	3,67,430
देवघर	2,26,708	2,07,670	4,34,388
पोड़ैयाहाट	1,60,140	1,53,864	3,14,005
गोड्डा	1,61,270	1,49,808	3,11,078
महगामा	1,72,703	1,59,795	3,32,498
कुल	10,48,884	9,76,278	20,25,178

राजमहल में महिला मतदाता ज्यादा

राजमहल लोकसभा क्षेत्र की आबादी 27 लाख 55 हजार 97 है. इनमें 13,96,513 पुरुष व 13,58,583 महिला आबादी है. इस लोकसभा क्षेत्र में 17 लाख 2 हजार 257 मतदाता हैं, जिसमें 8,50,037 पुरुष व 8,52,210 महिला मतदाता शामिल हैं.

2019 की तुलना में 16% मतदाता बढ़े

सातवें चरण में झारखंड की तीनों लोकसभा क्षेत्र में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 2024 में 16 फीसदी मतदाता बढ़े हैं. 2019 में तीनों लोकसभा मिला कर कुल 45 लाख 64 हजार मतदाता थे, जो 2024 में बढ़ कर 53 लाख 16 हजार हो गये हैं.

किस लोकसभा सीट पर कितने प्रत्याशी

राजमहल लोकसभा

प्रत्याशी – राजनीतिक दल
गोपिन सोरेन – सीपीआई (एम)
ताला मरांडी – भाजपा
मरियम मरांडी – बहुजन समाज पार्टी
विजय कुमार हांसदा – झामुमो
अजीत मरांडी – राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी
खलीफा किस्कू – पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)
पॉल सोरेन – एआईएमआईएम
मुंशी किस्कू – नवयुग प्रगतिशील मोर्चा
लीली हांसदा – समाता पार्टी
विनोद कुमार मंडल – लोकहित अधिकार पार्टी
दीपा टुडू – निर्दलीय
महेश पहाड़िया – निर्दलीय
लोबिन हेंब्रम – निर्दलीय
सेबेस्टिन हेंब्रम – निर्दलीय

दुमका लोकसभा

प्रत्याशी – राजनीतिक दल
नलिन सोरेन – झामुमो
परेश मरांडी – बहुजन समाज पार्टी
सीता मुर्मू – भाजपा
अनिल टुडू – लोकहित अधिकार पार्टी
अलेश हांसदा – इंडियन नेशनल सोशलिस्टिक एक्शन फोर्सेस
जोनाथन मार्डी – पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)
मुन्नी हांसदा – समता पार्टी
राजू एमानुएल मुर्मू – अंबेडकर पार्टी ऑफ इंडिया
राजेश किस्कू – कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया
कमिश्नर मुर्मू – निर्दलीय
निर्मल सोरेन – निर्दलीय
बघराई सोरेन – निर्दलीय
बिरेन मोहली – निर्दलीय
बेबीलता टुडू – निर्दलीय
मनोज हेंब्रम – निर्दलीय
महाशन मुर्मू – निर्दलीय
डॉ श्रीलाल किस्कू – निर्दलीय
संजय टुडू – निर्दलीय
सुशांति हेंब्रम – निर्दलीय

गोड्डा लोकसभा

प्रत्याशी – राजनीतिक दल
निशिकांत दुबे – भाजपा
प्रदीप यादव – कांग्रेस
बजरंगी महता – बहुजन समाज पार्टी
अनूप कुमार – प्राउटिस्ट ब्लॉक, इंडिया
अरुण कुमार – न्याय धर्म सभा
कालीपदा मुर्मू – सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कम्युनिस्ट)
कुमारी दिलेश्वरी – अंबेडकर पार्टी ऑफ इंडिया
कैतन कुमार – राइट टू रिकॉल पार्टी
ज्ञानेश्वर झा – जागरूक जनता पार्टी
तिपलाल साह – लोकहित अधिकार पार्टी
ब्रजकिशोर पंडित – एबीएमवीएमपी
रामेश्वर मंडल – पिपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक)
सूरज कुमार अमन – भागीदारी पार्टी (पी)
अभिषेक आनंद झा – निर्दलीय
अरुण मारिक – निर्दलीय
उदय शंकर खवारे – निर्दलीय
निलेश कुमार गुप्ता – निर्दलीय
मुकेश कुमार झा – निर्दलीय
डॉ के रेगाइय – निर्दलीय

जब आरोपी को नहीं मिलेगी सजा तो कैसे रुकेगा बच्चियों का रेप

- झारखंड में पॉक्सो एक्ट के मामलों की जांच धीमी
- 7911 में से 6620 कांड अनुसंधान के लिए लंबित

सौरभ सिंह। रांची

बच्चियों से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को जब सजा नहीं होगी तो, दुष्कर्म की घटनाओं पर रोक कैसे लगेगी? झारखंड में पॉक्सो केस की जांच तेजी से नहीं हो रही है. झारखंड अपराध अनुसंधान विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में वर्ष 2018 से 13 मई 2024 तक पॉस्को एक्ट के 7911 मामले दर्ज हुए हैं. इनमें सिर्फ 1,291 मामलों का निष्पादन हो पाया है. जबकि, 6620 मामले अभी भी अनुसंधान के लिए लंबित हैं.

इसके पीछे की वजह सामने आ रहा है कि वरीय अधिकारियों के लगातार निर्देशन के बावजूद कांड के अनुसंधानकर्ताओं द्वारा या तो कांड का निष्पादन नहीं किया जा रहा है या फिर आईआईएफ-5 फॉर्म नहीं भरा जा रहा है. पॉक्सो एक्ट के तहत विगत छह वर्षों में दर्ज हुए मामलों पर गौर करें, तो वर्ष 2018 में 956, 2019 में 1100, 2020 में 1406, 2021 में 1363, 2022 में 1328, वर्ष 2023 में 1373 और वर्ष 2024 में अब तक 385 मामले दर्ज हुए हैं.

किस जिले में पॉस्को के कितने कांड हैं लंबित

जिला	मामले
धनबाद	680
रांची	562
बोकारो	518
गिरिडीह	473
हजारीबाग	409
गढ़वा	379
पलामू	323
जमशेदपुर	310
गोड्डा	270
साहेबगंज	229
गुमला	281
चाईबासा	276
चतरा	240
देवघर	214
लातेहार	221
दुमका	166
रामगढ़	149
लोहरदगा	160
सरायकेला	158
सिमडेगा	145
पाकुड़	124
कोडरमा	115
खूंटी	113
जामताड़ा	100
रेल धनबाद	05

कुल - 6620

रेलिंग तोड़ कर पुल से नीचे गिरी यात्री बस

संवाददाता। रांची/खूंटी

अड़की थाना क्षेत्र के सिंदरी गांव के पास मंगलवार को 55 यात्रियों से भरी बस रेलिंग तोड़कर पुल के नीचे गिर गयी. इस घटना में दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गये. सभी को आनन-फानन में अड़की अस्पताल ले जाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद सभी की गंभीर स्थिति को देखते खूंटी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया. बताया जाता है कि मोहन नाम की यात्री बस खूंटी से यात्रियों को लेकर जमशेदपुर जा रही थी. जैसे ही बस सिंदरी गांव के पास पहुंची, तो विपरीत दिशा से तेल टैंकर आ रहा था. उसी दौरान एक बच्चा भी दौड़ गया जिसे बचाने के क्रम में बस अनियंत्रित हो गयी और रेलिंग को तोड़ते हुए पुल के नीचे गिर गयी.

लोकसभा चुनाव तीन लोकसभा सीटों चतरा, हजारीबाग और कोडरमा में सोमवार को मतदान संपन्न हो गया

कोडरमा में जीत का अंतर कम होगा, चतरा-हजारीबाग में भाजपा भारी

प्रवीण कुमार । रांची

झारखंड की तीन लोकसभा सीटों चतरा, हजारीबाग और कोडरमा में सोमवार को मतदान संपन्न हो गया. तीनों सीटों का चुनाव जातीय ध्रुवीकरण, सांप्रदायिकता और आदिवासी अस्मिता के साथ-साथ रूठे कैडरों को मनाने के इर्द-गिर्द घूमता रहा. तीनों लोकसभा में मुकाबला भाजपा और इंडिया के बीच ही रहा. अब जीत किसकी होगी, यह चार जून को ही पता चलेगा.

चतरा लोकसभा: ईसाई व मुस्लिम वोटों की गोलबंदी ने डाला असर

चतरा लोकसभा क्षेत्र में कुल पांच विस सीटें हैं. वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने सिमरिया, चतरा, लातेहार और पांकी में एकतरफा बढ़त हासिल की थी. मनिका में भी बढ़त मिली थी, लेकिन अंतर कम था. लेकिन इस बार पूरा समीकरण बदला नजर आया. भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह, कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी और वर्ष 1999 में चतरा से राजद की टिकट पर सांसद बने नागमणि बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े है. चतरा लोकसभा में 28 फीसदी अनुसूचित जाति, 19 फीसदी आदिवासी और 13 फीसदी मुस्लिम वोटर हैं. इसके अलावा कुशवाहा और यादव जाति के वोटर भी बड़ी तादाद में हैं. कांग्रेस 19 फीसदी आदिवासी, 13 फीसदी मुस्लिम के साथ-साथ यादव व कुशवाहा मतों के जरिए जीत की राह देख रही है. वहीं भाजपा अपने पक्ष में भूमिहार, वैश्य जातियों के साथ पार्टी के कैडर वोट का एकजुट रहना सुखद मान रही है. वहीं अगड़ी जातियां ब्राह्मण व राजपूत का वोट कांग्रेस व भाजपा दोनों के पाले में जाने की बात कही जा रही है. चतरा लोस के दो विस में भोक्ता जातियों की बहुलता है. हाल ही में इस जाति को जनजाति में शामिल किया गया है, जिसका लाभ भाजपा को मिलता नजर आ रहा है.

कोडरमा लोकसभा : जातिगत समीकरण टूटे, बिखरे कैडर वोटर

खूंटी के बाद कोडरमा को झारखंड का सबसे हॉट सीट माना जा रहा है. अन्नपूर्णा देवी राजद से आकर भाजपा की सांसद बनी. केंद्र में मंत्री का दर्जा मिला. लेकिन यहां से भाकपा माले के बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह के इंडिया गठबंधन प्रत्याशी बनने के बाद मुकाबला रोचक हो गया. मुकाबला एकतरफा नहीं रहा. इस बार जातिगत समीकरण भी टूटे हैं. भाजपा के कैडर वोट में भी बिखराव होने की खबरें हैं. वहीं कुशवाहा जाति के वोटरों का भाजपा से बिदकना बड़ा सवाल खड़ा करता है. विधानसभावार बात करें तो कोडरमा की छह विस सीटों में से चार पर एनडीए का कब्जा है. और दो पर इंडिया गठबंधन का. कोडरमा में भाजपा के विधायक है. यादव बहुल विस होने के बाद भी यादवों की वोटों में जबरदस्त बंटवारा होने की चर्चा है. बरकट्ठा में निर्दलीय विधायक अमित कुमार यादव हैं, लेकिन यहां भी यादव वोट बंटने की खबरें हैं. धनवार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का क्षेत्र है. चर्चा है कि यहां भूमिहार वोट भाजपा के पक्ष में एकजुट नहीं रह पाया.

हजारीबाग लोकसभा : जेपी पटेल व मनीष को रहा भितरघात का डर

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र में हजारीबाग, बरही, बड़कागांव और मांडू में पिछली बार भाजपा को एकतरफा बढ़ मिली थी. लेकिन लोकसभा चुनाव के कुछ माह बाद हुए विधानसभा चुनाव में बरही, बड़कागांव और रामगढ़ में कांग्रेस की जीत हुई थी. जबकि हजारीबाग और मांडू में भाजपा प्रत्याशी जीते थे. बाद में ममता देवी को एक मामले में सजा होने पर आजसू ने रामगढ़ उपचुनाव जीत लिया था. इस चुनाव में भाजपा के टिकट से चुनाव जीते दोनों विधायक के बीच सीधा मुकबला रहा. चुनाव में बड़कागांव विधानसभा में भाजपा को स्पष्ट बढ़त की बात लोगो के बीच चर्चा में है. वहीं रामगढ़ जिला के रामगढ़, मांडू और में कांटे की टक्कर दिखा. महिला वोट एक तरफ जाता दिख रहा है तो आदिवासी और मुस्लिम वोट का ध्रुवीकरण कांग्रेस के पक्ष में देखा गया. ओबीसी वोटरों में कुर्मी और कोइरी वोट में भी बिखराव हुआ है. वहीं हजारीबाग और बरही में साइलेंट वोटिंग हुई है. शहरी क्षेत्र के वोटरों में उत्साह नहीं दिखा. वहीं ग्रामीण इलाकों में जबरदस्त उत्साह दिखा. कुल मिलाकर कहें तो चंद हजार वोट के अंतर से ही हार-जीत का फैसला होना है.

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 36.2° अधिकतम | 23.2° न्यूनतम

www.lagatar.in रांची, बुधवार 22 मई 2024 ● बैशाख शुक्ल पक्ष 14 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 43 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पानी पर 🔒

सुजाता चौक के पास क्लब रोड की एचवाईडीटी खराब, राजा बंगला मोहल्ले के लोगों ने लगा दिया स्विच पर ताला

आकर्ष अनिकेत। रांची

राजधानी रांची के सुजाता स्थित क्लब रोड के लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं. इलाके में पानी की आपूर्ति पूरी करने वाली एचवाईडीटी की मोटर खराब है. इस एचवाईडीटी के पानी को लोग नहाने से लेकर खाना बनाने तक में इस्तेमाल करते थे. क्लब रोड में रहनेवाले लोग अब पानी के लिए दूसरे इलाके के एचवाईडीटी पर निर्भर हैं, पर वहां भी उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. क्लब रोड के लोग मोटर खराब होने के बाद राजा बंगला मोहल्ले में लगे एचवाईडीटी से पानी भरने जाते थे, पर पिछले कुछ दिनों से वहां पर भी उन्हें पानी नहीं मिल रहा है. राजा बंगला मोहल्ले में लगे एचवाईडीटी मोटर के स्विच पर वहां के लोगों ने ताला लगा दिया है. इस कारण क्लब रोड के लोगों को वहां से भी पानी नहीं मिल पा रही है.

कई दिनों से खराब है मोटर

पानी पर ताला लगाने की सूचना के बाद हमने क्लब रोड के लोगों से बातचीत की. लोगों ने बताया कि एचवाईडीटी का मोटर 20-25 दिनों से खराब है. इसकी जानकारी निगम को भी की गई है. करीब 10 दिन पहले निगम कर्मचारी मोटर खोल कर ले गये थे, पर अब तक मोटर नहीं बन पाया है. लोगों का कहना है कि पानी नहीं होने के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

क्लब रोड की खराब एचवाईडीटी

पानी लेने से रोक दी गयी: लाल बाबू

क्लब रोड के रहने वाले लाल बाबू ने बताया कि मोटर खराब होने के बाद वह राजा मोहल्ला स्थित टंकी (एचवाईडीटी) के पानी लेते थे. उसी पानी से नहाने व खाना बनाते थे. अब वहां के लोग राजा मोहल्ले की टंकी से पानी भरने नहीं देते हैं.

परेशानी का सामना करना पड़ रहा: मनोज

क्लब रोड के ही मनोज राय ने बताया कि पानी की कमी के कारण काफी परेशानी हो रही है. अब नहाने व खाना बनाने के लिए भी बहुत मुश्किल से पानी की व्यवस्था हो रही है. निगम जल्द से जल्द एचवाईडीटी की मोटर ठीक कराए.

जल्द से जल्द ठीक हो मोटर: नगीना

एचवाईडीटी का मोटर खराब होने से परेशान क्लब रोड निवासी नगीना पासवान ने निगम से मांग की है कि जल्द से जल्द मोटर को ठीक करवाई जाए. उन्होंने कहा कि मोटर खराब होने के कारण हमलोग 20 दिनों से परेशान हैं.

ब्रीफ खबरें

बीएनआर होटल के पास युवक का शव बरामद

रांची। चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड में बीएनआर होटल के पास युवक का शव बरामद हुआ है. युवक के पॉकेट से आधार कार्ड मिला है, जिसमें उसका नाम चंद्रकांत बी तलवार नाम लिखा है और वह कर्नाटक का रहने वाला है. जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने युवक का शव पड़ा देखा. जिसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी. जानकारी पाकर चुटिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

कलेक्शन एजेंट से ढाई लाख की छिनतई

रांची। अरगोड़ा थाना क्षेत्र के हेहल अंचल पुल के पास मंगलवार की सुबह बाइक सवार अपराधियों ने आईटीसी के कलेक्शन एजेंट से ढाई लाख रुपये की छिनतई कर ली. कलेक्शन एजेंट कुंदन कुमार दुकान से पैसा कलेक्शन करके लौट रहा था. इसी दौरान बाइक सवार अपराधियों ने उससे रुपयों से भरा थैला लेकर फरार हो गया. पीड़ित ने बताया कि वह आईटीसी में एजेंट के रूप में कार्यरत है. सुबह-सुबह वह दुकान से पैसे कलेक्शन करके जा रहा था.

पत्नी के सुसाइड के दो दिन बाद पति ने भी आत्महत्या

रांची। पंडरा ओपी क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी में पत्नी के सुसाइड करने के दो दिन बाद पति ने भी मंगलवार को आत्महत्या कर ली. मृतक की पहचान ईंट भट्ठा कारोबारी सत्यप्रकाश के रूप में हुइ है. बताया जाता है कि दो दिन पहले ही सत्यप्रकाश की पत्नी ने भी सुसाइड कर लिया था. बताया जाता है कि घटना के बाद से सत्यप्रकाश काफी परेशान था. उसका शव उसके घर के कमरे से बरामद किया गया. सत्यप्रकाश की पत्नी करुणा अग्रवाल ने भी घर में ही आत्महत्या कर ली थी. दोनों अपने पीछे एक 12 साल की बेटी को छोड़ गए हैं.

बोकारो में राजनाथ सिंह ने झामुमो और कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा-

जनता की आंखों में आंखें डाल कर राजनीति करो

कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचारियों को दिया जाता रहा संरक्षण

अब सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत क्या बोल रहा है

प्रमुख संवाददाता। रांची/बोकारो

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को बोकारो में झामुमो और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. वे सेक्टर-टू दुर्गा पूजा मेला मैदान में धनबाद लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे. राजनाथ ने कहा कि मैं झामुमो और कांग्रेस वालों से कहना चाहता हूं कि अगर कलेजे में दम है, तो जनता की आंखों में धूल झोंक कर राजनीति नहीं करो, बल्कि जनता की आंखों में आखें डाल कर राजनीति करो.

इस दौरान रक्षा मंत्री ने केंद्र की मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां भी गिनाई. उन्होंने कहा कि हमने बहुमत मिलने पर कश्मीर से धारा 370 को हटा दिया. हमने कहा था कि राम मंदिर बनकर रहेगा. रामलला अपने महल में पहुंच चुके हैं. भारत में रामराज्य का आगाज होकर रहेगा. जिस दिन लोगों को अपने दायित्व का अहसास हो जाएगा, उस दिन रामराज्य आ जाएगा. दुनिया की कोई ताकत इसे पूरा होने से नहीं रोक सकती.

बुजुर्गों का पांच लाख तक मुफ्त इलाज होगा : राजनाथ सिंह ने मंच से ऐलान किया कि 15 जून के बाद सभी बुजुर्गों के लिए पांच लाख तक का इलाज मुफ्त होगा. कहा कि पीएम मोदी ने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है. गरीबों के लिए पांच किलो मुफ्त राशन देने का काम किया. आज आयुष्मान कार्ड से करोड़ों गरीब-गुरबों के मुफ्त में इलाज हो रहा है.

हमारी सरकार का एक भी मंत्री भ्रष्टाचारी नहीं

रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का एक भी मंत्री भ्रष्टाचार में पकड़ा जाएगा, तो दूध में पड़े मक्खी की तरह निकाला जाएगा. हमारी सरकार में एक भी मंत्री भ्रष्टाचारी नहीं है. कांग्रेस और झामुमो पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग ईमानदारी की बात करते हैं. कहते हैं कि मोदी जी आ गये, तो आरक्षण खत्म कर देंगे. किसी भी सूरत में भाजपा ऐसा नहीं करेगी. देश की जनता को ये धर्म के आधार पर आरक्षण देकर गुमराह करना चाहते हैं.उन्होंने कहा कि हम ताकतवर बन गये हैं. भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन जो भारत को छेड़ेगा उसको भारत छोड़ेगा नहीं. 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में तेजी से विकास हो रहा है. पीओके भी हमारे पास आकर रहेगा.

मंत्रियों के पीएस के पास मिल रहीं नोटों की गड्डियां

राजनाथ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री तो छोड़िए, उनके मंत्रियों के पीएस के पास से नोटों की गड्डियां मिल रही हैं. बिना मुख्यमंत्री की शह के यह किसी भी सूरत में सफल नहीं हो सकता. आज उनको गिरफ्तार कर लिया, तो कहते हैं कि भाजपा अपने सारे विरोधियों को प्रताड़ित कर रही है. मोदी सरकार में अगर हमारा कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार के मामले में पकड़ा जाएगा, तो उसका स्थान उसका घर नहीं, जेल होगा. उन्होंने कहा कि आज झारखंड के भ्रष्टाचार की चर्चा हर जगह पर है. मोदी जी के नेतृत्व में 10 साल हमारी सरकार चली. हमारे किसी भी मंत्री पर भ्रष्टाचार का एक दाग तक नहीं है.

झामुमो की हरकत के कारण भारत की छवि खराब हुई

रक्षा मंत्री ने कहा कि झामुमो और कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि फवाद हुसैन राहुल गांधी की तारीफ कर रहे हैं. मैं अपील करना चाहता हूं कि देश को बचा लीजिए. झामुमो की हरकत के कारण भारत की छवि खराब होती है. राजनीति केवल सरकार चलाने के लिए नहीं करनी चाहिए, बल्कि देश चलाने के लिए करनी चाहिए. समाज बनाने के लिए करनी चाहिए. सीता सोरेन आज भाजपा में आ गई हैं. वहीं, ढूल्लू महतो तीन बार विधायक रहे हैं. ये प्रश्न केवल ढुल्लू महतो का नहीं है. हमें देश बनाना है. ढुल्लू महतो को भारी मतों से विजय बनाइए.

जब से मोदी पीएम बने, एक लाख करोड़ की संपत्ति जब्त की

कांग्रेस के शासनकाल में बराबर भ्रष्टाचारियों को शह दी जाती रही है. संरक्षण दिया जाता रहा है. कांग्रेस के शासन काल में इन लोगों ने 32 लाख ही जब्त किये थे. भ्रष्टाचारियों के खिलाफ ये हिम्मत नहीं करते थे. जब से मोदी पीएम बने हैं, तब से एक लाख करोड़ की संपत्ति जब्त की है. 10 सालों में इतनी कार्रवाई हुई. बैंकों की हालत इतनी खराब थी, सारे हिंदुस्तान के बैंक घाटे में चले गये थे. अब बैंक तीन लाख करोड़ के मुनाफे में हैं. भारत का कद सारी दुनिया में ऊंचा हुआ है. पहले भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था. अब सारी दुनिया कान खोलकर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है. दुनिया में हमें सम्मान की नजर से देखा जाता है.

केजरीवाल ने भाजपा व पीएम मोदी पर बोला हमला, कल्पना की तारीफ की

झांसी की रानी बन मोदी को चुनौती दे रहीं कल्पना

झारखंड की सभी 14 सीट हम जीतेंगे, बनेगी इंडिया गठबंधन की सरकार

'इंडिया' की सरकार बनने के बाद जेल से बाहर आएंगे हेमंत सोरेन

प्रमुख संवाददाता। रांची/जमशेदपुर

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि झारखंड का बच्चा-बच्चा हेमंत सोरेन से प्यार करता है. उन्हें राजनीतिक षड्यंत्र के तहत जेल में डाल दिया गया. कल्पना झांसी की रानी बनकर मोदी जी को चुनौती दे रही हैं. भाजपा ने सोचा कि केजरीवाल को जेल में डाल दो. हेमंत को गिरफ्तार करूंगा, सरकार गिरा दूंगा. लेकिन, सब उल्टा हो गया. दिल्ली में पार्टी (आप) बिखरी नहीं, बल्कि सब एक हो गए हैं. सांसद, विधायक पार्षद, पदाधिकारी सब एक हो गए हैं. ऐसे ही झारखंड में हुआ.

उन्होंने कहा कि पूरे झारखंड में ऊर्जा है. पिछली बार गठबंधन को दो सीटें आई थीं, लेकिन इस बार सभी 14 सीट जीतेंगे. केजरीवाल मंगलवार को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में झामुमो उम्मीदवार समीर मोहंती के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर से उनका बहुत पुराना नाता है. आज से 35 साल पहले टाटा स्टील में नौकरी करता था. केजरीवाल ने कहा, भाजपा सरकार ने उन्हें झूठे आरोपों में फंसा कर जेल भेज दिया. पीएम मोदी ने पूरी ताकत लगाई कि उन्हें बेल ने मिले, लेकिन हनुमान जी के आशीर्वाद से अंतरिम जमानत मिल गयी. अब सुप्रीम कोर्ट ने मोहलत दी कि चुनाव प्रचार करो.

हेमंत सोरेन आदिवासी समाज के सबसे बड़े नेता

केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता हेमंत सोरेन की आभारी है. कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी थी, मैनें हेमंत जी को कॉल किया, तो तुरंत ऑक्सीजन भेजा. हेमंत सोरेन के खिलाफ ऐसा कोई आदेश नहीं है, फिर भी जेल में डाल दिया. मोदी जी ये गुंडागर्दी है. मुझे किसी ने दोषी नहीं कहा, लेकिन जेल में डाल दिया. हेमंत सोरेन पूरे देश में आदिवासी समाज के सबसे बड़े नेता हैं. गुरुजी झारखंड बनाने को लेकर जेल गए, लाठियां खाई, ये नहीं देखने के लिए कि झारखंड में उनके बेटे को जेल में डाल दिए. मोदीजी ने आदिवासी समाज की चुनौती दी है. अब आपको जबाव देना है. बटन दबाओ तो आवाज मोदीजी के कानों में गूंजनी चाहिए.

हेमंत सोरेन जेल में रहेंगे या बाहर, ये आप पर है निर्भर

केजरीवाल ने कहा कि हेमंत सोरेन जेल में रहेंगे या बाहर, ये आप पर निर्भर है. इंडिया को वोट दिया तो हेमंत सोरेन बाहर आएंगे, सबको कहना कि कमल का बटन नहीं दबाना. यदि आरक्षण बचाना है, देश बचाना है, तो मोदी को हटाना होगा. उन्होंने कहा कि मैं यहां भाई हेमंत सोरेन के लिए आया हूं. हाथ जोड़कर आपसे भीख मांगने आया हूं कि देश बचाइए. चुनाव देश के अस्तित्व को बचाने का है. देश भर में एनडीए के खिलाफ माहौल है. मुझे 21 दिन की मोहलत मिली है. मैं कोशिश में हूं कि उनकी जितनी सीटें कम कर सकता हूं. 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी और हेमंत सोरेन जेल से बाहर आएंगे.

हेमंत ने आदिवासियों के हित में काम किया: कल्पना

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि झारखंड में झामुमो की सरकार बनने के बाद कोरोना महामारी आ गई. झारखंड के कई मजदूर देश के अलग-अलग क्षेत्रों में फंस गए. हेमंत सोरेन ने उन मजदूरों को वापस झारखंड लाने का काम किया. आदिवासियों के हित में काम किया है. हेमंत सोरेन क्रांतिकारी हैं, जो झारखंड को मजबूत बनाने का काम कर रहे थे. उन्हें मोदी जी ने जेल भेज दिया. कल्पना ने आगे कहा कि इस बार का चुनाव, भाजपा बनाम त्रस्त जनता के बीच चल रहा है. भाजपा संविधान बदलना चाहती है.

जुमला साबित हुए पीएम मोदी के सभी वादे: चंपाई

सभा में सीएम चंपाई सोरेन ने भी भाजपा व पीएम मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने जो भी वादे किए थे, सब जुमला निकले. केंद्र सरकार ने झारखंड के विकास के लिए कोई काम नहीं किया. मोदी ने झारखंड के आदिवासियों और मजदूरों का अपमान किया है. संबोधन के दौरान सीएम की कई बार जुबान भी फिसली. उन्होंने अरविंद केजरीवाल को अरविंद केजलीवाल कहा दिया. फिर उनकी पत्नी का नाम सुनीता चौधरी कह दिया. इस पर झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती ने टोका, तो चंपाई ने अपनी गलती सुधारनी चाही, पर सुनीता अग्रवाल कह दिये. फिर गलती का एहसास होने पर खुद हंस पड़े.

समस्या गंभीर विद्यार्थियों की भरमार, राज्य भर के कॉलेज व प्लस टू स्कूलों में सीटों की दरकार, एडमिशन पर बड़ा सवाल

झारखंड से फिर दूसरे राज्यों में होगा छात्र-छात्राओं का पलायन

शुभम संदेश खास

रवि भारती। रांची

झारखंड में इस साल जैक बोर्ड और सीबीएसई से लगभग 6,65, 083 विद्यार्थियों ने मैट्रिक और इंटर की परीक्षा पास की है. जैक बोर्ड द्वारा ली गई मैट्रिक की परीक्षा में इस साल 3,78,398 विद्यार्थी सफल रहे हैं. वहीं इंटर की परीक्षा में 2,06,685 विद्यार्थियों ने सफलता पाई. वहीं सीबीएसई और आइसीएसई बोर्ड से लगभग 80 हजार विद्यार्थी 10वीं और 12वीं की परीक्षा में सफल हुए हैं. लेकिन, इतने विद्यार्थियों के लिए राज्य के प्लस टू स्कूलों व कॉलेजों में सीट नहीं है.

मैट्रिक पास छात्रों की संख्या 3 .78 लाख, इंटर में 2,06,685 विद्यार्थी पास हुए

सीबीएसई व आइसीएसई बोर्ड से 10वीं व 12वीं में 80 हजार छात्र हुए हैं सफल

इंजीनियरिंग के लिए राज्य से हर साल छह हजार छात्रों का होता है पलायन

हर साल छह हजार छात्रों का पलायन

झारखंड में बेहतर इंजीनियरिंग कॉलेजों के नहीं होने से यहां की प्रतिभाएं कर्नाटक, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रही हैं. छह हजार से अधिक छात्र प्रत्येक वर्ष इन राज्यों में सिर्फ इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों में दाखिला ले रहे हैं. सबसे अधिक यानी दो से ढाई हजार बच्चे कर्नाटक के 180 कॉलेजों में दाखिला लेते हैं. एक हजार से अधिक बच्चे ओडिशा, 700 से 800 पश्चिम बंगाल, 500 से अधिक बच्चे पंजाब, दिल्ली, महाराष्ट्र व यूपी में एडमिशन ले रहे हैं.

बेहतर इंजीनियरिंग कॉलेज भी नहीं

झारखंड से प्रतिभाओं के पलायन का मुख्य कारण यहां बेहतर इंजीनियरिंग कॉलेज व आधारभूत संरचनाओं का नहीं होना है. झारखंड में चार सरकारी और 14 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जहां 7400 से अधिक सीटें है. इनमें बीआईटी सिंदरी को छोड़ अन्य कॉलेजों में सीटें खाली रह जाती हैं. कहने को राजकीय अभियंत्रण कॉलेज दुमका, चाईबासा और रामगढ़ में सरकारी कॉलेज हैं, जो पीपीपी मोड पर चल रहे हैं, पर यहां पर पेड सीट भी जैसे-तैसे भरे जाते हैं.

इंटर कॉलेजों में जैक ने कम कर दी है सीटें

झारखंड के इंटर कॉलेजों में एडमिशन के लिए जैक ने सीटें कम कर दी हैं. स्थापना अनुमति प्राप्त कॉलेजों में प्रत्येक संकाय में 128, स्थायी प्रस्वीकृति प्राप्त इंटर कॉलेजों में हर संकाय में 384, डिग्री संबद्ध कॉलेजों के हर संकाय में 256, जबकि अंगीभूत कॉलेजों के प्रत्येक संकाय में कुल 384 सीटें तय की गयी हैं. साथ ही स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अगर किसी कॉलेज ने तय सीट से अधिक विद्यार्थियों का दाखिला लिया, तो जैक उनका पंजीयन नहीं करेगा.

सरकारी कॉलेजों में भी सीटें कम

झारखंड के सरकारी कॉलेजों में भी सीटों की कमी है. राज्य गठन के बाद से कई सरकारें आई और गईं, लेकिन इस मसले का समाधान नहीं हो पाया. अब तक इंटर कॉलेज विकल्प के तौर पर स्थापित नहीं हो पाये. दो पालियों में पढ़ाई शुरू नहीं हुई. पिछड़े क्षेत्रों में दो से तीन कॉलेज खोलने की घोषणा धरी की धरी रह गयी. हर जिले में महिला कॉलेज नहीं खुले.

कॉलेज में सीटों की स्थिति

विश्वविद्यालय	कॉलेज	सीटें
सिद्धो-कान्हू	12	21810
विनोबा भावे	18	33330
रांची विवि	15	29823
नीलांबर-पीतांबर	04	7475
कोल्हान	14	17765

कुल संबद्ध कॉलेज 18 हैं, इसमें 32100 सीटें है.

इंटर में सीटों की स्थिति

आर्ट्स	67,840
कॉमर्स	54,784
साइंस	54784

किस विवि में कितने शिक्षकों की है कमी

विश्वविद्यालय	रिक्त पद
रांची विवि	268
विनोबा भावे	155
सिद्धो-कान्हू	190
नीलांबर पीतांबर	107
कोल्हान	364
डॉ. एसपी मुखर्जी	75

विश्वविद्यालयों में पांच लाख छात्रों के लिए हैं सिर्फ 2493 टीचर

किसी भी विवि को नहीं मिला केंद्रीय विवि का दर्जा

राज्य में पहले से स्थापित पांचों विश्वविद्यालयों में से किसी को भी केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा नहीं मिल पाया है. राज्य गठन के बाद कितनी सरकारें आयीं और गयीं, लेकिन किसी ने भी उच्च शिक्षा को प्राथमिकता की सूची में नहीं रखा. हर बार घोषणा की गयी, प्रस्ताव तैयार किये गये, लेकिन सब ठंडे बस्ते में चले गये. शिक्षा के स्तर में गिरावट का यह भी प्रमुख कारण रहा.

राजधानी में फिर बर्ड फ्लू की पुष्टि

रांची। राजधानी रांची में एक बार फिर बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है. आईसीएआर-एनआईएचएसएडी भोपाल में रांची के मोरहाबादी स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम के कुक्कुटों की जांच के लिए नमूने भेजे गये थे, जिसमें एच5एन1 एवियन इनफ्लुएंजा की पुष्टि हुई है. बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने एहतियात के तौर पर रामकृष्ण मिशन आश्रम मोरहाबादी से एक किलोमीटर की परिधि में किसी भी जिंदा/मृत कुक्कुटों/कुक्कुट उत्पाद एवं अंडा की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी है. साथ ही इनके परिवहन पर भी अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है.

उठाए जा रहे जरूरी कदम : जिला प्रशासन की ओर से रैपिड रिस्पॉन्स टीम द्वारा संक्रमित क्षेत्र में कुक्कुट की कलिंग वैज्ञानिक विधि से निस्तारण एवं संक्रमित क्षेत्र का क्लीजिंग एंड डिसइन्फेक्शन का कार्य किया जा रहा है. चिकेन व अंडा दुकानों एवं आसपास के क्षेत्र में मुर्गियों, अंडे आदि की उपलब्धता की जांच की जा रही है. बर्ड फ्लू के प्रसार की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है.

शहर में आज

1. कांग्रेस का जन संपर्क अभियान शहर के विभिन्न हिस्सों में दोपहर 12 बजे
2. बीजेपी का जन संपर्क अभियान शहर के विभिन्न हिस्सों में दोपहर 12 बजे
3. माले का इंडिया गठबंधन के समर्थन में जन संपर्क अभियान दिन के 11 बजे

सूचना: शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

असम के सीएम आज धनबाद और दुमका में

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिश्व सरमा बुधवार को धनबाद और दुमका में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे. सरमा 11:30 बजे धनबाद लोकसभा के बोकारो जिले के चंदनक्यारी स्थित सिनेमा हॉल मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे. इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, लोकसभा प्रभारी सुरेश साहू, प्रत्याशी दुल्लू महतो भी मौजूद रहेंगे. इसके बाद सरमा दुमका जिले के शिकारीपाड़ा के रामेश्वर स्थित रघुनाथपुर मैदान में 1.30 बजे से आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे.

शिवराज आज रांची व धनबाद में करेंगे सभा

रांची। एमपी के पूर्व सीएम शिवराज चौहान बुधवार को दोपहर 12 बजे से धनबाद के झरिया में जनसभा को संबोधित करेंगे. चौहान 2 बजे से गोड्डा के मोहनपुर चौक से बसुआ चौक (वाया- थाना गेट, केचुवा चौक, दुर्गा मंदिर) तक आयोजित रोड सभा में हिस्सा लेंगे. चौहान रांची के मोरहाबादी स्थित संगम गार्डन में शाम 5:00 बजे से आयोजित युवा सम्मेलन में हिस्सा लेंगे. इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी बालमुकुंद सहाय, प्रत्याशी संजय सेठ, रांची महानगर जिला अध्यक्ष वरुण साहू भी मौजूद रहेंगे.

आज तेजस्वी सूर्या बाइक जुलूस में होंगे शामिल

रांची। भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद तेजस्वी सूर्या 22 मई को रांची में मोटरसाइकिल जुलूस में होंगे. मोटरसाइकिल जुलूस सुबह 11:00 बजे से बिरसा चौक से शुरू होगा. इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी बालमुकुंद सहाय, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक भानु प्रताप शाही, लोकसभा प्रत्याशी संजय सेठ भी मौजूद रहेंगे. सूर्या जमशेदपुर में दोपहर 1:00 बजे से आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे. इस अवसर पर लोकसभा प्रभारी डॉ. प्रदीप वर्मा, लोकसभा प्रत्याशी विद्युत वरण महतो, जमशेदपुर जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा, पश्चिम सिंहभूम जिला अध्यक्ष संजू पांडे भी उपस्थित रहेंगे. सूर्या शाम 4 बजे से रांची के मोरहाबादी स्थित संगम गार्डन हॉल में आयोजित युवा सम्मेलन सभा में भी हिस्सा लेंगे.

दो दिन तक चलेगी आंधी वज्रपात की भी आशंका

रांची। झारखंड में मौसम का मिजाज हर दिन करवट ले रहा है. मौसम केंद्र के अनुसार, 22 और 23 मई को कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा चलेगी. वहीं 24-25 मई को दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और वज्रपात की आशंका है. इस दौरान तेज हवा भी चलेगी. इसकी गति 30 से 40 किमी हो सकती है. इसका असर पू. सिंहभूम, प. सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, गुमला, खूंटी में देखने को मिलेगा. मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है.

कांग्रेस पर भाजपा का पलटवार: राहुल गांधी अब कर रहे हैं संविधान बचाने का नाटक, घड़ियाली आंसू बहा रहे

संविधान का अपमान करने वाले कर रहे इसे बचाने की बात : प्रतुल शाहदेव

प्रमुख संवाददाता। रांची

मोदी सरकार का मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मंगलवार को कहा कि इंडी गठबंधन के लोग संविधान बचाने की बात कह कर घड़ियाली आंसू बहा रहे है. प्रतुल शाहदेव मंगलवार को मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. शाहदेव ने कहा कि संविधान का सर्वाधिक अपमान इसी इंडी गठबंधन के लोगों ने किया है. याद दिलाया कि संविधान का पहला संशोधन 1951 में जवाहरलाल नेहरू ने किया था, जब वह अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री थे. कहा कि कांग्रेस ने अभिव्यक्ति की आजादी पर कई बार पाबंदियां लगाई गयी थी. साल 1975 में जब राजनारायण मामले में इंदिरा गांधी मुकदमा हार गयीं थी, तो उन्होंने पूरे संविधान को ही सस्पेंड करते हुए देश में आपातकाल लगा दिया था. कहा कि उस समय लोगों के मौलिक अधिकार छीन लिये गये थे. लोगों की नसबंदी की जाने लगी थी.

इंदिरा गांधी के कार्यकाल में 20% संविधान बदला गया : प्रतुल शाहदेव ने कहा कि 1976 में 42 वें संशोधन के जरिए इंदिरा गांधी ने संविधान का सबसे बड़ा परिवर्तन किया था, जिसके तहत 20 फीसदी तक संविधान में संशोधन किया गया. आरोप लगाया कि राज्य सरकार, सुप्रीमकोर्ट, हाईकोर्ट की शक्तियों को कम कर पीएमओ में समाहित कर दिया गया था. कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने मिनर्वा वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया मामले में इसके विवादास्पद प्रावधानों को निरस्त किया. शाहदेव ने कहा कि राजीव गांधी ने 1986 में शाहबानो मामले में मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए संविधान की मूल भावना के विपरीत जाकर संसद में सुप्रीमकोर्ट का निर्णय बदल दिया. संविधान में प्रेस की आजादी वर्णित है. लेकिन राजीव गांधी ने 1988 में मानहानि विधायक लाकर प्रेस पर अंकुश लगाने का प्रयास किया. प्रतुल शाहदेव ने कहा कि संविधान की कोख से जन्मी संसद की कैबिनेट से पास अध्यादेश को शहजादे राहुल गांधी ने 2013 में सार्वजनिक रूप से फाड़कर संविधान का अपमान किया. आरोप लगाया कि कांग्रेस और उनके सहयोगियों को देश के संविधान पर भरोसा ही नहीं है.

सभी पोलिंग पार्टी स्ट्रॉन्ग रूम लौटी: के रवि कुमार

रांची। झारखंड मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया की झारखंड में पांचवे चरण का चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ. उन्होंने कहा की झारखंड में 63.09 प्रतिशत अनुमानित मतदान हुआ है. अभी इसमें कुछ बदलाव की संभावना है. के रवि कुमार ने बताया की सभी पोलिंग पार्टी स्ट्रॉन्ग रूम पहुंच चुकी है. उन्होंने कहा झारखंड में दूसरे चरण में भी महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाता की तुलना में ज्यादा रही. उन्होंने कहा इसका कारण पुरुषों का अधिक माइग्रेशन होना हो सकता है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया की हजारीबाग में मतदान की प्रक्रिया को मोबाइल में रिकॉर्ड करने को लेकर कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने बताया मतदान की प्रक्रिया को रिकॉर्ड करना धारा 138 आरपी , 188 आईपीसी के अंतर्गत आती है. जिसके तहत कार्रवाई की जाती है.

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती बोलीं- भगवान राम हैं कण-कण में

किसी की हैसियत नहीं कि राम को ला सके

- राम मंदिर की किसी मलिकयित नहीं, हम राम भक्त हैं, इसके लिए किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं
- भाजपा का काम राम-राम जपना, पराया माल अपना, चंदा दो और धंधा लो के अलावे कोई काम नहीं किया

विशेष संवाददाता। रांची

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रवक्ता व स्टार प्रचारक साध्वी साधना भारती ने कहा कि भगवान राम कण-कण में बसे हैं. इस पूरे ब्राह्मांड में किसी की हैसियत नहीं है, जो भगवान राम को ला सकें. अजीब स्थिति है देश में. खुद को भगवान राम को लाने का ठेका लेकर लोग घूम रहे हैं. राम मंदिर आंदोलन में सभी का योगदान रहा है, जिसमें आदिवासी, दलित, पिछड़े सभी का. आखिर क्यों राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी नेता उमा भारती, विनय कटियार, आडवाणी और तो और हमारी आदिवासी महिला राष्ट्रपति को दूर रखा गया. हम भला उनके बुलाने पर मंदिर कार्यक्रम में क्यों जाते, क्या उनके साथ फोटो खिंचवाने जाते. इन लोगों का काम है राम-राम जपना और पराया माल अपना. चंदा दो और धंधा दो का काम इन लोगों ने 10 वर्ष में किया. हमें हिंदू और राम भक्त होने के लिए क्या किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत है. राम मंदिर बना है, हम कभी भी जा सकते हैं. हमारे नेता विधायक भी गए. राम मंदिर किसी की मिलकियत नहीं है. उक्त बातें भारती ने मंगलवार को कांग्रेस भवन में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन के दौरान कही.

भाजपा वालों भागो जनता पीटेगी, अब कांग्रेस ही जीतेगी : साधना भारती ने कहा कि उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही भाजपा में धर्म को धंधा बनाने के सब प्रबंध हो जाते हैं. सत्ता की खुरचन चाटने के लिए भाजपा में कई नेवलों के भी सांपों से संबंध हो जाते हैं. भाजपा रामवादी नहीं रावणवादी है.कृष्णवादी नहीं कंसवादी है. भाजपा के ठगबंधन में शामिल संजय निषाद ने कहा था कि भगवान राम दशरथ के पुत्र नहीं हैं, संजय-निषाद ने तो ही माता कौशल्या के अस्तित्व पर संदेह जताया, फिर भी भाजपा ने संजय निषाद को योगी मंत्रिमंडल का सदस्य बनाया. आज तक संजय निषाद को मंत्री पद से नहीं हटाया. भाजपा के नेता नरेश अग्रवाल ने राज्यसभा में भगवान राम की तुलना रम से और माता सीता की तुलना शराब से की. फिर भी भाजपा ने नरेश अग्रवाल को राज्यसभा पहुंचाया. उनके पुत्र को योगी मंत्री मंडल में शामिल कराया गया. भाजपा न रामवादी है, न कृष्णवादी है, न धर्मवादी है. भाजपा केवल नोट वादी है. भाजपा का केवल एक ही काम है चंदा दो और धंधा लो,राम-राम जपना पराया माल अपना.इसलिए भाजपा वालों अब भागो नहीं तो जनता पीटेगी.

एचईसी नागरिक संघ करेगा यशस्विनी को सपोर्ट

रांची । एचईसी नागरिक संघ की बैठक मंगलवार को धुर्वा में कैलाश यादव की अध्यक्षता में हुई. जिसमें निर्णय लिया गया कि रांची लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की उम्मीदवार यशस्विनी सहाय को समर्थन दिया जायेगा. एचईसी नागरिक संघ ने निर्णय लिया है एचईसी का अस्तित्व बचाना हम सभी लोगों का नैतिक कर्तव्य है. इसलिए जनविरोधी एवं मजदूर विरोधी मोदी सरकार के बीजेपी प्रत्याशी के खिलाफ इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को समर्थन किया जायेगा. मौके पर सुधीर गोप, हरेंद्र सिंह, राकेश सिंह, एमके मिश्र, आरके मलिक, रामकुमार यादव, रंजन यादव, मैनेजर राय, अशोक सिंह, संजय सिंह, विजय सिंह, चंद्रिका यादव, राम इकबाल चौधरी, राजीव रंजन आदि शामिल थे. इस दौरान बीजेपी के सैकड़ों लोग हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस में शामिल हुए.

प्रियंका गांधी आज रांची और गोड्डा में, करेंगी जनसभाएं

- रांची में हाईटेंशन मैदान लोवाडीह में और गोड्डा में मेला मैदान में होगी चुनावी सभा

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी बुधवार को झारखंड आएंगी. वे गोड्डा और रांची में चुनावी सभा को संबोधित करेंगी. प्रियंका गांधी की पहली चुनावी सभा गोड्डा के मेला मैदान में है. वहीं रांची के नामकुम स्थित लोवाडीह के हाईटेंशन मैदान में भी चुनावी सभा को संबोधित करेंगी. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, कल्पना सोरेन, प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कांग्रेस के मंत्री, विधायक और राजद के नेता हिस्सा लेंगे. इसकी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. सभा की सफलता के लिए जनता के साथ लगातार जनसंपर्क जारी है. प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि सभा की तैयारी के लिए प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम स्थल हाईटेंशन मैदान का दौरा कर जायजा लिया है, ताकि सभा में भाग लेने वाले नेताओं, कार्यकर्ताओं सहित आम जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े. उन्होंने बताया कि चुनाव के प्रथम चरण से ही लोगों को प्रियंका गांधी द्वारा झारखंड में सभा करने की उम्मीद थी, जो पूरी होने जा रही है. सभा में उम्मीद से ज्यादा लोगों के भाग लेने की संभावना है. कहा कि देश की जनता कांग्रेस के हाथों में अपना भविष्य सुरक्षित मान रही है. भाजपा सरकार के हाथों 10 वर्षों से ठगती चली आ रही जनता पूरी तरह चौकन्नी है. जनता अपनी भूल दोहराना नहीं चाहती. कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि युवा रोजगार की आस में टूट चुके हैं. राहुल गांधी और प्रियंका गांधी जैसे युवा नेतृत्व पर उनका भरोसा टिक गया है. कहा कि गोड्डा और रांची की सभा से झारखंड के तीसरे और चौथे चरण के चुनाव में जीत की भूमिका तय हो जाएगी. इस मौके पर राकेश सिन्हा, कमल ठाकुर, आभा सिन्हा, नीतू देवी, आप के सौरभ श्रीवास्तव के अलावा अन्य उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

यशस्विनी सहाय को विजयी बनायें : आजम

रांची। झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा के नेता आजम अहमद ने रांची लोकसभा संसदीय क्षेत्र से इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी(कांग्रेस) यशस्विनी सहाय को जिताने की अपील की. आजम ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा शहर के 53 वार्डों में लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया. उन्होंने मतदाताओं से कहा कि 2024 में भाजपा को रोकने के लिए यशस्विनी सहाय के पक्ष में मतदान करें. आजम अहमद ने राजधानी समेत ग्रामीण क्षेत्रों में पदयात्रा, दौरा कार्यक्रम, जनसंपर्क अभियान चलाकर यशस्विनी सहाय को वोट देने की अपील की. गांवों, मुहल्लों व पंचायतों में आयोजित बैठकों में धर्म जाति से ऊपर उठ कर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय की पुत्री यशस्विनी सहाय को जिताने की अपील की गयी. रांची में 25 मई को वोटिंग होगी.

झामुमो के कार्यकर्ताओं में बसते हैं दुर्गा सोरेन

रांची । स्व. दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन दुर्गा सोरेन चौक पर किया गया. मंगलवार को झामुमो जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में नामकुम के लोवाडीह स्थित दुर्गा सोरेन चौक पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि आज दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि है. पूरे झारखंड में उन्हें याद किया जा रहा है. झामुमो के तमाम कार्यकर्ताओं में दुर्गा सोरेन बसते हैं. हम सभी कार्यकर्ता उनके दिखाए हुए रास्ते पर ही चलकर झारखंड के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच पा रहे हैं. उनकी कीर्ति को झारखंड युगों-युगों तक याद करता रहेगा. इस मौके पर डॉ. हेमलाल कुमार मेहता, समनुर मंसुरी, अश्विनी शर्मा, बीरू तिर्की, जनक नायक, बीरू साहु, कलाम आजाद, आदिल इमाम, रामशरण विश्वकर्मा, मंटू लाला, शांति तिर्की, अनिमा, रमेश साहु, गोपाल पांडेय, साहिल यादव, सुनीता लिंडा, परवेज आलम गुड्डू, विलियम रिचर्ड लकड़ा, सीमा लकड़ा, किशोर कुजूर, राजा, दिलबर सुरीन आदि उपस्थित थे.

राज्य व राष्ट्र के हित में अपना वोट जरूर दें : किशोर मंत्री

रांची। बिजनेस कलस्टर ऑफ इंडिया ने रांची में शत प्रतिशत मतदान को लेकर मंगलवार को पटेल पार्क से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया. संस्था के सदस्यों ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी, सहजानंद चौक होते हुए पूरे हरमू बाजार में घूम कर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया. मतदाताओं को हर एक वोट जरूरी है का संदेश 'लोकतंत्र को जिताना है, सबको वोट करने जाना है' देते हुए राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निर्वहन का आग्रह किया गया. चैंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री भी इसमें शामिल हुए. उन्होंने कहा कि मतदाता लोकतंत्र के पर्व को महोत्सव के रूप में मनायें. कार्यक्रम में चैंबर अध्यक्ष समेत बीसीआई अध्यक्ष रमेश कुमार, सनयोगा के अमित कुमार, शिव कुमार, प्रदीप कुमार, सरेंदु कुमारी, धीरज ग्रोवर, देवराज कुमार, विकास नाटा, सुबोध वर्मा, राजेश कुमार, विवेकानंद कुमार, अमित सिन्हा, उमेश अग्रवाल, सुधीर साहू, संजय कुमार, चेतन सिंह, संतोष कुमार, अजय कुमार व कई स्थानीय सदस्य शामिल थे.

जयराम की अग्रिम बेल पर 3 जून को अगली सुनवाई

रांची। जेबीकेएसएस के अध्यक्ष और गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार जयराम महतो को रांची सिविल कोर्ट से मिली राहत बरकरार है. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जयराम महतो की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उसके खिलाफ किसी भी पीड़क कार्रवाई पर रोक लगायी थी. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त (एजेसी 15) की कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान इस आदेश को 3 जून तक विस्तार दिया है. अब इस मामले में कोर्ट 3 जून को सुनवाई करेगा. बता दें कि जयराम महतो के खिलाफ रांची पुलिस ने रांची के नगड़ी थाना में वर्ष 2022 में दर्ज कांड संख्या 48 में वारंट लिया है. वारंट प्राप्त करने के बाद रांची पुलिस ने गिरिडीह में जयराम महतो को गिरफ्तार करने के लिए दबिश भी दी थी. लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आया.

संजय सेठ ने सिविल कोर्ट में किया जनसंपर्क, समर्थन मांगा

रांची। भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने मंगलवार को सिविल कोर्ट, सिंगरी, नामकुम बाजार, हेहल, कोगे व चुटिया में जनसंपर्क किया. रांची सिविल कोर्ट में वकीलों से मुलाकात की और समर्थन मांगा. सेठ ने वकीलों से कहा, कांग्रेस -झामुमो गठबंधन नौकरी देने का वादा कर सत्ता में आई थी, यह वादा पूरा नहीं हुआ. स्टार्टअप से मोदी जी ने रोजगार के अवसर पैदा किया, ये मजाक उड़ाते थे. वहीं कांग्रेसी स्टार्टअप से रोजगार देने की बात कर रहे. सेठ ने कहा कि कांग्रेस जल,जंगल,जमीन की बात करती है और आदिवासियों की जमीन, को लूटकर खजाना भरती है. उनके साथ अरविंद सिंह, सुधीर श्रीवास्तव ओम प्रकाश, जितेंद्र वर्मा, शिव शंकर, ऐश्वर्या सहाय आदि मौजूद थे. सिंगरी में सांसद सेठ ने कहा देश के किसी भी पीएम ने बिरसा मुंडा को वह सम्मान नहीं दिया. मोदी जी पहले पीएम हैं जिन्होंने उलिहातू जाकर श्रद्धांजलि दी. भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन पर जनजाति गौरव दिवस बनाने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया.

कल्पना सोरेन ने एक्स पर लिखा इमोशनल लेटर, बताया

मैं क्यों कूद गई राजनीति में

- कहा - बतौर मां और परिवार के देखभाल से खुश थी, मगर 31 जनवरी को तानाशाहों ने हमारी जिंदगी बदल दी

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन ने एक इमोशनल लेटर जनता के नाम जारी किया है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर अपने चाचा के श्राद्धकर्म में शामिल होने के दौरान ली गयी एक फोटो को साझा करते हुए राजनीति में आने के कारणों को बताया. कल्पना ने लिखा है कि राजनीति, दल, सरकार सब आप की (हेमंत सोरेन) की जिम्मेदारी रही. मैं घर, बच्चे, आदरणीय बाबा, मां और परिवार के देखभाल में खुश थी. ना मुझे कभी राजनीति में आने को शौक़ था, ना ही मैंने कभी सोचा था कि मुझे यह करना है. पर तानाशाहों ने 31 जनवरी को हमारी ज़िंदगी बदल दी. आपके साथ ही मेरी आत्मा को भी चहारदीवारी में क़ैद कर लिया.

आप (हेमंत) की कमी सबसे ज्यादा खल रही है : कल्पना ने लिखा है, जैसा स्नेह और आशीर्वाद अब तक मुझे राज्य के कोने-कोने में मिला है. वह हेमंत के प्रति लोगों के प्यार के कारण ही हो सका है. मेरे साथ-साथ, झारखंड के लोगों ने ठाना है कि इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार सभी सीटों पर बड़ी जीत दर्ज कर सकें. जिससे कि भविष्य में कोई तानाशाह षड्यंत्र रचने के पहले हजार बार सोचे. मेरे साथ-साथ, हेमंत के करोड़ों समर्थक, उनका इंतजार कर रहे हैं. आज जब जनता से मुझे एक नई पारी की शुरुआत का आशीर्वाद मिल रहा है तो आपकी (हेमंत सोरेन) की कमी सबसे ज़्यादा खल रही है. एक नई पारी के रूप में शुरुआत पर मैं इतना ही कह सकती हूं कि मैं उनके संघर्ष और अपने झारखंड परिवार के सुख-दुख में सदैव मजबूती से खड़ी रहूंगी. झारखंड झुकेगा नहीं, इंडिया रुकेगा नहीं.

आरोप टुंडी में एनडीए की जनसभा आयोजित, चंद्र प्रकाश चौधरी को विजयी बनाने का आह्वान

मथुरा ने पहले वोट लिया, अब शिक्षा के नाम पर वसूल रहे नोट: सुदेश

- झामुमो और कांग्रेस का काम है सिर्फ करप्शन : बाबूलाल मरांडी

मुख्य संवाददाता। रांची/टुंडी

गिरिडीह लोकसभा के मतदान का दिन नजदीक आते ही चुनाव प्रचार में तेजी देखी जा रही है. आजसू पार्टी की लोकसभा में वोटरो को गोलबंद करने का कोई कसर नही छोड़ रही है. टुंडी उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा गिरिडीह से एनडीए उम्मीदवार चंद्र प्रकाश चौधरी को जिताने की अपील की. उन्होने कहा, भाजपा गठबंधन के 400 पार के संकल्प को पूरा करते हुए नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने के लिए झारखंड की सभी सीटों पर एनडीए को जिताना जरूरी है. उन्होंने कहा कि झामुमो और कांग्रेस की सरकार राज्य में करप्शन के सिवाय कुछ किया. इन दोनों ने राज्य को लूटा है.

सभा को संबोधित करते हुए आजसू प्रमुख सुदेश कुमार महतो ने कहा कहा, अबकी बार 400 पार हमारा लक्ष्य और संकल्प है. हमारे इस लक्ष्य से विपक्ष परेशान है. महागठबंधन का सिर्फ नाम बदला है चरित्र नहीं. टुंडी की जनता ने पिछले लोकसभा चुनावों में अपना अपार प्यार एनडीए उम्मीदवार चंद्र प्रकाश चौधरी को दिया था. टुंडी की जनता पिछले बार से भी अधिक संख्या में अपना मत हमें देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का काम करेगी. झामुमो और कांग्रेस की पहचान तुष्टीकरण की राजनीति करने की राही है वह आज भी है. इनके पास विकास को लेकर कोई प्लान नहीं है. इस चुनाव में एक तरफ मोदी जी की गारंटी है तो दूसरी ओर कभी न पूरे हो पाने वाले झूठे वादे. अपने झूठे वादों से राज्य व राष्ट्र के मतदाताओं को भ्रमित कर रहे हैं इंडी गठबंधन के लोग. सुदेश महतो ने झामुमो के प्रत्याशी पर कटाछ करते हुए कहा मथुरा बाबू ने अपने और अपने परिवार के नाम पर निजी विद्यालय, महाविद्यालय खोल कर पहले वोट लिया. अब शिक्षा के नाम पर नोट भी ले रहे हैं. उनके निजी शिक्षण संस्थान में एक भी गरीब परिवार का बच्चा निःशुल्क पढ़ाई नहीं कर रहा है.

सभा को आजसू पार्टी केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत, महासचिव संजय रंजन, रविशंकर मौर्य, ज्योतिंद्र चौधरी, संतोष महतो, जितेंद्र सिंह, नेरू शांति भगत, नन्दू पटेल, नमन ठाकुर ने भी संबोधित किया.

एसएसपी ने 84 अपराधियों को जिलाबदर करने और थाने में हाजिरी लगाने का भेजा प्रस्ताव

संवाददाता। रांची

33 को थाने में हाजिरी लगाने का भेजा गया प्रस्ताव

जिन 33 अपराधियों, भू माफिया को थाने में हाजिरी लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है, उसमें सज्जाद अंसारी, बलदेव करमाली, विजय चौरसिया, कनीलाल साहू, कुंदन कुमार, मो. जसीम, सिंटू जायसवाल, सैयद शरताज, मो .मुस्तफा, शाहिद, मो. रेहान, कयामत, कलामुद्दीन, मनीष गोप, अजय सिंह, फैयाज अंसारी, रंथू उरांव, कार्तिक मुंडा, कारो पाहन, मनमोहन लोहरा, आकाश कुमार, छोटू लोहरा, मो. इम्तियाज, बबलू करमाली , मनोज राम, जियाउल अंसारी, खुर्शीद अख्तर, छोटू रजक, सद्दाम अंसारी, अनिल कुमार, यासिन और सईउल्लाह शामिल हैं.

राजधानी में सक्रिय 84 अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ जिलाबदर करने और थाने में हाजिरी लगाने की कार्रवाई की जाएगी. एसएसपी चंदन सिन्हा ने इससे संबंधित प्रस्ताव डीसी को भेजा है. इसमें 51 अपराधियों, भू माफिया और असामाजिक तत्वों को जिलाबदर करने, जबकि 33 को हर दिन थाने में हाजिरी लगाने का प्रस्ताव भेजा गया है.

51 होंगे जिलाबदर : जिन 51 अपराधियों, भू माफिया असामाजिक तत्वों को जिलाबदर करने का प्रस्ताव डीसी को भेजा है, उसमें सोनू अंसारी, संदीप थापा, बिट्टू मिश्रा, संदीप बागे, मोहन राय, सरफराज, खैरुद्दीन अंसारी, तसलीम, अफसर अंसारी, अली खान, शमशेर कुरैशी, मुन्ना उरांव, अली खान, ऋषि रंजन, सीमा तिर्की, मिथिलेश महतो, बिट्टू बड़ाइक, सजल कुमार, मजीद आलम, अली हुसैन, पप्पू गद्दी, परवेज आलम, राकेश कुमार सिंह, शाहनवाज अली, मो. सेराज, मोबीन, गेंदा सिंह, महमूद आलम, विकास कुमार, बुतरु उरांव, सुजाउद्दीन अंसारी, मोजिब अली, लवकुश शर्मा, तुलसी पाहन, राजा राम चौहान, विजय सिंह, रिंकू कुरैशी, विनोद गोप, आनंद वर्मा, पंकज सिंह, मो. आफताब, सकलदीप बड़ाइक, नरेश उरांव, बलिराम साहू, बंटी लोहार, बिरजू नायक, समीर बागची, मोबिन अंसारी, अताउर रहमान, देवनारायण उरांव और सईउल्लाह खान शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

हॉकी रांची लीग में बापू क्लब व सिनी खूंटी की टीम जीती

रांची। हॉकी झारखंड के सहयोग से हॉकी रांची द्वारा आयोजित हॉकी रांची लीग में मंगलवार को खेले गए मैच में बापू क्लब व सिनी खूंटी की टीम अपने-अपने मुकाबले जीते. पहले मैच में बापू क्लब ने फगुवा 11 को 5-2 से हराया. दूसरे मुकाबले में सिनी खूंटी ने जातुर अखरा खंटी को 4-1 से पराजित कर पूरे अंक हासिल किए. दूसरे मैच से पहले हॉकी इंडिया के महासचिव भोलेनाथ सिंह ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाया. आयोजन को सफल बनाने में हॉकी रांची के माइकल लाल, जयन्त केरकेट्टा, प्रमोद केरकेट्टा, डेनिस केरकेट्टा, अभिषेक साहू आदि शामिल थे.

गुरुद्वारा में गुरमुखी प्रशिक्षण शिविर शुरू

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी में मंगलवार से गुरमुखी ट्रेनिंग कैंप शुरू हुआ. गुरु नानक सेवक जत्था के इस शिविर में सभी आयु वर्ग के बच्चों के साथ बड़े भी हिस्सा ले रहे हैं. मनीष मिढा इसका संचालन कर रहे हैं. शिविर आठ जून तक चलेगा. ईशान काठपाल, मुकेश मुंजाल, सरदार हरविंदर मिड्ढा हनी, दीपू खत्री, मिताली तेहरी, ऋषा मुंजाल और हर्षा मुंजाल आदि इसके संचालन में योगदान दे रहे हैं. समापन के बाद गुरवाणी कंपटीशन भी कराया जाएगा.

डोरंडा कॉलेज में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

रांची। डोरंडा महाविद्यालय में मंगलवार को लायंस क्लब हिनू की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने 60 यूनिट रक्तदान किया. क्लब एडमिनिस्ट्रेटर राजकुमारी सिंह ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है. हमें ज्यादा से ज्यादा रक्तदान शिविर लगाकर अधिक से अधिक युवाओं को मोटिवेट कर रक्तदान के प्रतिशत को बढ़ाना होगा. उन्होंने रक्तदान करने के कई फायदों को विस्तार से बताया एवं रक्तदान करने वालों को अपनी शुभकामनाएं दी.

स्वीप अंतर्गत मतदाता जागरूकता रथ रवाना

रांची। स्वीप के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रांची जिला के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इसी क्रम में मंगलवार को समाहरणालय परिसर से मतदाता जागरूकता को लेकर प्रचार रथ को रवाना किया गया. निर्वाची पदाधिकारी रांची राहुल कुमार सिन्हा, नोडल पदाधिकारी स्वीप सह उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, सहायक निर्वाची पदाधिकारी रांची विधानसभा क्षेत्र उत्कर्ष कुमार, सहायक निर्वाची पदाधिकारी सिल्ली रामनारायण सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया.

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की स्टार्टअप उप समिति की बैठक में सदस्यों ने कहा

विभागीय उदासीनता से नहीं हो रहा पॉलिसी का इंप्लीमेंटेशन

संवाददाता। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के स्टार्टअप उप समिति की बैठक मंगलवार को चैंबर भवन में अध्यक्ष किशोर मंत्री और उप समिति चेयरमेन अमित अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई. झारखंड की वर्तमान स्टार्टअप पॉलिसी की सराहना करते हुए सदस्यों ने कहा कि विभागीय उदासीनता के कारण पॉलिसी का इंप्लीमेंटेशन नहीं हो पा रहा है, जिसकी समीक्षा होनी चाहिए. निर्णय लिया गया कि जल्द ही चैंबर द्वारा सूचना प्रोद्यौगिकी ई गवर्नेंस विभाग के सचिव से मिलकर कार्रवाई का आग्रह किया जायेगा, ताकि पॉलिसी के अनुसार प्रदेश की स्टार्टअप्स कंपनियां लाभांवित हो सकें, कहा गया कि स्टार्टअप्स के लिए एक विशेष पदाधिकारी की पदस्थापना भी आवश्यक है जो पॉलिसी का कार्यभार देखें. चर्चाओं के क्रम में यह भी तय किया गया कि झारखंड की जितनी भी स्टार्टअप्स कंपनियां कार्यरत हैं उन्हें एक प्लेटफॉर्म पर लाने का प्रयास किया जायेगा. इसी प्रकार कॉलेज/यूनिवर्सिटीज में अध्ययनरत विद्यार्थी जो स्टार्टअप्स के क्षेत्र में आना चाहते हैं उन्हें भी चैंबर एकजुट करेगा और उनकी परेशानियों के निराकरण पर काम करेगा। उप समिति चेयरमेन अमित अग्रवाल ने कहा कि 15-30 जून के मध्य में उप समिति द्वारा वृहद् स्तर पर टॉक शो का आयोजन किया जायेगा.

वर्ष 2028 तक झारखंड में 1000 नये स्टार्टअप्स शुरू किये जाने का सराहनीय लक्ष्य : किशोर मंत्री

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने वर्तमान पॉलिसी के प्रावधानों की सराहना करते हुए कहा कि पॉलिसी के जरिए सरकार ने वर्ष 2028 तक झारखंड में कम से कम 1000 नये स्टार्टअप्स शुरू किये जाने का लक्ष्य रखा है, जो उत्साहित करनेवाली है, इनोवेटिव आयडिया रखनेवाले युवाओं को प्रोत्साहन देने के लिए उन्होंने सरकार और स्टार्टअप्स के बीच समन्वय बनाकर चैंबर की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया. मौके पर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, उप समिति चेयरमेन अमित अग्रवाल, स्टार्टअप्स उद्यमी नीलकमल भरतीया, मनीष पियूश, राहुल मुरारका, रितु राज, सौरभ कुमार, प्रखर मिनोचा, महासचिव परेश गट्टानी शामिल थे.

आर्यभट्ट सभागार में मंगलवार को आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में वोट के लिए लगाया गया बैनर,और परदे में पीएम मोदी की तस्वीर,परदे के पीछे की ये तस्वीर बदल भी सकती है. **फोटो। रमीज**

रांची विवि में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, के रवि कुमार ने कहा

मतदान प्रतिशत बेहतर करने में युवाओं की भूमिका अहम

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय, रांची के आर्यभट्ट ऑडिटोरियम में मंगलवार को मतदाता जागरूकता का समापन समारोह, सम्मान समारोह सह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार थे. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बेहतर करने में युवाओं की बड़ी भूमिका रही है.युवाओं ने मतदाता जागरूकता में सहयोग किया है.

वोटरों को बूथ तक लाना एनएसएस वालेंटियर की जिम्मेवारी

मुख्य अतिथि ने कहा कि युवा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के वालेंटियर मतदान को लेकर लोगों को जागरूक करने का कार्य करते रहे हैं. कहा कि मतदान के दिन हर घर से मतदाताओं को वोटिंग के लिए बूथ तक लाना एनएसएस वालेंटियर की जिम्मेवारी है. इसके अलावा निर्वाचन कार्य से जुड़े लोगों एवं जागरूक नागरिकों पर भी बड़ी जिम्मेवारी है. कहा कि एनएसएस के वालेंटियरों के सहयोग से मतदान प्रतिशत में इजाफा होगा. इससे रांची सहित राज्य का नाम रोशन होगा.

प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता का आयोजन

कार्यक्रम के तहत एनएसएस वालेंटियर रैली, पोस्टर मेकिंग, कविता, रंगोली प्रतियोगिता, मोबाइल रिंग्स प्रतियोगिता, क्विज सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया गया. समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल आने वाले वालेंटियर को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम में परीक्षा नियंत्रक आशीष कुमार झा, छात्र कल्याण संकाय के संकायाध्यक्ष सुदेश कुमार साहू सहित एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर, वालेंटियर्स सहित रांची विवि के प्राध्यापकगण उपस्थित थे.

मतदान अवश्य करें, दूसरों को भी प्रेरित करें

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए मतदाता सूची में लोगों के नाम दर्ज कराने के लिए निबंधन कराने, मतदान के दिन बूथ तक मतदाताओं को भेजने का कार्य करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि मतदान करना आपका अधिकार है. मतदान अवश्य करें और दूसरों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें.

मतदान करना अधिकार के साथ-साथ हमारा कर्तव्य भी

रांची विवि के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि मतदान करना अधिकार के साथ-साथ हमारा कर्तव्य भी है. उन्होंने एनएसएस के वालेंटियर्सका उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आपकी मेहनत का फल मतदान के दिन दिखेगा. उन्होंने कहा कि मतदान के दिन मतदाताओं को सहयोग कर अधिक-से अधिक मतदान करवाना बेहतर अंक प्राप्त करने जैसा है. उन्होंने कहा कि आप सभी फ्यूचर ऑफ नेशन हैं.

मतदान न सिर्फ अधिकार है बल्कि जिम्मेवारी भी

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग, राष्ट्रीय सनातन एकता मंच एवं झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं को मतदान करना न सिर्फ एक अधिकार है बल्कि एक जिम्मेवारी भी है. जिसे हर नागरिक को अपनाना चाहिए मतदान करके आप अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं देश के भविष्य को आकार दे सकते हैं और चुने हुए प्रतिनिधियों को जवाबदेह बना सकते हैं. चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी लोकतंत्र को बनाए रखने समावेशी शासन को बढ़ावा देने और एक समृद्ध और सामंजस्य पूर्ण समाज में योगदान करने में मदद करती है. मतदान एक निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करता है सामाजिक और राजनीतिक समानता को बढ़ावा देता है, उच्च मतदान प्रतिशत लोकतांत्रिक प्रणाली की वैधता और विश्वसनीयता को मजबूत करता है.

आईएचएम के छात्र को मेडल ऑफ़ एक्सीलेंस

रांची। होटल प्रबंधन संस्थान (आईएचएम) रांची के क्राफ्ट्स मैनशिप सर्टिफिकेट इन फूड प्रोडक्शन एंड पेतेसरी पाठ्यक्रम में पढ़ाई कर रहे हर्ष रवीन्द्रन को इंडिया स्किल्स 2024 प्रतियोगिता में "मेडल ऑफ़ एक्सीलेंस" अवार्ड से सम्मानित किया गया. यह अवार्ड उन्हें राष्ट्रीय कौशल विकास निगम, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता 2024 के अंतर्गत मणिपाल में आयोजित राष्ट्रिय स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदान किया गया, जिसमें झारखण्ड का नेतृत्व करते हुए आईएचएम रांची के छात्र हर्ष रवीन्द्रन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन दिखाते हुए यह अवार्ड अपने नाम किया. संस्थान के प्राचार्य डॉ. भूपेश कुमार ने रवीन्द्रन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

न्यूज अपडेट

हॉपवेल हॉस्पिटल को प्राइड ऑफ झारखंड का अवॉर्ड

रांची। हिंदुस्तान टाइम्स ने हॉपवेल हॉस्पिटल को प्रोवाइडर्स ऑफ झारखंड अवॉर्ड-2024 से सम्मानित किया है. यह सम्मान झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो के हाथों दिया गया. उच्चतम पेशेंट केयर सेवाएं, अस्पताल संचालन व उच्च स्वभाव, आयुष्मान क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए यह सम्मान मिला. रांची के होटल बीएनआर चाणाक्य में हुए कार्यक्रम में हॉस्पिटल को पुरस्कृत किया गया. अस्पताल के निदेशक डॉ शाहबाज आलम कहा कि हमें गर्व है कि हमारे अस्पताल को यह अवॉर्ड मिला है.

योगा में स्नातक के लिए रांची विवि में नामांकन शुरू

रांची। रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्कूल ऑफ योग में तीन वर्षीय कोर्स बीएससी इन योग साइंस में सत्र 2024-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. इच्छुक विद्यार्थी विभाग के आधिकारिक वेबसाइट www.schoolofyogaru.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. वर्तमान में विश्वविद्यालय में योगा के लिए दो वर्ष का एमएससी और एक वर्ष का पीजी डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जा रहे हैं.

समर कैंप में छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा के गुर

रांची। अपर बाजार स्थित शिवनारायण मारवाड़ी कन्या पाठशाला में मारवाड़ी महिला मंच रांची की ओर से समर कैंप का आयोजन किया गया. पहले दिन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट्स अकादमी (इमा) ने छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया. इमा के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए. इस दौरान छात्राओं को विशेष कर हेयर क्लिप, हेयर स्टिक, हेयर पिन आदि को हथियार के रूप में इस्तेमाल करना सिखाया गया.

इस्कॉन के सत्संग में गूंजा हरेरामा हरेकृष्णा

रांची। विश्वनाथ अपार्टमेंट, पिस्का मोड़ में मंगलवार को इस्कॉन का साप्ताहिक सत्संग हुआ. शाम 7:00 बजे गुरु वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई इसके बाद अनुयायियों को सतगुरु के जीवन दर्शन और उनके उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. साथ ही हरे राम हरे कृष्णा ... अखंड हरि नाम संकीर्तन किया गया. रात नौ बजे आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ. अंत में अनुयायियों ने पांत में बैठकर ईश्वर का प्रसाद ग्रहण किया. अरुण देव, रंजीत, आनंद पाठक, चंदन घोष, रवी लोचन, अंशुमन, विक्रम प्रभु, ऋषभ आनंद आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

चुटिया में आज मनेगा महर्षि मेंहीं का जन्मोत्सव

रांची। संतमत सत्संग समिति के चुटिया स्थित आश्रम में बुधवार को महर्षि मेंहीं परमहंस जी का 140वां जन्मोत्सव श्रद्धाभाव से मनाया जायेगा. इसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है. सुबह पांच बजे प्रभातफेरी निकाली जायेंगी. इसमें बड़ी संख्या में अनुयायियों के साथ स्वामी निर्मलानंद, श्यामानंद और बालकृष्ण सहित कई साधु-संत हिस्सा लेंगे. सुबह सात बजे से स्तुति प्रार्थना की जायेगी. सत्संग होगा. साथ ही पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी. इसके बाद संत सम्मेलन शुरू होगा, जो दिन के 11 बजे तक चलेगा. फिर साधु भंडारा और इसके बाद सामूहिक भंडारा वृहत रूप में चलाया जायेगा.

श्रीश्याम मंदिर में भक्तों ने किया सुंदरकांड पाठ

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में मंगलवार को 102वां सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ हुआ. पाठ वाचक मनीष सारस्वत, ओम शर्मा संग भक्तों ने सस्वर पाठ कर मंगल कामनाएं की. मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी धर्मपत्नी अन्नपूर्णा संग अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित इसकी शुरुआत की. महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, स्नेह पोद्दार आदि मौके पर उपस्थित थे.

रॉकमैन प्रीमियर लीग : नाइट राइडर्स व चैलेंजर्स की टीमें जीतीं

संवाददाता। रांची

रॉकमैन प्रीमियर लीग में मंगलवार को नाइट राइडर्स व चैलेंजर्स ने अपने-अपने मुकाबले में जीत दर्ज की. पहले मैच में नाइट राईडर्स ने सुपर जॉयंट्स को 46 रन से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट राइडर्स के टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 168 रन बनाए. टीम की ओर संजय ने ताबड़तोड़ 45 रन बनाए और मनीष ने महत्वपूर्ण 43 रन की पारी खेली. सुपर जॉयंट्स के आलोक ने टीम के लिए सर्वाधिक दो विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुपर जॉयट्स की टीम 20 ओवर में 122 रन ही बना सकी. टीम के लिए आरव ने सर्वाधिक 39 रन बनाए. नाइट राइडर्स के राज ने टीम के लिए दो विकेट चटकाए. संजय कच्छप को शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच पुरस्कार मिला चैलेंजर्स और वॉरियर्स के बीच खेले गए मुकाबले में चैलेंजर्स की टीम ने 24 रन से जीत दर्ज की. पहले बल्लेबाजी करते हुए चैलेंजर्स ने सौरव कुमार के शतक से चार विकेट पर 185 रन बनाए.

उत्तिष्ठत जाग्रत स्मारिका का विमोचन

रांची। श्रीशिवनारायण मारवाड़ी कन्या मध्य पाठशाला के 90 वर्ष पूरे होने पर प्रकाशित उत्तिष्ठत जाग्रत नामक स्मारिका का विमोचन मंगलवार को किया गया. समारोह में चिन्मय मिशन आश्रम के स्वामी परिपूर्णानंद ने बतौर मुख्य अतिथि और डीएवी नंदराज पब्लिक स्कूल के प्राचार्य रवि प्रकाश तिवारी ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में हिस्सा लिया. समारोह के अध्यक्ष विनोद बंका ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि अमृत महोत्सव वर्ष की अंतिम कडी के रूप में स्मारिका विमोचन समारोह आयोजित की गयी है.

विश्वशांति के लिए लामा कर रहे दोमांग पाठ

संवाददाता रांची

बौद्ध मंदिर इन दिनो दोमांग पाठ से गुंजायमान है. यहां स्थानीय और बाहर से आये लामा विश्व शांति के भाव से सस्वर पाठ कर रहे हैं. मंगलवार को भी पाठ का क्रमवार सिलसिला देर शाम तक चला.अनुयायियों ने नेम-निष्ठा से हिस्सा लिया. सुख-समृद्धि के साथ विश्व कल्याण के लिए अपने इष्ट से प्रार्थना की.

छोटानागपुर बौद्ध सोसाइटी के नेपाल हाउस स्थित बुद्ध मंदिर में दाजिलिंग से आये पाल्देन, वांगदेन, संजय कर्मा और जिग्मी वांग्याल लामा पाठ कर सबके लिए मंगल

कामनाएं की. रंग-बिरंगी लाइटो से सजा गौतम बुद्ध का दरबार और कानों में मिश्री घोलते पाठ के मधुर स्वर को आत्मसात कर अनुयायी आध्यात्मिक चेतना जाग्रित करने में देर शाम तक मग्न रहे. अब यह सिलसिला बुध पूर्णिमा तक चलेगा. अध्यक्ष सुरेन कुमार तामंग और सुमन तामंग ने बताया कि गुरुवार को सुबह से दोपहर बाद तक पूजन-अनुष्ठान किया जायेगा. इसके बाद दीप प्रज्वलित कर अनुयायी सबके मंगल की कामनाएं करेंगे. फिर भंडारा के साथ विविध कार्यक्रम होंगे.

जैप वन स्थित बुद्ध मंदिर में चल रहा पाठ देर शाम संपन्न हुआ. स्थानीय अरुण, उरगेन और लाक्पा लामा ने मंगल कानाएं के साथ पाठ की पूर्णाहुति की. अब बुधवार को लुंदर (धर्म ध्वज) पूजन दिन के दस से तीन बजे तक चलेगा. अध्यक्ष बादल तामंग और पेमन जिंबा ने बताया कि गुरुवार को दिन के पौने दस बजे से पूजा शुरू होगी.

शिक्षा जगत

लेखन प्रतियोगिता के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून

'विजन फॉर विकसित भारत' के पोस्टर का विमोचन

संवाददाता रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय में भारतीय शिक्षण मंडल युवा आयाम ने शोध पत्र ''विजन फॉर विकसित भारत'' का पोस्टर विमोचन किया. विमोचन के पूर्व विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक की अध्यक्षता में शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता को लेकर बैठक हुई. बैठक के दौरान भारतीय शिक्षण मंडल झारखंड प्रांत कार्यकारिणी के संरक्षक मंडल के अध्यक्ष रंजीत कुमार मिश्रा ने प्रतियोगिता के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी दी.

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा, विधि एवं न्याय, भारतीय ज्ञान परंपरा, ग्रामीण विकास एवं स्वरोजगार, वाणिज्य, अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, कला, साहित्य, संस्कृति विषयों को इस शोधपत्र में शामिल किया गया है. बैठक में महिला प्रकल्प प्रमुख डॉक्टर सपना त्रिपाठी, युवा आयाम प्रमुख सुबोध कुमार, पवन कुमार, हजारीबाग जिला युवा प्रमुख विशाल प्रताप सिंह, विवि के कुलसचिव प्रो. वीके सिंह समेत विश्वविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

ये ले सकते हैं हिस्सा

बता दें कि 40 वर्ष से कम उम्र के स्नातक, स्नातकोत्तर, शोधार्थियों के लिए शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. इसके लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून एवं शोधपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2024 रखी गई है. प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रांत स्तर पर पुरस्कृत किए जायेंगे. प्रांत से चयनित शोधकर्ताओं को 15 से 17 नवंबर तक दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित किया जाएगा. वहीं इसमें चयनित शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित संस्थानों में शोध करने का अवसर मिलेगा.

संत अन्ना की पुत्रियों के धर्मसंघ में 15 धर्मबहनों का प्रथम व्रतधारण

संवाददाता रांची

15 धर्मबहनों ने मंगलवार को प्रथम व्रतधारण द्वारा संत अन्ना की पुत्रियों के धर्मसंघ में अपने को ईश्वर को समर्पित किया. यह धर्मविधि समारोही ख्रीस्तयाग के दौरान संत अन्ना जेनेरालेट में संपन्न हुई जो प्रातः 7.00 बजे शुरू हुई. इसके मुख्य अनुष्ठाता महामान्यवर विन्सेंट आईन्द, डीडी, रांची महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष थे. श्रध्देय फादर मक्सीमुस टोप्पो, सामलौंग पैरिस के पल्ली पुरोहित फा. फुलदेव सोरेंग, येस सहअनुष्ठाता थे। इस शुभ अवसर पर विभिन्न स्थानों से आए कुल 16 पुरोहितगण, अन्य धार्मिक संस्थाओं के धर्मसंघी, संत अन्ना की धर्मबहनें एवं कुछ अतिथिगण भी मौजूद थे. सिस्टर लीली ग्रेस तोपनो, डी.एस.ए., संत अन्ना धर्मसंघ की परमाधिकारिणी ने नवव्रतधारिणियों के व्रतों को ग्रहण किया. उनके साथ सिस्टर सोसन बाड़ा डीएसए, सिस्टर जसिन्ता केरकेट्टा डीएसए एवं सिस्टर मोनिका कुजूर डीएसए सहित सिस्टर सुजाता कुजूर डीएसए रांची प्रोविंस की प्रोविंशियल सुपीरियर तथा सिस्टर अनिमा डांग डीएसए, गुमला प्रोविंस की प्रोविंशियल सुपीरियर भी उपस्थित थीं. अपने प्रवचन में महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईन्द ने कहा कि धर्मसंघीय बुलाहट ईश्वर का एक अनमोल उपहार है, जो दूसरों की सेवा हेतु ईश्वर द्वारा प्रदान किया जाता है.

Before,
The Notary Public, Ranchi.
AFFIDAVIT

I, Md. Reyaz Alam S/o Abdullah Ansari, resident of House No. 3B, Sabri Enclave, Rahmat Colony, Near Jain Mandir P.S. Doranda, Dist. Ranchi-834002, Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare that:

1. That I am Indian Citizen and resident of above said address.
2. That in Aadhar Card my name is mentioned as **Md. Reyaz Alam** and in my Passport my name has been written as Mohammad Reyaz Alam.
3. That both the names **Md. Reyaz Alam** and **Mohammad Reyaz Alam** is the name of same and one person i.e. myself.
4. That this affidavit is sworned for the purpose of correction of my name in my Passport.
5. That the contents of this affidavit is true and correct to my knowledge and belief.

Affidavit no : 72 date : 20.05.24

ब्रीफ खबरें

यशस्विनी के पक्ष में किया गया जनसंपर्क

खलारी। रैयत विस्थापित मोर्चा के मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के नवाडीह शाखा अध्यक्ष शिवनारायण लोहरा के नेतृत्व में अगरवा में इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में जनसंपर्क अभियान चलाया गया. शिवनारायण लोहरा ने लपरा पंचायत के अगरवा गांव में जनसपंर्क अभियान के माध्यम से इंडिया गठबंधन रांची लोकसभा प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को वोट देने की अपील की गयी. मौके पर विकाश लोहरा, प्रसाद मुंडा, बैजनाथ मुंडा, गायत्री देवी, परदेशिया देवी आदि मौजूद थे.

प्रशासन ने वोटिंग की सभी तैयारी पूर्ण की

सोनाहातू/राहे। रांची लोकसभा क्षेत्र में 25 मई को वोटिंग होनी है. इसको लेकर प्रखंड स्तरीय तैयारी पूरी कर ली गई है. सोनाहातू प्रखंड में 81 बूथ हैं जिनमें 10 बूथ क्रिटिकल हैं. कुल मतदाता 62003 हैं. इनमें महिला 31000 और पुरुष 31003 हैं. सबसे अधिक मतदाता मध्य विद्यालय चोकाहातू बूथ 275 में हैं. यहां 1462 मतदाता हैं. राहे में 55 बूथ हैं. इनमें 24 क्रिटिकल हैं. कुल मतदाता 44560 हैं, जिनमें महिला 22494 तथा पुरुष 22065 हैं.

माकपा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत सोमवार के दिन 20मई को माकपा ने भगतसिंह चौंक में चलाया चुनाव जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान मोदी हराओ देश बचाओ, संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ आदि आदि नारे लगाए जा रहे थे. मौके पर झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो, जिला कमिटी सदस्य अमर महली, गणपति भोगता अरूण महतो, जिला कौंसिल सदस्य चितरंजन महतो, संतोष कुम्हार, जितेन्द्र महतो, दीपक सोनार, आदि उपस्थित थे.

प्रमुख ने भाजपा के पक्ष में किया जनसंपर्क

ओरमांझी। भाजपा ने मंगलवार को रांची लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए जनसंपर्क अभियान ओरमांझी बाजार एवं ओरमांझी क्षेत्र के विभिन्न जगहों में चलाया गया. इसका नेतृत्व भाजपा नेत्री सह ओरमांझी प्रखंड प्रमुख अनुपमा देवी, मुखिया दीपक बड़ाईक, उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता, भाजपा नेत्री सह समाजसेविका दीपा चौरसिया ने किया.

जेबीकेएसएस की नेता ने खलारी में मांगा वोट

खलारी। प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में जेबीकेएसएस ने जनसंपर्क अभियान चलाया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जेबीकेएसएस की महिला मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष देवंती मुंडा, केंद्रीय संगठन मंत्री सनी तिग्गा, सदस्य जितेंद्र राम, विजय महतो, श्रवण महतो भी शामिल थे. खलारी प्रखंड के पाही गांव, बमने, मनातु, डुंडू गांव, पुरनी राय, गूनागडा, राय बाजार आदि में जनसंपर्क किया गया.

जयंत व राज को नोटिस देना भाजपा की भूल

रांची। सवर्ण समाज के संयोजक मनीष सिंह ने कहा है कि भाजपा द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा और धनबाद के विधायक राज सिन्हा को नोटिस देना बड़ी भूल है. भाजपा ने धनबाद के पांच मंडल अध्यक्षों को भी तथाकथित अनुशासनहीनता के लिएशो-कॉज किया है, जिसका खमियाजा उसे चुनाव में उठाना पड़ेगा. बिना गंभीरता से एक झूठे आरोप पर सोच-विचार किये बिना यह निर्णय लिया गया है.

खटंगा जमनी टोली में चार माह से खराब पड़ी है जलमीनार, शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं कर रहे जिम्मेदार

बूंद-बूंद पानी को तरसे ग्रामीण, भारी आक्रोश

संवाददाता। लापुंग

ककरिया पंचायत के खटंगा जमनी टोली के ग्रामीण भीषण गर्मी में भी बूंद-बूंद पानी को लेकर तरस रहे हैं. उनकी परेशानी देखकर भी विभाग के पदाधिकारियों का दिल पसीज नहीं रहा. लगातार चार महीनों से खराब पड़े मोटर पंप और जलमीनार में पानी नहीं चढ़ने के कारण ग्रामीणों के समक्ष भारी परेशानी खड़ी हो गई है. विभागीय पदाधिकारियों के पास शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं हो रही है. विभाग शिकायत के बाद भी लतरातु पंचायत के इलाके के चालू चापानल को देखकर ककरिया पंचायत के खराब पड़े जलमीनार को चालू नहीं कर रहा है. इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है.

स्थानीय सुषमा खलखो ने कहा कि क्या खटंगा जमनी टोली का निवासी होना ही हमारा बड़ा अपराध है या कुछ और कारण है क्या ? उन्होंने कहा कि एक महीने पहले एसडीओ देवानंद सिंह ने मेरा मोबाइल नंबर लिया और कभी फोन नहीं किया. मुखिया, विधायक और सांसद को भी हमलोगों की समस्याओं से कोई लेना देना नहीं है. वहीं गांव की सिबनी उराईन ने कहा कि लतरातु पंचायत के इलाके में एक चापानल है लेकिन हमारे इलाके के इकलौते चापानल में मशीन लगा दी गई है और जलमीनार में ऊपर पानी चढाय़ा जाता है. चापानल में लगी मशीन खराब हो गई है और चार महीने से जलमीनार में पानी नहीं चढ़ रहा है. इससे पूरा गांव प्यासा है. वहीं करमी उराईन ने कहा कि हर आदमी को पीने के लिए पानी की जरूरत होती है. सरकार लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करके योजना चला रही है. कर्मचारियों को लाखों का वेतन दे रही है लेकिन चार महीने से हम गुहार लगा रहे और कोई सुन नहीं रहा. इससे खराब बात और क्या हो सकती है. वहीं करिश्मा कुमारी ने कहा कि जलमीनार तो जलमीनार अब नदी भी सूख गई है. जमुनी नदी के सूखने से पानी के लिए गांव में हाहाकार मच गया है. जमुनी नदी हमारे लिए जीवन दायिनी नदी है. मजबूरी में हम उसका प्रदूषित जल भी पी लेते हैं. लेकिन क्या यह हमारे स्वास्थ्य के लिए ठीक है? उन्होंने बड़ा सवाल उठाया और सरकारी तंत्र पर एक बड़ा सवाल खड़ा किया. लेकिन समस्या का निदान नहीं हो रहा.

लतरातु पंचायत के इलाके के चालू चापानल को देखकर ककरिया पंचायत के खराब पड़े जलमीनार को चालू नहीं कर रहा विभाग

एसडीओ ने समस्या से अनभिज्ञता जताई

वहीं ग्रामीणों की अंतहीन समस्या सुनकर पूर्व मंत्री देव कुमार धान भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली. उन्होंने एसडीओ देवानंद सिंह को मोबाइल से फोन किया और मामले की जानकारी देते हुए बताया कि इनकी समस्याओं का समाधान कब होगा? इस संबंध में पूर्व से ही जानकारी होने के बावजूद समस्या के प्रति देवानंद सिंह ने अनभिज्ञता जताई और कहा कि मुझे अभी जानकारी मिल रही है. बहुत जल्द समस्या का समाधान होगा. वहीं मौके पर सुनीता एक्का, संजय कच्छप, लखिया उराईन, सांजो उराईन, बिमला उराईन, मनिता मिंज, पुनिया कुमारी, गंदरी उराईन सुकरो लोहराईन सहित दर्जनों लोग मौके पर मौजूद थे.

ट्रांसफार्मर जलने से 15 दिन से अंधकार में कई मुहल्लों के निवासी

इटकी। प्रखंड के कुर्गी गांव में लगे दो सौ केबी का ट्रांसफार्मर जल जाने के बाद लगभग पंद्रह दिनों से कई मुहल्ले अंधकार में है. बिजली नहीं रहने से भीषण गर्मी में लोग बेहाल और परेशान हैं. लोग चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं वहीं पानी का बूंद बूंद के लिए लोगों को भटकना पड़ रहा है. इस डिजिटल दौर में मोबाइल चार्ज करने के लिए भी लोगों को परेशानी हो रही है. इन्वर्टर भी जवाब दे गया है. जानकारी के मुताबिक गत दिनों क्षेत्र में हुए वज्रपात के कारण कुर्गी में लगा दो सौ केवी का ट्रांसफार्मर जल गया है. इससे इस भीषण गर्मी में लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष सह कुर्गी मुखिया रमेश महली ने बिजली विभाग को पत्र सौंप कर शीघ्र ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है. इधर ग्रामीणों ने विभाग से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है.

बचरा 172 माइंस कॉलोनी में 20 दिन से पेयजल संकट

- सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में मोटर जलने के कारण कॉलोनी के 40 क्वार्टरों में पेयजल आपूर्ति बाधित

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के बचरा बाजारटांड़ स्थित 172 माइंस कॉलोनी में मोटर जलने से पेयजल संकट गहरा गया है. इसके कारण भीषण गर्मी में लोगों को काफी परेशानी हो रही है. मोटर जलने के कारण कॉलोनी के करीब 40 क्वार्टरों में पेयजल आपूर्ति बाधित है. करीब 20 दिन पूर्व बोरवेल के अंदर लगा मोटर जल गया था. ग्रामीणों ने मोटर बदलने का प्रयास किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. जला हुआ मोटर उक्त बोरवेल में फंस गया है. लोगों ने बताया कि कॉलोनी में एक भी कुआं और चापाकल नहीं है, जिसके कारण पानी के लिए लोग भटकने को मजबूर हैं. ग्रामीणों की शिकायत पर सीसीएल प्रबंधन द्वारा वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में बचरा साइडिंग से कॉलोनी में पानी सप्लाई की शुरुआत कराई गई, लेकिन एक सप्ताह के बाद साइडिंग से भी कॉलोनी के पानी का कनेक्शन काट दिया गया. इधर मंगलवार को कॉलोनी की महिला/पुरुष और बच्चे कालोनी में एकत्रित होकर इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विरोध प्रकट किया. कॉलोनी के लोगों ने बताया कि कॉलोनी के बगल सीसीएल द्वारा बचरा साइडिंग चल रहा है, जिसमें कोयला ढुलाई और रैक लोडिंग से उत्पन्न धुल गर्द से लोग परेशान हैं. वहीं ड्यूटी करने के बाद क्वार्टर आ रहे सीसीएल कर्मचारियों को पानी नसीब नहीं हो रहा है. कॉलोनी के लोगों ने प्रबंधन से इस समस्या के समाधान की मांग करते हुए पेयजल आपूर्ति बहाल करने की गुहार लगाई है.

कांके में इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को किया संबोधित

आपके वोट से ही जेल का ताला टूटेगा हेमंत सोरेन छूटेंगे : कल्पना सोरेन

संवाददाता। कांके

क्षेत्र के चामा नगड़ी में मंगलवार को इंडिया गठबंधन की जनसभा को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने कहा कि इस बार भाजपा मुद्दाविहीन चुनाव लड़ रहा है. भाजपा जुमलेबाजी की पार्टी बनकर रह गई है. मोदीजी ने वर्ष 2014 में जनता से कई वादे किये थे, जिसे आजतक पूरा नहीं किया गया. यह चुनाव किसी पार्टी का चुनाव नहीं, जनता का है. जनता अपने विवेक से वोट दें. यह चुनाव लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है. उन्होंने हेमंत सोरेन की सरकार की सराहना करते हुये कहा कि हमने पिछड़े वर्ग कसे 27 प्रतिशत आरक्षण, सरना धर्म कोड को विधान सभा से पारित कराकर राजभवन भेजा लेकिन फाइल को लौटा दिया गया. भाजपा नहीं चाहती कि आदिवासी व पिछड़े वर्ग का भला हो. भाजपा की सरकार बनी तो यह सरकार संविधान को बदल कर हमारे हक को मारने की कोशिश करेगी. आप अपने वोट से संविधान की रक्षा करें. भीड़ के नारे- जेल का ताला टूटेगा, हेमंत सोरेन छूटेगा पर कल्पना सोरेन ने कहा जेल के ताले की चाबी आप जनता के पास है. आपके वोट से ही जेल का ताला टूटेगा. कल्पना ने गठबंधन प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में वोट करने की अपील की. वहीं गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने कहा कि भाजपा की सरकार मंहगाई, रोजगार, विकास, महिला की सुरक्षा की बात नहीं करती. वर्तमान सरकार देश को बांटने का काम कर रही है. यह सरकार गरीबों को पांच किलो राशन देने की बात करती है. हमें राशन नहीं, शिक्षा की जरूरत है. राशन खुद ही मिल जायेगा. कांग्रेस की गारंटी योजना के बारे में बताया कि हमारी सरकार बनने के बाद महालक्ष्मी योजना के तहत हर गरीब घर की एक महिला को एक लाख रुपये प्रतिवर्ष दिये जायेंगे. सभा को बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, सुरेश बैठा, समनूर मंसूरी ने संबोधित किया. मौके पर पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय, जावेद अख्तर अंसारी, अशोक महतो, मदन महतो, संजर खान, गौरीशंकर महतो सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद थे.

'इंडिया' ब्लॉक का न्याय मार्च आज सिल्ली, राहे रांची, हटिया व कांके में

रांची। रांची लोकसभा से इंडिया गठबंधन की कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी सहाय के पक्ष में भाकपा माले कार्यालय में मंगलवार को पार्टी साथियों एवं सामाजिक-मजदूर नेताओं, महिला कामगार, अधिवक्ताओं, बुद्धिजीवियों की बैठक शुवेंदु सेन की अध्यक्षता में हुई. निर्णय लिया गया कि अगले दिन बुधवार से सिल्ली राहे के सभी जगहों पर नुक्कड़ सभा होगी. इसका नेतृत्व स्टार प्रचारक मनोज भक्त करेंगे. वहीं रांची हटिया, खिजरी, कांके विधानसभा में नदीम खान, कुमार वरूण, समर सिन्हा एवं जगरनाथ उरांव, सुदामा खलखो नुक्कड़ नाटक, प्रचार-प्रसार का नेतृत्व करेंगे. इस तरह प्रचार प्रसार-नुक्कड़ सभा एवं इंडिया गठबंधन का संयुक्त न्याय मार्च होगा. मौके पर वरिष्ठ पत्रकार श्रीनिवास, सुन्नी उरांव, सपना, कंचन कच्छप, सुनीता कच्छप, गीता तिर्की, दयालचंद पंडित, रमेश,लक्ष्मण सिंह, लक्ष्मण चंडी, कुमार वरुण, नदीम खान आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

निर्दलीय प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो जेल से हुए रिहा

राहे। रांची लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो मंगलवार शाम जेल से रिहा हो गए हैं. छात्र आंदोलन एवं खतियानी आंदोलन के दौरान सरकारी काम में बाधा पहुंचाने एवं तोड़फोड़ के आरोप में हिरासत में लिया गया था. उन्हें मंगलवार को 17 दिनों के बाद लोअर कोर्ट ने बरी कर दिया. जेल से निकलते ही समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया. देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि हमारी नैतिक लड़ाई से सत्ताधारी लोग डर गये हैं. हमारा संघर्ष हक अधिकार के लिए जारी रहेगा. इस संघर्ष में शामिल होने के लिए हेलमेट छाप पर वोट करें.

एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में आजसू ने की गांवों में बैठकें

राहे। एनडीए भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में मतदान कराने को लेकर आजसू पार्टी राहे प्रखंड कमेटी ने मंगलवार को कई गांव में बैठक कर लोगों को मतदान करने की अपील की गयी. प्रखंड प्रभारी संजय सिद्धार्थ के नेतृत्व में राहे, लोवाहातू, बसंतपुर पंचायत के कई गांव में ग्राम कमेटी, चूल्हा प्रमुख, महिला समिति और ग्राम प्रभारी के साथ बैठक कर प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में कमल फूल छाप में मतदान करने को कहा गया. अपने बूथ में शत प्रतिशत मतदान कराने को लेकर प्रचार में तेजी लाने को कहा गया. बैठक में महिला मोर्चा के अध्यक्ष मीरा महतो, प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो, पंचायत प्रभारी विशेश्वर अहीर आदि मौजूद थे.

यशस्विनी के पक्ष में चलाया गया जनसंपर्क अभियान

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सोमवार के दिन 20 मई को लोवादाग पंचायत के गांव धरमपुर में रांची लोकसभा क्षेत्र की कांग्रेस इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय और झारखंड की बेटी के लिए चुनाव प्रचार प्रसार किया, डोर टू डोर जनसंपर्क किया गया. साथ ही कांग्रेस के गारंटी कार्ड का वितरण कर 25 मई को हाथ छाप क्रम संख्या - 2 पर अधिक से अधिक वोट देकर विजय बनाने की अपील की. कार्यक्रम में सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो, सिल्ली पश्चिमी मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो, मो कलाम अंसारी, प्रकाश मुंडा, शिवनाथ अहीर, सोनाराम मुंडा, सिल्ली प्रखंड झामुमो अध्यक्ष राधिका महतो, अजीत महतो, वासुदेव मुंडा, सीपीआईएम नेता अमर महली, जितेंद्र नाथ महतो, अरुण कुमार महतो, चितरंजन महतो, रथु मुंडा इत्यादि इंडिया के लोग उपस्थित थे.

पूर्व उप प्रमुख ने विभिन्न क्षेत्रों में किया जनसंपर्क

ओरमांझी। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता सह पूर्व उप प्रमुख मुंतज़िर अहमद रजा ने मंगलवार को प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करके इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में जनसंपर्क किया. इस क्रम में वे आनंदी, बारीडीह, पांचा, भुसूर, कुटे, सांडी, जयडीहा, चेतनबाड़ी, चाडु, पंचायत के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया. मुंतज़िर अहमद रजा ने कहा कि इंडिया गठबंधन की समर्थन को देखते हुए भाजपाइयों की बैचेनी बढ़ गई है. सोशल मीडिया में देखा जा रहा है कि भाजपा की प्रत्याशी का हर जगह विरोध हो रहा है. प्रखंड अध्यक्ष तुलसी खरवार, अशोक कुमार गुप्ता, युवा प्रखंड अध्यक्ष सूरज पठान, विधायक प्रतिनिधि प्रेमनाथ मुंडा, सफीउल्लाह अंसारी, मुबारक अंसारी, हरिमोहन महतो, सुरेश साहू, खालिक खान सहित इंडिया गठबंधन के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

इटकी थाना क्षेत्र में जंगली हाथियों ने मचाया उत्पात

इटकी। सोमवार रात को थाना क्षेत्र के कुल्ली महुवा टिकरा में दो जंगली हाथियों के झुंड ने सोमवार की रात भारी उत्पात मचाते हुए नागों उरांव के मकान को ध्वस्त कर दिया. साथ ही घर में रखे धान सहित जनवितरण से मिले अनाज को अपना आहार बनाया और बर्बाद कर दिया. जंगली हाथियों के हमले से कई एस्बेस्टस भी बर्बाद हो गये. ज्ञात हो कि नागों उरांव के घर को छट्ठी बार हाथियों द्वारा निशाना बनाया गया है. वहीं बगल में लगे स्व. गंदरू पाहन के आम बागवानी के भी कई पेड़ को क्षतिग्रस्त कर दिया. ग्रामीणों ने बताया कि दो जंगली हाथियों का एक दल पानफड्डा जंगल में अड्डा बना रखा है. रात होते ही विचरण शुरू हो जाता है और भोजन की तलाश में जंगल से सटे गांवों का रुख कर फसलों व घरों को निशाना बनाता है.

बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का लिया संकल्प

सुनील कुमार गुप्ता। लापुंग

जब तक बच्चों को अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी तब तक अच्छा रोजगार भी नहीं मिलेगा और परिवार का आर्थिक सशक्तिकरण भी संभव नहीं होगा. उक्त बातें लापुंग प्रखंड के दरमीटोली में मंगलवार को सामाजिक बैठक के दौरान पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने कही. देव कुमार धान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव की कोई रौशनी भी नजर नहीं आती. हमने अपने बच्चों की शिक्षा को अभी तक गंभीरतापूर्वक नहीं लिया है. वहीं जिनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिली ऐसे परिवारों की दशा और दिशा बदल गई. अच्छी और गुणवत्ता युक्त शिक्षा के माध्यम से ही बेरोजगारी दूर होगी. ग्रामीण इलाकों में अच्छे शैक्षणिक संस्थानों की कमी है. पढ़ाई के नाम पर शैक्षणिक संस्थानों से डिग्री के रूप में औपचारिकताएं मिल रही है. हमारे बच्चे जैसे तैसे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जिससे किसी भी तरह का कोई परिवर्तन समाज में नहीं होगा और हम पिछड़े ही रहेंगे. उन्होंने कहा कि विचारों में क्रांति की जरूरत है. जब तक क्रांति नहीं होगी हमें और हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा नहीं मिलेगी. बैठक में झारखंड जैसे पूरे देश के 40 प्रतिशत खनिज संपदा वाले राज्य के लोगों की बदहाली पर भी चर्चा की गई. बैठक की अध्यक्षता ज्योतिष राम साहु ने की. वहीं संचालन महावीर उरांव ने किया. बैठक में ग्रामीणों ने अपने बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए कार्य करने का संकल्प लिया. मौके पर गीता, पूनम, ग्राम प्रधान बंधु उरांव, सामाजिक कार्यकर्ता भक्तु उरांव, ललित उरांव, करण उरांव, संदीप उरांव, भीखराम उरांव आदि मौजूद थे.

चाईबासा पुलिस ने किया ट्रक से 5.58 करोड़ का डोडा जब्त

संवाददाता। किरीबुरु

चाईबासा पुलिस ने मंगलवार को भारी मात्रा में डोडा लदे एक ट्रक को पकड़ा है. इस संबंध में एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि 21 मई की रात गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि डोडा लदा एक ट्रक चक्रधरपुर से चाईबासा की ओर आ रहा है. इसके बाद सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया. पुलिस टीम ने वाहन जांच अभियान चलाना शुरू किया. इस क्रम में एक कंटेनर वाहन पुलिस दल को देख कर चेक नाका से कुछ दूरी पर रूक गया. वाहन चालक व उपचालक अंधेरे व झाड़ी का फायदा उठा कर गाड़ी छोड़ कर भागने में सफल रहे. इसके बाद पुलिस ने कंटेनर की जांच की. उसमें मूढ़ी के 40 बोरा के बीच 186 प्लास्टिक के बोरा में डोडा भरा हुआ पाया गया. इसका वजन 3723 किलोग्राम है और अनुमानित कीमत पांच करोड़ 58 लाख रुपये आंकी गयी है. दो मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है. दल में सदर एसडीपीओ राहुल देव बड़ाईक, मुफस्सिल थाना प्रभारी रंजीत उरांव, दारोगा मृत्युंजय पांडेय, रामेश्वर वर्मा व सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

बैठक राजधानी रांची की गुड़ीडीह पंचायत आज भी विकास की रोशनी से कोसों दूर, नेताओं का होगा बहिष्कार

'विकास नहीं तो वोट नहीं' के मार्ग पर चले गुड़ीडीह पंचायत के ग्रामीण

संवाददाता। अनगड़ा

राजधानी रांची की गुड़ीडीह पंचायत आज भी विकास की रोशनी से कोसों दूर है. सड़क के निर्माण नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं का तख्ती बैनर लेते हुए हेसला बेड़ा गांव के आम बगीचा में आम सभा का आयोजन कर विरोध प्रदर्शन कर नेताओं का बहिष्कार करने का फैसला लिया है. बैठक में ग्रामीणों ने बताया कि इस गांव में आवागमन, शिक्षा, पानी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने के बावजूद भी किसी तरह का समाधान नहीं हो सका है.

सड़क की अवस्था जर्जर होने के कारण पानी के लिए रेल लाइन पार करना पड़ता है. वोट के समय नेता आते हैं और मुंगेरीलाल के हसीन सपने दिखाते हैं और पांच वर्ष नजर नहीं आते हैं. नेता चुनाव के समय अपना काम निकालने के बड़े- बड़े वादे किये, लेकिन एक पर खरा नहीं उतरे. ग्रामीणों ने यह भी कहा कि जहां सरकार आज चौमुखी विकास की बात करती है, वहीं इस पंचायत के लोग यातायात समस्या से आज भी जूझ रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम सब ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि विकास नहीं तो वोट नहीं के मार्ग पर चल कर नेताओं का बहिष्कार किया जाएगा. इस इलाके में सबसे बड़ी समस्या रोड है. कार्यक्रम का नेतृत्व समाजसेवी जयराम महली द्वारा किया गया. मौके पर सरोजनी एक्का बिरसी बांडो कोमल कुजुर विराजो एक्का सोहराई लकड़ा संजय बानडो राजेश उरांव व हजारों की संख्या में महिला पुरुष बच्चे व बूढ़े मौजूद रहे.

ग्रामीणों ने किया मतदान के बहिष्कार का ऐलान

कांके। क्षेत्र के रोल, मुरुम व एकम्बा के गुस्साये ग्रामीणों ने मंगलवार को वोट बहिष्कार करने का फैसला लिया. मुरुम चौक पर बैठक कर ग्रामीणों ने बताया कि रोल, मुरुम व एकम्बा मौजा का खतियान व पंजी 2 ऑनलाइन आज तक नहीं किया गया है. इससे यहां के रैयतों को जमीन की खरीद-बिक्री व दाखिल-खारिज के लिये परेशानी झेलनी पड़ रही है. जबतक ऑनलाइन खतियान नहीं चढ़ता वे वोट का बहिष्कार करेंगे. इसकी जानकारी मिलने के बाद सीओ जय कुमार राम व हल्का कर्मचारी रोल गांव पहुंचे. सीओ ने ग्रामीणों से कहा आप अपने मताधिकार का प्रयोग करें. आप सभी खतियान व पंजी 2 से संबंधित शिकायत लेकर दूसरे दिन पहुंचे. पंजी 2 के पेमेंट ऑप्शन नहीं आने का निराकरण दो दिन के भीतर कर दिया जायेगा. बताया कि जब ऑनलाइन की प्रक्रिया शुरू की गई थी तब रिकार्ड रूम में तीनों मौजा के मूल खतियान फटा पाया गया था, जिस कारण उनलोगों का खतियान ऑनलाइन नहीं हो पाया था. उन्होंने ग्रामीण रैयतों से सभी संपूर्ण दस्तावेज के साथ अंचल कार्यालय में जमा कराने को कहा. वरीय पदाधिकारियों व भू राजस्व विभाग को सूचित कर खतियान व पंजी 2 की ऑनलाइन की प्रक्रिया शुरू करा दी जायेगी.

लोकतंत्र के महापर्व में मतदान केंद्र तक पहुंचें इससे भी अधिक जरुरी है उसे पूरा करे. चुनाव की लंबी प्रक्रिया के बाद प्रत्याशी तो चुने जाते हैं, लेकिन कई बार जनता की उम्मीद पूरी नहीं हो पाती है. लेकिन अब जनता काफी जागरूक हो चुकी है. वह अब प्रत्याशियों को जांच-परख कर चुनने लगी है. सोमवार को प्रदेश में तीन तीन संसदीय क्षेत्र के लिए चुनाव हुए. इसमें ओवरऑल 63 प्रतिशत मतदान हुआ. अब झारखंड में दो चरण के चुनाव बचे हैं. इसे लेकर शुभम संदेश की टीम लोगों के बीच पहुंची और उनसे अपने क्षेत्र के सांसद को लेकर राय मांगी. सभी की राय अलग थी. किसी ने कहा कि देशहित में कनून बनाने वाला सांसद होना चाहिए. जिससे देश का भला हो. किसी ने स्थानीय समस्या को उठाया. कहा कि बिजली, पानी, शिक्षा व सड़क सबसे बड़ी समस्या है. इसका समाधान होना चाहिए. किसी ने कहा कि ऐसा सांसद हो जो जनता के सुख और दुख में शामिल हो सके. किसी ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा के साथ-साथ बिजली की समस्या दूर करने वाला सांसद होना चाहिए. किसी ने कहा कि प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या पलायन है. जब यहां पर रोजगार मिलेगा तो पलायन नहीं होगा. इसलिए ऐसा सांसद हो, जो रोजगार पैदा कर सके.

हमारा सांसद कैसा हो, ज्यादातर लोगों की राय है

देशहित में कानून बनाने वाला सांसद होना चाहिए

लातेहार

सोल्वेंट व टैनिन प्लांट खुलना चाहिए: आशीष बाग

रेलवे स्टेशन के बाग टिंबर के आशीष बाग ने कहा कि सांसद को सर्व सुलभ होना चाहिए. क्षेत्र की समस्याओं के प्रति गंभीर होना चाहिए. लातेहार में कई समस्याएं हैं. उनमें सबसे बड़ी समस्या रोजगार की है. खनिज संपदा से परिपूर्ण लातेहार जिला में एक भी कल कारखाना नहीं है. सोल्वेंट व टैनिन प्लांट वर्षों से बंद है. इसे भी चालू करने की दरकार है. यह कारखाना वनोत्पाद हर्रे व बहेर से इस कारखाना का कच्चा माल होता था. इससे ग्रामीण आबादी को अच्छी आमदनी होती थी.

रोजगार के साधन उपलब्ध कराने वाला हो: आयुष

बाजकुम, लातेहार निवासी आयुष कुमार ने कहा कि सांसद ऐसा होना चाहिए जो लोगों के सुख दुख में साथ रहे. क्षेत्र में बेरोजगारी चरम पर है. सांसद ऐसा हो जो क्षेत्र की बेरोजगारी को दूर करने की दिशा में कार्यरत रहे. कल कारखाना की स्थापना करा सके या फिर ग्रामीणों को अन्य किसी रोजगार से जोड़ सके. ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ सके. इसके अलावा लातेहार में उच्च शिक्षा व बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है, इसे दूर करने वाला सांसद होना चाहिए.

जनता के सुख दुख मे साथ रहे: संजय कुमार

व्यवहार न्यायालय, लातेहार के वरीय अधिवक्ता संजय कुमार ने कहा कि सांसद ऐसा हो जो क्षेत्र की जनता के सुख दुख में उसके साथ रहे. जब उसे सांसद की जरूरत हो वह उपलब्ध हो सके. सांसद ऐसा हो जो क्षेत्र की जनता के साथ जुड़ा रहे, न कि कुछ एक लोगों के साथ रही. आम मतदाता उसे अपना बहुमूल्य वोट दे कर संसद में भेजता है, ऐसे में सांसद का कर्तव्य होना चाहिए कि वह उनकी समस्याओं को दूर करे. क्षेत्र में बेहतर शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा व सड़क बहुत ही जरूरत है.

क्षेत्र की समस्याओं को जानता हो: चिश्ती

इंडिगो सिक्यूरिटि फोर्स के निदेशक एसएस चिश्ती ने कहा कि सांसद ऐसा हो जो क्षेत्र की समस्याओं से वाकिफ हो. जिसे क्षेत्र की भौगोलिक व सामाजिक परिस्थितियों से वाकिफ हो. लातेहार जिला में पर्यटन की असीम संभावनायें हैं. बेतला और नेतरहाट को और अधिक विकसित किया जा सकता है. इस दिशा में कार्य करने की दरकार है. कई ऐसे भी जगह हैं जिन्हें पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है. उसे विकसित कर ग्रामीणों को रोजगार दिया जा सकता है.

क्षेत्र की समस्याओं को सदन में रख सके: पंकज

शिवशक्ति ट्रैडर्स बाजारटांड, लातेहार के पंकज प्रसाद ने कहा कि सांसद ऐसा हो जो क्षेत्र की समस्याओं को संसद में पहुंचा सके. ऐसा नहीं हो कि वह संसद में मूकदर्शक बना रहे. क्षेत्र में समस्याओं की भरमार है, उन समस्याओं को ले कर संसद में आवाज उठाये. क्षेत्र में कोलियरी व कल कारखाना खुलवा सके, ताकि लोगों को रोजगार मिल सके. स्कूल और कॉलेजों की स्थापना कर सके. नयी परियोजनाओं को क्षेत्र में ला कर उसे मूर्तरूप दे सके.

घाटशिला

हमारा सांसद विकास को प्रमुखता देने वाला हो: संगीता मार्डी

घाटशिला के सक्सेस ट्यूटोरियल क्लासेस की छात्रा संगीता मार्डी ने बताया कि हमारा सांसद क्षेत्र की समस्या को उचित पटल पर रख सके. हमारा सांसद विकास को प्रमुखता देने वाला हो. साथ ही जिनकी कथनी और करनी में एकरुपता हो. बेदाग छवि का व्यक्तित्व वाला हमारा सांसद होना चाहिए. आज के समय में अधिकतर प्रत्याशियों पर कई आपराधिक मामले चल रहे होते हैं. ऐसा न होकर बिल्कुल साफ सुथरी छवि हो. हम उन्हें ही अपना वोट देंगे और अपना सांसद बनाएंगे. लोकसभा क्षेत्र में विकास तथा बेहतर शिक्षा और रोजगार परख शिक्षा पर बल देने वाला होना चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार के लिए कहीं अन्य राज्य में जाना न पड़े.

सांसद ऐसा हो जो काम ज्यादा करे: सुशीला

घाटशिला की रहने वाली स्नातक की छात्रा सुशीला कुमारी ने कहा कि हमारा सांसद ऐसा हो कि जो वादा कम करें और काम ज्यादा करे. दिन दूनी रात चौगुनी कम कर अपने क्षेत्र का विकास करे. युवाओं को रोजगार से जोड़ क्षेत्र में कुछ ऐसे बड़े औद्योगिक विकास हो जिससे भारी संख्या में युवाओं को रोजगार मिल सके. हमारा सांसद ऐसा हो कि क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लोकसभा के पटल पर जोरदार तरीके से रख सके

जो युवाओं को रोजगार दे सके: सलमा कुमारी

घाटशिला महाविद्यालय की स्नातक छात्रा सलमा कुमारी ने बताया कि हमारा सांसद ऐसा हो जो ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ अपनी बातों को रखे. ऐसा हो जो क्षेत्र में भौगोलिक परिस्थितियों को लेकर यहां की संस्कृति और परंपरा को बचा सके. यहां की सबसे बड़ी समस्या रोजगार की है. हमारा सांसद ऐसा हो जो युवाओं को रोजगार के साथ-साथ शिक्षा की गारंटी दे. जो क्षेत्र में विकास के लिए नए-नए कल कारखाने स्थापित करने की क्षमता रखता हो. वैसे प्रत्याशी ही हमारा संसद हो.

गिरिडीह

देशहित में कानून बनाने वाला सांसद हो: हिमांशु अम्बष्ट

डुमरी प्रखंड के हिमांशु अम्बष्ट ने कहा कि देशहित में कनून बनाने वाला सांसद होना चाहिए. इस दिशा में काम होने से भारत मजबूत और विकसित देश बन सकेगा. उन्होंने कहा कि नव निर्वाचित सांसद को सभी वर्गों के लिए समान रूप से काम करना चाहिए. आज भी बिजली, पानी, शिक्षा व सड़क सबसे बड़ी समस्या है. नए सांसद को इन समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठाना चाहिए.

सांसद पर गर्व कर सके जनता: विशाल राष्ट्रवादी

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के विशाल राष्ट्रवादी ने कहा कि सांसद ऐसा हो, जिस पर जनता गर्व कर सके. लोकसभा क्षेत्र की जनता के साथ-साथ उनका पूरे राज्य और देश में नाम हो. जनता के सुख और दुख में शामिल होने वाला सांसद को ही लोग पसंद करते हैं. यही हमारी मांग है. ऐसा सांसद होगा तो सभी का भला होगा. राज्य और देश तरक्की करेगा.

जो आम जनता के हित में काम करे: विपुल वित्सल

गिरिडीह लोकसभा के पीरटांड़ निवासी विपुल वित्सल ने कहा कि सांसद वैसा हो, जो आम जनता के हित में काम करें. चुनाव जीतने के बाद सांसद क्षेत्र की जनता की जनता को भूल जाती है. लोग इंतजार करते रह जाते हैं और समय बीत जाता है. इससे जनता में असंतोष बढ़ता है. नव निर्वाचित सांसद को आम जनता के हर सुख दुख का ख्याल रखना चाहिए. तभी तो लोग सांसद पर भरोसा करेंगे.

स्वास्थ्य-शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त करना चाहिए: केशव भक्त

गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के युवा मतदाता केशव भक्त ने कहा कि नव निर्वाचित सांसद को अपने संसदीय क्षेत्र के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए. उन्हें अपने इलाके के स्वास्थ्य, शिक्षा के साथ-साथ बिजली और पानी की व्यवस्था दुरुस्त करनी चाहिए. यही लोगों की बुनियादी जरुरतें हैं. उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है. जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है.

जमशेदपुर

सांसद जनभावना के अनुरूप कार्य करे: उर्मिला

करीम सिटी कॉलेज की छात्रा उर्मिला ने कहा कि सर्वप्रथम तो हमारा सांसद शिक्षित और ईमानदार हो. वह जनभावना के अनुरूप कार्य करे. जनता के सुख-दुख में उसका साथ दे. जनता के बीच रहे. इसके साथ ही क्षेत्र के हर हिस्से समान रूप से संपर्क बनाये रखे. इसके साथ ही वह भ्रष्टाचार व आपराधिक गतिविधियों पर लगान लगाने की दिशा में अपने स्तर से सतत प्रयासरत रहे.

सांसद शिक्षित और बोल्ड हो: अदिबा

छात्रा अदिबा ने कहा कि सांसद ऐसा हो जो जनता की समस्याओं का समुचित समाधान करने को प्रतिबद्ध हो. वह आसानी से सर्वसुलभ तो होना ही चाहिए. शिक्षित और बोल्ड भी हो. क्योंकि हमारा सांसद शिक्षित और बोल्ड होगा, तो यहां से लेकर संसद तक जनता की वाजिब मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए आवाज बुलंद करेगा.

सांसद शिक्षित और चरित्रवान होना चाहिए: सानिया

छात्रा सानिया ने कहा कि हमारा सांसद स्वभाव से सहज, शिक्षित और चरित्रवान होना चाहिए. वर्तमान में राजनीति में ऐसे लोगों की नितांत आवश्यकता है. इसके साथ ही सांसद जनता की परेशानियों को समझे. उसे उचित मंच पर रखे. यथासंभव संसद में भी आवाज उठाये. समय की मांग को देखते हुए क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए की दिशा में प्रयत्नशील रहे.

सांसद को जनता के लिए सर्वसुलभ होना जरूरी: बेबी

छात्रा बेबी महतो ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि अथवा कहें कि सांसद का अपने क्षेत्र की जनता के लिए सर्वसुलभ होना जरूरी है. यहां तो यह भी देखा जाता है कि चुनाव के बाद सांसद किसी कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर नजर आते हैं या फिर पांच साल के अंतराल पर दूसरे चुनाव के दौरान ही नजर आते हैं. वे क्षेत्र के कुछ हिस्सों तक ही सिमट कर रह जाते हैं.

धनबाद

धरातल पर उतर कर कार्य करे: शशिकांत

धनबाद कोर्ट के अधिवक्ता शशिकांत निषाद ने कहा कि धनबाद का सांसद ऐसा जो धरातल पर उतर कर कार्य करे और जनता के बीच में रहे. साथ ही धनबाद में एम्स, एयरपोर्ट और फ्लाइओवर बनवाए ताकि धनबाद लोकसभा और विकसित हो. इससे लोग सीधे लाभान्वित होंगे. उनकी सुविधाएं बढ़ेंगी. इससे उनका सांसद में भरोसा बढ़ेगा. यही तो जनता चाहती है.

स्कॉलरशिप और लाइब्रेरी की व्यवस्था करे: पुष्पा

नवाडीह की रहने वाली छात्रा पुष्पा ने कहा धनबाद का सांसद जनता के बीच का हो. जनता के हर सुख दुख को समझे और धनबाद को नई दिशा और दशा दे. साथ ही छात्रों की उच्च शिक्षा के लिये स्कॉलरशिप और लाइब्रेरी की व्यवस्था करे, ताकि वैसे छात्र जिनके परिजन सक्षम नहीं हैं उन्हें इसकी सुविधा मिल सके. वो आगे पढ़ाई कर सके.

रोजगार की व्यवस्था कराए: जोशना कुमारी

नवाडीह की छात्रा जोशना कुमारी ने कहा कि धनबाद का सांसद शिक्षित और साफ छवि का हो. शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करे. चुनाव के वक्त जनता से किये हुए वादे को पूरा करने का काम करे, न कि चुनाव खत्म और सारी बात खत्म वाला सांसद हो. ऐसा नहीं होना चाहिए. यही हम चाहते हैं.

लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करे: चंद्रशेखर

जामाडोबा के रहने वाले चंद्रशेखर प्रसाद ने कहा कि धनबाद का सांसद साफ छवि और विकास की बात करने वाला हो. जनता के हित के बारे में सोचे. जिले में अमन चैन को कायम करने के लिये लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त करे. समाज के हर वर्ग की बात सोचने वाला है. इसी की तो जरुरत है. जब ऐसा होगा तो प्रदेश का भला होगा. विकास होगा.

बोकारो

प्रत्याशी धनकुबेर न हो, आम जनता के बीच से हो : रवि

बोकारो जिले के बेरमो प्रखंड क्षेत्र के जारंगडीह उत्तरी पंचायत निवासी रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में नेताओं की लूट व भ्रष्टाचार के जिस तरह के मामले देखने को मिल रहे हैं, हमारा सांसद वैसा नेता न हों. इसके लिए ऐसे प्रत्याशी का चुनाव करेंगे जो धनकुबेर न हो, बल्कि जनता के बीच से उभरा हुआ कोई आम इंसान हो. सांसद जिस सदन में बैठता है, उस सदन की गरिमा का जो ख्याल रख सके.

समस्याओं को बेबाक एवं निडर होकर उठा सके : चंदन

बोकारो जिले के बेरमो प्रखंड के जारंगडीह उत्तरी पंचायत निवासी शिक्षक चंदन भारती का कहना है संसद में बैठकर जो जनहित की समस्याओं को बेबाक एवं निडर होकर उठाने की जिसमें क्षमता हो, हमारा सांसद ऐसा हो. इसके लिए शिक्षित एवं जनमुद्दे पर जिनकी गहरी समझ हो, जो 24 घंटे जनता की सेवा में समर्पित रहे, वैसे प्रत्याशी को वोट देकर संसद में भेजेंगे.

जो हक अधिकार के लिए संघर्ष करे : नेपाल करमाली

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सुरजुडीह निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता नेपाल करमाली ने कहा हमारा सांसद ऐसा हो जो जनता की विश्वास और उम्मीदों पर खरा उतर सके. इसके लिए हम ऐसे प्रत्याशी को चुनकर संसद में भेजेंगे जो हमारे हक अधिकार के लिए लगातार संघर्ष करता रहा हो. साथ ही जो शक्षित, कर्मठ व जुझारू हो, ताकि हमारी एवं क्षेत्र की प्रमुख ज्वलंत मुद्दों को सदन में रख सके.

प्यार व मधुर व्यवहार वालो हो सांसद : डॉ प्रभाकर कुमार

बेरमो जारंगडीह स्थित केबी कॉलेज के प्रोफेसर डॉ प्रभाकर कुमार ने कहा कि हमारा सांसद ईमानदार, निष्पक्ष छवि, कर्तव्यनिष्ठ, सत्यपरायण, उदार एवं कर्मठ हो. समस्या लेकर कोई भी आए तो उनकी बातों को गौर से सुने, ध्यान दें और उनकी समस्याओं का निराकरण करें. सांसद जनता के प्रतिनिधि होते हैं, इसलिए जनता का समस्याओं पर पहले ध्यान देने वाले हों. कोई भी व्यक्ति कभी भी उनसे मिल सके.

बंद डब्बों में गोलमाल

देश में 56.4 फीसदी बीमारियां गलत खानपान की वजह से होती हैं. यह कहना है स्वास्थ्य पर शोध करने वाली शीर्ष संस्था भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद यानी आईसीएमआर का. आईसीएमआर व एनआईएन की निदेशक की अगुवाई वाली विशेषज्ञ समिति द्वारा तैयार आहार संबंधी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि शारीरिक सौष्ठव के लिये इस्तेमाल होने वाले प्रोटीन सप्लीमेंट का प्रयोग नुकसानदायक हो सकता है. निस्संदेह उपभोक्ताओं को भी सजग होकर देखना चाहिए कि किसी खाद्य-पेय पदार्थ में कोई कृत्रिम रंग, फ्लेवर या पदार्थ न मिला हो, लेकिन दुर्भाग्यवश ऐसा होता नहीं. हमें यह भी पता है कि फलों के जूस के नाम पर जो बोतलबंद पेय पदार्थ मिल रहा है, उस लागत पर वह बाजार में बिकना संभव नहीं है. हम यह भी नहीं सोचते कि फलों से जूस तैयार करने, उसके प्रसंस्करण, ट्रांसपोर्ट व एजेंट से लेकर दुकानदार का मुनाफा भी अंतिम उत्पाद की कीमत में जुड़ता है. फिर भी हम खरीदते-पीते हैं और भ्रम में जीते हैं. यह खेल प्राकृतिक उत्पादों के नाम पर बिकने वाले तमाम सामानों को लेकर भी है. आईसीएमआर का कहना है कि असली फलों का जूस बेचने के भ्रामक दावे की हकीकत यह है कि उसमें लगभग दस फीसदी ही वास्तविक फलों के जूस की मात्रा होती है. कमोबेश यही स्थिति तमाम खाद्य पदार्थों को लेकर होती है. डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों को लेकर पैक पर लिखी जानकारी भी भ्रामक हो सकती है. जिस खाद्य या पेय पदार्थ को शूगर फ्री बताकर बेचा जाता है, बहुत संभव है उसमें वसा की मात्रा अधिक हो. उसमें परिष्कृत अनाज यानी सफेद आटा या स्टार्च मिला हो सकता है. दरअसल, आईसीएमआर के अंतर्गत काम करने वाली हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान यानी एनआईएन की तरफ से बनाये गये आहार संबंधी दिशा-निर्देशों में भी माना गया है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा उपभोक्ताओं के हितों के लिये निर्धारित कड़े मानदंड दिखाने को लागू तो किये जाते हैं पर कंपनियां उपभोक्ताओं की आंख में धूल झोंकने के लिए कई तरकीबें निकाल लेती हैं. जिसमें उत्पाद को प्राकृतिक , शूगर फ्री, कम कैलोरी वाला होने का दावा किया जाता रहा है. दरअसल, बड़ा संकट यह भी है कि सामान खरीदने वाला उपभोक्ता उत्पाद की पैकिंग पर छपी जानकारी को ध्यान से नहीं पढ़ता है. पहले तो कंपनी सचेतक जानकारी बहुत छोटे प्वाइंट साइज में लिखती है, फिर ऐसी जगह छापती है, जहां एकदम नजर ही नहीं जाती. उसमें तमाम तरह के पोषक तत्व होने के दावे तो किये जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि किसी व्यक्ति को उपभोग के बाद वास्तव में कितना पोषण मिल रहा है. अकसर उत्पादों के जैविक होने का दावा किया जाता है. यहां भी देखना जरूरी है कि क्या इसको जैविक-भारत के लोगो से मंजूरी मिली है?

> डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों को लेकर पैक पर लिखी जानकारी भी भ्रामक हो सकती है. जिस खाद्य या पेय पदार्थ को शूगर फ्री बताकर बेचा जाता है, बहुत संभव है उसमें वसा की मात्रा अधिक हो.

सुभाषित

सर्पदुर्जनयोर्मध्ये वरं सर्पो न दुर्जनः ।
सर्पो दशती कालेन दुर्जनस्तु पदे पदे ॥

अगर सांप और दुष्ट के बीच तुलना की जाये तो सांप दुष्ट से अच्छा है. इसलिए कि सांप तो कभी-कभार ही डंसता है, पर दुष्ट पग-पग पर (प्रत्येक समय) डसता है. अर्थात एक दुष्ट व्यक्ति सांप से भी अधिक खतरनाक और जहरीला होता है, जो हर समय हानि पहुंचाने को तैयार है.

मौलिक अधिकारों में सर्वोपरि मताधिकार

संविधान के तहत प्रदत्त जनता के मौलिक अधिकारों में मतदान का अधिकार सर्वोपरि है. इसलिए हर एक मतदाता को समय पर अपने-अपने मतदान केंद्रों में जाकर मतदान करना चाहिए. मतदान के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, बल्कि हर एक मतदाता को इस मतदान के अधिकार पर गर्व करना चाहिए. मतदान का अधिकार उन्हें अपने प्रतिनिधि चुनने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है. देश के हर एक मतदाता को अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले चुनावों को एक महापर्व के रूप में लेना चाहिए.

• देश-काल

विजय केसरी

भारत के संविधान के तहत प्रदत्त जनता के मौलिक अधिकारों में मतदान का अधिकार सर्वोपरि है. इसलिए हर एक मतदाता को समय पर अपने-अपने मतदान केंद्रों में जाकर मतदान करना चाहिए. मतदान के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, बल्कि हर एक मतदाता को इस मतदान के अधिकार पर गर्व करना चाहिए. मतदान का अधिकार उन्हें अपने प्रतिनिधि चुनने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है. देश के हर एक मतदाता को अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले चुनावों को एक महापर्व के रूप में लेना चाहिए. साथ ही मतदाताओं को बहुत ही सोच विचार कर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए. भारत की जनता को इस अधिकार की प्राप्ति के लिए एक लंबे संघर्ष से गुजरना पड़ा था. देश 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ था. उससे पूर्व भारतीय जनता को अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार प्राप्त नहीं था. हमारे स्वाधीनता सेनानियों के लंबे संघर्ष के बाद देश को आजादी मिली थी. 26 जनवरी, 1950 को भारतीय संसद ने भारत का संविधान पारित किया था. भारत का संविधान भारत में निवास करने वाले हर एक नागरिक को पूरी स्वतंत्रता के साथ रहने, जीवन निर्वाह करने, अपने-अपने धर्मों के अनुसार पूजा पाठ और इबादत करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है. साथ ही भारत का संविधान हर एक नागरिक को अभिव्यक्ति की आजादी की भी स्वतंत्रता प्रदान करता है. देशवासियों को यह जानना चाहिए कि लोकतंत्र में मतदान का अधिकार सर्वोपरि इसलिए है कि इस अधिकार के तहत ही हम सब अपने-अपने क्षेत्र से प्रतिनिधि चुनते हैं. ये प्रतिनिधि ही देश का प्रधानमंत्री चुनते हैं. अगर हम सब अपने प्रतिनिधि का चुनाव करने में थोड़ी सी भी भूल कर देंगे, तब इसका परिणाम देश के हित में अच्छा नहीं होगा. हम सबों को यह जानना चाहिए कि भारतवर्ष में प्रथम लोकसभा का चुनाव 1952 में हुआ था. 1952 में लोकसभा के चुनाव में 1874 उम्मीदवार चुनाव लड़े थे. इस चुनाव में 53 राजनीतिक पार्टियों ने चुनाव में भाग लिया था, जिसमें 14 राष्ट्रीय पार्टियां थीं. 1952 में 489 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा गया था. 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के बाद चुनाव आयोग का गठन किया गया था. उस समय आज की तरह चुनाव आयोग के पास इतने संसाधन नहीं थे. इसके बावजूद देशवासियों में मतदान करने का अजब जज्बा देखा गया था.

भारत सरकार के लिए उस समय देश में चुनाव कराना बड़ा ही मुश्किल काम था, लेकिन देश की तत्कालीन सरकार ने इस चुनौती को स्वीकार किया. भारत सरकार ने देश के पहले चुनाव आयुक्त के रूप में नौकरशाह सुकुमार सेन को नियुक्त किया था. उन्हें देश में चुनाव कराने की जवाबदेही गई थी. देश के पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन ने इस जवाबदेही को सहर्ष स्वीकार किया था. 1952 में देशभर में चुनाव बहुत ही शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुआ था. तब पंडित जवाहरलाल नेहरू आजाद भारत के लोकतांत्रिक रूप से पहली बार प्रधानमंत्री बने थे. 1952 में देश के प्रथम चुनाव में चुनाव आयुक्त को उम्मीद थी कि देश भर में 80% से ज्यादा मतदान होगा. लेकिन मतदान का प्रतिशत 46.7 पर ही सिमट कर रह गया था. मतदान का कम होना यह देश के हित में अच्छा नहीं कहा जा सकता है. देश की आजादी के 77 वर्ष बीत जाने के बाद भी 60 -65% से आगे मतदान नहीं बढ़ा है. यह भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश के लिए अच्छी खबर नहीं है. आज चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 96 करोड़ 88 लाख मतदाता संपूर्ण देश में है. देश में लोकसभा का चुनाव चल रहा है. अब तक देश में पांच चरणों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं. चार चरणों का मतदान 60 और 65 प्रतिशत अंक पर आकर ही रुक जाता है. कई राज्यों में यह 40 -50, 55 - 60 प्रतिशत के बीच ही रुक जाता है. जबकि विश्व के कई लोकतांत्रिक देशों में मतदान का प्रतिशत 75 और 80% तक है. अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फ्रांस आदि देशों में मतदान का प्रतिशत 80 के आसपास होता है. इन देशों से हम सबको सबक लेने की जरूरत है. यहां गौर करने वाली बात यह है कि भारत के मतदाताओं को मतदान के प्रति जो उत्साह होना चाहिए, वैसा उत्साह दिखता नहीं है, जबकि भारत सरकार के चुनाव आयोग द्वारा मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जन जागरण अभियान देश भर में चलाया जा रहा है. सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएं भी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए घर-घर जा रहे हैं. मतदान के प्रति मतदाताओं में जागृति लाने के लिए प्रचार और प्रचार में सरकारी स्तर पर कोई कमी नहीं की जा रही. इसके बावजूद देश में होने वाले चुनावों में मतदान का प्रतिशत कम होना भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए अच्छी खबर नहीं कहीं जा सकती है. देश के 96 करोड़ 88 लाख मतदाताओं को एक संकल्प लेने की जरूरत है कि अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले लोकसभा, विधानसभा, नगर पालिका, नगर निकाय, पंचायत सभा आदि के चुनावों में सबसे पहले मतदान करें. अधिकतम मतदान का यह लाभ होगा कि जो सबसे योग्य उम्मीदवार होंगे, वही विजयी होंगे. जब देश में मतदान केंद्र बहुत दूर हुआ करते थे. तब मतदान प्रतिशत में कमी की बात कहीं जा सकती थी. आज मतदान केंद्र बिल्कुल हमारे आसपास ही बने होते हैं. आज मतदान करने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती है. मतदान सुबह से लेकर शाम तक चलता रहता है. आमजन की सुरक्षा के लिए पुलिस बल की व्यवस्था रहती है. हम सब मतदान के दिन सबसे पहले अगर कोई कार्य करें तो मतदान कर लें.

• बोधि-वृक्ष | कपूर जैन

मन के बिगड़े हार है

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना शायद अतिशयोक्ति नहीं होगी. मनुष्य की समस्त क्रियाओं, आचारों का आरंभ मन से ही होता है. मन सतत तरह-तरह के संकल्प, विकल्प, कल्पनाएं करता रहता है. मन की जिस ओर भी रुचि होती है, उसका रुझान उसी ओर बढता चला जाता है, परिणाम स्वरूप मनुष्य की सारी गतिविधियां उसी दिशा में अग्रसर होती है. जैसी कल्पना हो ठीक उसी के अनुरूप संकल्प बनते हैं और सारे प्रयत्न-पुरुषार्थ उसी दिशा में सक्रिय हो जाते हैं. अन्ततः उसी के अनुरूप परिणाम सामने आने लगते हैं. मन जिधर या जिस किसी में रस-रुचि लेने लगे, उसमें एकाग्रचित होकर श्रमशील हो जाता है. यहां तक कि उसे लौकिक लाभ या हानि का भी स्मरण नहीं रह जाता. प्रायः मनुष्य प्रिय लगने वाले विषय के लिए सब कुछ खो देने को तत्पर हो जाता है. इतना ही नहीं, अपने मनोवांछित को पाने के लिए बड़े से बड़े कष्ट सहने को सदैव तैयार हो जाता है. मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए, आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो मानव व्यक्तित्व और उसके जीवन में एक चमत्कार का सर्जन हो सकता है. सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में सहज ही पहुंच सकता है. आवश्यकता 'मन' को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है. सारी कठिनाई मन के सहज प्रवाह पर नियंत्रण स्थापित करने की है. इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मानव बनता हुआ देवत्व के लक्षण तक सहजता से पहुंच सकता है. शरीर-स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के समान ही हमें मन के प्रति और भी अधिक सचेत, सावधान रहने की जरूरत है. दोयम चिंतन, दुर्विचारों और दुर्भावनाओं से मन मलिन और पतित हो जाता है. उस स्थिति में मन अपनी सभी विशेषताओं और श्रेष्ठताओं से च्युत हो जाता है. कहते हैं, मन के प्रवाह को तो सहज ही बहने देना चाहिए. किन्तु मन के सहज बहाव पर भरोसा करना हमेशा जोखिम भरा होता है. क्योंकि प्रवाह के समान ही मन का पतन की तरफ लुढ़कना स्वभाविक है, जबकि ऊंचाई की ओर उठना कठिन पुरुषार्थ भरा होता है. मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है. यदि सही दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़, गाली-गलौज और दुष्चरित्र के रूप में सामने आ सकती है. नदी के प्रवाह में बहता पत्थर सहजता से गोल स्वरूप तो पा लेता है, किन्तु उसकी मोहक मूर्ति बनाने के लिए अनुशासन युक्त कठिन श्रम की आवश्यकता होती है. ठीक उसी तरह मन को उत्कृष्ट दिशा देने के लिए विशेष कठोर प्रयत्न करने आवश्यक होते है.

लोकतंत्र की नई यात्रा पर निकला भारत

• विमर्श

प्रफुल्ल कोलख्यान

आम चुनाव के कार्यक्रम के अनुसार पांचवें चरण का चुनाव 20 मई 2024 को संपन्न हो गया है. चुनाव के चार चरण के मतदान के संपन्न होने के बाद भारत की राजनीतिक परिस्थिति में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव दिखने लगे हैं. इन बदलावों का तात्कालिक असर निश्चित रूप से पांचवें चरण के मतदान पर पड़ेगा. दीर्घकालिक असर भारत की लोकतांत्रिक स्थिति पर भी पड़े बिना नहीं रह सकता है. इतिहास के रुदन और वर्तमान की बौखलाहट से उदासी में खोए हुए भारत के लोकतंत्र का भविष्य अपनी अगली यात्रा पर निकलने की तैयारी कर रहा है. भारत के संविधान में वैचारिक मध्यम मार्ग पर पैर टिकाये रखते हुए वाम-दक्षिण दृष्टिकोण के लिए थोड़ी-सी लोच तो है, लेकिन बस थोड़ी-सी. लोकतांत्रिक पद्धति से संवैधानिक प्रक्रियाओं के अंतर्गत चुनी हुई सरकार के 'अति-दक्षिणपंथ' रुझान ने संविधान को अपनी ओर झुकाने की कोशिश में इतना जोर लगाया कि संविधान, लोकतंत्र, जन-जीवन सब कुछ तबाही के कगार पर पहुंचकर हांफने लगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दस साल के शासनकाल में बेलाग झूठ बोलने के लिए इतिहास में याद किये जायेंगे. सादा हो या काला हो, किसी भी तरह के झूठ बोलने में नरेंद्र मोदी जरा भी संकोच नहीं करते हैं. लोग कितना हिसाब रखेंगे! असल में लोग झूठ इसलिए बोलते हैं कि सामनेवाले को पता न हो तो वे बोले गये झूठ को ही सत्य मान लेते हैं. जिन्हें कुछ-न-कुछ पता होता है, वे भ्रम में पड़ जाते हैं कि जो पहले से पता है वह सही नहीं है, अभी जो सुन रहा है, असल में वही सही है! झूठ बोलने वाले की हैसियत बड़ी हो तो 'छोटी हैसियत या बे-हैसियत' के लोग उसके झूठ को सत्य मानते हुए अपने ज्ञान का हिस्सा बना लेते हैं. इस तरह से झूठ का लोक-प्रसार होता रहता है. बड़े लोगों की कही बातों को जांचने, परखने के लिए लोगों का मन तैयार नहीं होता है. मन के तैयार नहीं होने के पीछे भी कुछ-न-कुछ कारण तो होते ही हैं. पहला कारण तो यह होता है कि 'छोटी हैसियत या बे-हैसियत' लोगों के मन में बात बसी होती है कि 'बड़े लोग' झूठ नहीं बोलते हैं. दूसरा यह कि बड़ी हैसियत के झूठ को यदि 'छोटी हैसियत या बे-हैसियत' के लोग पकड़ भी लें तो उस झूठ को हटाकर उसके समकक्ष वास्तविक सत्य को खड़ा करने की ताकत सामान्य और 'छोटी हैसियत' के लोगों में नहीं होती है. वैसे भी ऐसा करने के दुस्साहस का खामियाजा भोगना भारी पड़ जाता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झूठ की पोलपट्टी खोल दी तो बड़ी हैसियत के कई पत्रकार सीधे 'यूट्यूबर' बनकर रह गये. इतना ही नहीं हुआ, कई को तो 'बड़ी हैसियत' का नाजायज इस्तेमाल करते हुए जेल में डालकर बरबाद कर दिया गया. नाम क्या लेना! लेकिन इतना कहना जरूरी है कि इससे पत्रकारिता की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय मेधा की बड़ी क्षति हुई. बहुआयामी विश्वसनीयता और भरोसा में इस क्षरण का नतीजा है कि आज भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बेझिझक कह दिया कि अब भारतीय जनता पार्टी 'सक्षम' हो गई है. अपना फैसला खुद कर सकती है. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपना काम देखे, भारतीय जनता पार्टी अपने राजनीतिक मामलों को तय करने के लिए स्वयं-सक्षम है! ऐसा कहने का साहस उसी 'बड़ी हैसियत' के साहचर्य से मिला होगा. उसी 'बड़ी हैसियत ने पचहत्तर का बहाना बनाकर 'बड़े और बड़े-बड़े' को 'मार्ग-दर्शक मंडल' के उस अंधे कुएं में डाल दिया, जहां न रोशनी की कोई किरण आती-जाती है, न भरोसे और विश्वसनीयता की कोई ऐतिहासिक ध्वनि-प्रतिध्वनि ही सुनाई देती है. जब ऐसा हो रहा था जाने किस सुख-सुविधा की प्रत्याशा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ खामोश रहा! राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कैसे यह नहीं समझ पाया कि जिसने 'पचहत्तर' का यह हाल करने की योजना बना ली वह एकोअहं की आत्म-मुग्धता की चौकड़ी भरता हुआ 'सौ वर्ष' पूरे होने के पहले उसका क्या हाल कर देगा. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विचारों और नीयत के प्रति शंकित रहने वालों को यह नहीं समझना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को भारतीय जनता पार्टी ने विसर्जन के रास्ते पर डालकर उनका 'काम' आसान कर दिया है. भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की एक 'शाखा' के बराबर का संगठन सौ साल में भी नहीं खड़ा कर सकती है. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भारतीय जनता पार्टी जैसी राजनीतिक पार्टियां तीस-चालीस की संख्या में खड़ा कर सकता है. हां, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को यह जरूर सोचना चाहिए कि उसके जैसे 'सांस्कृतिक संगठन' का 'राजनीतिक प्रयोग' कैसे और क्यों फेल कर गया! बिना लोकतंत्र के कोई संगठन टिक ही नहीं सकता है.

> राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विचारों और नीयत के प्रति शंकित रहने वालों को यह नहीं समझना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को भारतीय जनता पार्टी ने विसर्जन के रास्ते पर डालकर उनका 'काम' आसान कर दिया है. भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की एक 'शाखा' के बराबर का संगठन सौ साल में भी नहीं खड़ा कर सकती.

क्या है नफरती चुनाव प्रचार अभियान के पीछे?

• सियासत

हर्ष मंदर

पोलैंड से होलोकास्ट सर्वाइवर एब फॉक्समैन ने कहा था, 'ऑस्चविट्स में गैस चैम्बर और शवदाहगृह ईंटों से नहीं शब्दों से शुरू हुए थे... बुरे शब्दों, नफरती शब्दों, एंटीसेमिटिक शब्दों, पूर्वाग्रहों से भरे शब्दों से. और फिर चुप्पियों शब्दों के अभाव में ही हिंसा को बढ़ावा दिया गया.' विश्व के सबसे घनी आबादी वाले देश के प्रधानमंत्री के शब्दों और चुप्पियों से ही भारत की सबसे बड़ी धार्मिक अल्पसंख्यक आबादी यानी 20 करोड़ मुसलमानों के लिए इसके शत्रुतापूर्ण और भय से युक्त भूमि के रूप में बढ़ने को समझा जा सकता है. 2024 के भारतीय राष्ट्रीय चुनावों में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उग्र नफरती भाषणों की श्रृंखला से उठा धूल का गुब्बार अभी थमा नहीं है और यह लंबे समय तक रहने वाला है. पांच वर्षों तक और शासन करने के लिए वोट मांगते समय अपने भाषणों में मोदी ने भारतीय मुस्लिमों को जानबूझकर ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले, घुसपैठिये और वोट जिहाद करने वाले करार दिया. हिन्दुत्व दक्षिणपंथी प्रचार मशीन आम तौर पर मुस्लिमों पर लव जिहाद, भूमि जिहाद, कोरोना जिहाद, मज़ार जिहाद और यहां तक कि थूक जिहाद समेत कई तरह की जिहाद की साजिश रचने का आरोप लगाती है पर वोट जिहाद तो नई ईजाद ही है. उनकी पार्टी के लिए वोट करना हिन्दू धर्म और भारत देश के प्रति निष्ठा का संकेत है. विपक्ष के लिए वोट करना दोनों के लिए खतरनाक साजिश है. मुस्लिमों पर निशाना साधने के लिए वैसे मोदी ने हिन्दुत्व के जाने-माने दुष्प्रचार को ही दोहराया और ऐसे दावे किए कि वह हिन्दू बहुल भारत में अपनी संख्या बढ़ाने के लिए दोनों तरीकों से साजिश कर रहे हैं, यानी ज्यादा बच्चे भी पैदा कर रहे हैं और बांग्लादेश जैसे मुस्लिम बहुल पड़ोसी देशों से घुसपैठ भी कर रहे हैं. इन तरीकों के जरिए वह देश में हिन्दू बहुसंख्यकों को आबादी के मामले में पीछे छोड़ना चाहते हैं. लेकिन, प्रमाण ऐसे दावों को स्पष्ट तौर पर झुठलाते हैं. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार भारत में गैरकानूनी प्रवासी बहुत कम संख्या में हैं. मुस्लिमों में अपेक्षाकृत बड़े परिवार आकारों की इस अनुभवजन्य सच्चाई को लेकर कोई साजिशकारी या सांस्कृतिक सोच नहीं है. इसके अलावा, परिवार का आकार मुस्लिमों समेत सभी समुदायों में कम हो रहा है. मुस्लिमों में 1992 के 4.4 से प्रजनन दर 2019-20 में घटकर 2.3 हो गई. वास्तव में परिवार के आकार में गिरावट की दर मुस्लिमों में हिंदुओं के मुकाबले ज्यादा है. इसके अलावा, यह असंभव ही है कि मुस्लिम आबादी के मामले में हिंदुओं से ज्यादा हो जाएं, वह भी ऐसे देश में जहां (2011 की जनगणना के अनुसार) हिन्दू आबादी का 80 फीसदी और मुस्लिम केवल 14 फीसदी थे. लेकिन, नफरती भाषण पर सच की असुविधा कहां लगाम लगा सकती है. हालांकि, मोदी के नफरती बयानों को राष्ट्रव्यापी और अंतरराष्ट्रीय सनसनी आंशिक रूप से बेवजह है. आखिरकार मोदी द्वारा नफरती बयान देना कोई नई बात नहीं है. 2024 चुनाव प्रचार के दौरान मोदी के नफरती बयानों में मुस्लिमों और उनके प्रमुख विपक्षी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के खिलाफ नफरती पूर्वाग्रह फैलाने में नया कुछ नहीं है. इसके विपरीत, यह पूर्वाग्रह उनके सार्वजनिक बयानबाजी का हिस्सा रहे हैं. जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उन बारह वर्षों में भी ऐसे बयान आते थे. लेकिन जब वह भारत के प्रधानमंत्री बने, तो तभी से उन्होंने सावधानी बरती कि मुस्लिमों के खिलाफ उनके हमले ढंके-छिपे हों. 2024 के भाषणों में नया यह है कि मोदी भारतीय मुस्लिमों को एक सड़कछाप कट्टरपंथी की भाषा में नंगे रूप में ट्रोल कर रहे हैं. इसके साथ उन्होंने आखिरकार उस झीने आवरण को हटा दिया है जो मुस्लिमों के लिए देश के नेता के रूप में एक दशक में उनके पूर्वाग्रहों और नफरत के नंगेपन को छिपाए हुए था. उनका संकलन बताता है कि मोदी के नफरती भाषणों में भारतीय मुस्लिमों को बदनाम करना आम बात है. दूसरी बात वह विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर सत्ता में बने रहने के लिए मुस्लिम वोट हासिल करने के उद्देश्य से मुस्लिमों के प्रति 'नरम' रुख अपनाने और हिंदुओं से अन्याय करने का आरोप लगाते रहे हैं. 2013-14 में असम और बंगाल में भाषणों से लेकर राजस्थान में 2024 में भाषण तक मुस्लिम विरोधी नफरत का एक सूत्र जो समान है. वह यह झूठ है कि देश में आए मुस्लिम 'घुसपैठिये' हैं. देश में आने वाले कुछ (हिन्दू बंगाली पढ़ें) धार्मिक उत्पीड़न से प्रताड़ित होकर आए हैं और 'मां भारती' को इनका खुली बाहों से स्वागत करना चाहिए.

> पांच वर्षों तक और शासन करने के लिए वोट मांगते समय अपने भाषणों में मोदी ने भारतीय मुस्लिमों को जानबूझकर ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले, घुसपैठिये और वोट जिहाद करने वाले करार दिया. हिन्दुत्व दक्षिणपंथी प्रचार मशीन आम तौर पर मुस्लिमों पर लव जिहाद, भूमि जिहाद, कोरोना जिहाद, मज़ार जिहाद और यहां तक कि थूक जिहाद समेत कई तरह की जिहाद की साजिश रचने का आरोप लगाती है.

मीडिया में अन्यत्र

लैंगिक न्याय पर राजनीतिक नैतिकता की परीक्षा

देश में जारी आम चुनाव की प्रक्रिया के बीच आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट प्रकरण की हकीकत भले ही जांच के बाद सामने आएगी, लेकिन मुद्दे के राजनीतिक लाभ उठाने के लिए चौतरफा प्रयास हो रहे हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी सहयोगी बिभव कुमार पर आप सांसद ने मारपीट के आरोप लगाए थे. हालांकि, इस प्रकरण में बिभव कुमार की गिरफ्तारी हो चुकी है, लेकिन चुनावी माहौल में ये आरोप आम आदमी पार्टी नेतृत्व को मुश्किल में डालने वाले हैं. इस प्रकरण ने आप और महिला सुरक्षा व न्याय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर सवालिया निशान लगाए हैं. गंभीर बात यह है कि बिभव कुमार पर थप्पड़ व लात मारने और मौखिक रूप से दुर्व्यवहार करने का विवरण प्राथमिकी में दर्ज है. दुर्भाग्यपूर्ण बात यह भी कि एक फेक वीडियो इस घटनाक्रम का बताकर वायरल किया गया है. ऐसे तमाम प्रकरण भारतीय राजनीति में पहले भी आते रहे हैं, जब राजनीतिक लाभ के लिए कल्पित धारणा वास्तविक मुद्दे को पार्श्व में डाल देती है. विडंबना यह है कि लोकसभा चुनावों के बीच यह घटना प्रतिद्वंद्वी दलों के लिए, आप द्वारा अपनाए गए उच्च नैतिक आधार को चुनौती देने का नया मुद्दा बन गई है. निश्चित रूप से इस प्रकरण के गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं. वहीं यह घटना महिला सुरक्षा पर भारतीय राजनीतिक लोकाचार के लिए एक परीक्षा भी है. बहरहाल, इस घटनाक्रम ने महिलाओं के अधिकारों की मुखर वकालत करने वाले आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को कठघरे में खड़ा कर दिया गया है. उन पर इस मुद्दे पर बयान देने से बचने का आरोप लगाया जा रहा है. जहां कुछ पार्टी नेता भी इस मुद्दे पर कोई बयान देने से बच रहे हैं, वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह इस मुद्दे पर बचाव से ज्यादा मुखर मुद्रा में नजर आ रहे हैं. वे केजरीवाल के करीबी बिभव कुमार के खिलाफ सख्त कार्रवाई को राजनीतिक पैंतरेबाजी का हिस्सा बता रहे हैं. वैसे यह हकीकत है कि जब महिला उत्पीड़न की बात सामने आती है तो कोई भी राजनीतिक दल बेदाग नजर नहीं आता. हाल ही में कर्नाटक में जनता दल (एस) के लोकसभा प्रत्याशी प्रज्वल रेवन्ना पर लगे यौन शोषण के गंभीर आरोप भी यही बात साबित करते हैं. भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह पर महिला पहलवानों से छेड़छाड़ के आरोप लगे हैं. निस्संदेह, ये मामले एक चिंताजनक प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो राजनीति में पितृसत्तात्मक प्रकृति को ही उजागर करते हैं. ऐसा लगता है कि राजनीतिक विचार पीड़ितों के कल्याण पर भारी पड़ रहे हैं. **(दैनिक ट्रिब्यून)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आंच/आंचल

एक मां की आंचल की छांव इतनी शीतल और सुखद होती है कि वहां तक कोई आंच पहुंच नहीं पाती. मां की आंचल में इतनी बड़ी शक्ति होती है कि उसके आगे किसी भी आंच को पहुंचने की हिम्मत नहीं होती. आंच हिंदी का तद्भव संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. इसका तत्सम रूप अर्चि है, जिसका अर्थ होता है आग की लपट. संस्कृत का अर्चि शब्द पालि भाषा तक पहुंचते-पहुंचते अच्चि बना और हिंदी तक आते-आते आंच हो गया. यह बहु प्रचलित शब्द है, जिसका सामान्य अर्थ है गरमी, ताप. उदाहरण के लिए कहते हैं, कोयले की आंच पर भोजन अच्छा पकता है. गांव की महिलाएं मिट्टी चूल्हे की आंच से भोजन पकाती हैं. आंच का मतलब आग की लपट या लौ, आग, अग्नि भी होता है. इसका क्रिया रूप है आंच आना, आंच पहुंचना, आंच लगना, आंच करना, आंच फैलना. जैसे कहते हैं, तुम निश्चिंत रहो, तुमपर किसी प्रकार की आंच नहीं आयेगी. सांच को आंच क्या? आंच का मतलब विपत्ति, संकट, आफत, संताप, प्रेम, मुहब्बत, काम, ताप, तेज, प्रताप, आघात, चोट, हानि, अहित, अनिष्ट भी होता है. जो संतान को सभी प्रकार की आंच से बचाता है, वह आंचल तद्भव संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है धोती, दुपट्टा आदि बिना सिले हुए वस्त्रों के दोनों छोरों पर का भाग, पल्ला, छोर, साधुओं का अंचला, स्त्रियों की साड़ी या ओढ़नी का वह छोर या भाग जो सामने छाती पर रहता है. मुक्तक काव्य ग्राम्या में सुमित्रानंदन पंत ने कहा है-वह मग में रुक, मानो कुछ झुक आंचल संभारती फेर नयन. आंचल शब्द से बने असंख्य मुहावरों का प्रयोग हम चाहे-अनचाहे, गाहे ब गाहे करते रहते हैं. जैसे आंचल डालना यानी मुसलमानों के समाज में विवाह की एक रीति. उस रीति के अनुसार जब दूल्हा दुलहिन के घर जाने लगता है, तब उसकी बहन उसके सिर पर आंचल डालकर उसे घर ले जाती है. इसका नेग बहन को दिया जाता है.

साठ साल के हो गये बेचारे पतिदेव

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

पतिदेवों के रहन-सहन के मामले में उम्र का नाटक चलता रहता है. अगर वरिष्ठ नागरिक हो चुका कोई पतिदेव बाजार में कपड़ा खरीदने जाता है और कोई रंग-बिरंगी बुशर्ट खरीदना चाहे तो प्रायः पत्नियां टोक देती हैं कि अब इस उम्र में क्या इस तरीके की छींटदार बुश्शर्ट पहनते हुए अच्छे लगोगे? आदमी मन मसोस कर रह जाता है. चलो भाई ,क्रीम कलर की सीधी-सादी शर्ट ही खरीद लेते हैं. कई वरिष्ठ नागरिक पतिदेव तो स्वयं अपने आप को इतना ज्यादा वरिष्ठ मान बैठे हैं कि कहीं भी उल्लास और उमंग के साथ उपस्थित होने की बात आती है तो पहले ही कह देते हैं कि अब हमारी इन सब बातों की उम्र नहीं रही. अर्थात इधर आदमी साठ का हुआ ,उधर जीवन के सारे सुखों से वंचित हो गया. हद तो तब हो जाती है जब बच्चे मिल – बैठकर कहीं जाने का प्रोग्राम बनाते हैं और पिकनिक -सैर सपाटे आदि के बारे में सोचते हैं तो उनका यही कहना होता है किसी तीर्थस्थान पर चलने का इस बार प्रोग्राम बना लेते हैं. माताजी और पिताजी के लिए तो इस उम्र में यही ठीक रहेगा. आदमी सोचने के लिए विवश हो जाता है कि मैं साठ का हुआ, क्या मेरे लिए अब तीर्थयात्रा ही बची है? देखिए ! समाज कितना शक्की होता है ! एक लेखक के हास्य-व्यंग्य लेख को किसी महिला ने फेसबुक पर लाइक कर दिया और इस घटना को उनकी श्रीमती जी की जासूसी निगाहों ने पकड़ लिया. बस इंटरव्यू शुरू हो गया. यह महिला कौन है ? ... कहाँ रहती है... आयु कितनी है ...तुम्हारा इस से संपर्क कैसे आया ....जरा यह तो सोचो कि अब तुम्हारी उम्र साठ साल से ज्यादा हो गई है ..आदि-आदि. वह कहते ही रह गए कि उनके हास्य व्यंग्य को अगर कोई महिला लाइक करती है तो उनकी इसमें क्या गलती है और वह क्या कर सकते हैं ? मगर उनकी एक न सुनी गई. जैसे अपराधियों को प्रतिदिन थाने में हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है , ठीक उसी तरह उन्हें प्रतिदिन अपनी फेसबुक दिखाने का निर्देश दे दिया गया और कहा गया कि अगर कोई महिला तुम्हारी फेसबुक पोस्ट को लाइक करती है, तब स्पष्टीकरण तुमसे पूछा जाएगा. तबसे वह रोजाना डरते रहते हैं कि कहीं वह कुछ ऐसा शानदार न लिख बैठें कि जिसे कोई महिला पाठक लाइक कर दे और वह मुसीबत में फंस जाएं. कई बार पत्नियां भी गलत नहीं सोचती है. साठ साल तक तो लोग सीधे–साधे तरीके से चलते रहते हैं. फिर उसके बाद बिगड़ जाते हैं. बहुत से लोग पैंसठ वर्ष की आयु में अपनी पहली पत्नी को तलाक देकर दूसरी शादी करते हुए पाए गए हैं.

Her Story

वन पॉट मील
टाकोस विद डिप

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

मौसम गर्म है, ऐसे में रसोई में घंटो गुजारना महिलाओं के लिए आसान नहीं. आज बात करते हैं वन पॉट मील टाकोस विद डिप की जिसे तैयार करने में अधिक बर्तन नहीं लगते और एक डिश ही कंप्लीट फूड का काम करता है. इसे लंच या डिनर किसी में आजमाया जा सकता है.

ये चाहिए भरावन की सामग्री : मध्यम साइज के पांच उबले हुए आलू, कॉर्न आधा कप, प्याज मध्य साइज के दो, रिफाइंड ऑयल, ओरिगैनो एक चम्मच, चिली फ्लेक्स एक चम्मच, नमक स्वाद अनुसार, चीज़ - 2 क्यूब्स.

रोटी बनाने के लिए सामग्री : मक्के का आटा एक कप, गेहूं का आटा एक कप, रिफाइंड तेल आधा कप, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर आधा चम्मच, मोइन के लिए रिफाइंड ऑयल दो चम्मच.

ऐसे बनाएं

सबसे पहले हमें आटा की तैयारी करनी है. मक्के का आटा और गेहूं के आटा को मिला दें. उसमें हल्दी पाउडर नमक और दो चम्मच रिफाइंड तेल डालकर एक मीडियम सॉफ्ट डो तैयार करें. इसे ढककर एक तरफ रख दें. अब हम फीलिंग की तैयारी करेंगें.

एक पैन में थोड़ा सा रिफाइंड लेंगे. उसमें प्याज डालकर हल्का भुनेंगे. उसके बाद इसमें कॉर्न और गाजर को मिला देंगे. 2 मिनट के बाद इसमें नमक और ओरिगैनो तथा चिल्ली फ्लेक्स डाल देंगे. दूसरी तरफ आलू को अच्छे से मैश कर लेंगे. इसमें भी नमक मिला देंगे धनिया की पत्ती महीन महीन कतर के डाल देंगे. आलू के मिक्सर में कॉर्न और गाजर के मिक्सर को मिलाकर भरावन एक साइड रख देंगे.

अब हमें रोटी बेलनी है. आटे की छोटी-छोटी लोई लेकर पतली पतली रोटी बेलेंगे और उसे तवा पर उलट-पुलट कर सेक लेंगे. सबको अलग-अलग फैला के ठंडा करेंगे. फिर एक-एक रोटी में टोमेटो केचप लगाकर आधा हिस्सा में आलू का भरवां रखेंगे इस पर थोड़ा सा चीज घिसकर डालेंगे. इच्छा हो तो पनीर भी डाल सकते हैं. उसके बाद रोटी को आधा मोड लेंगे और तवा पर धीमे-धीमे आंच पर रिफाइंड लगाकर दोनों साइड से कुरकुरे सेक लेंगे. बस यह खाने के लिए टाकोस तैयार है.

चलते हैं अब हम डिप की तैयारी करने.

डिप में लगने वाली सामग्री

- हंग कर्ड एक कप
- मेयोनेज़ वन फोर्थ कप
- चिली फ्लेक्स इच्छा अनुसार
- नमक स्वाद अनुसार
- काली मिर्च का पाउडर आधा चम्मच
- नींबू का रस आधा चम्मच

इन सभी सामग्री को एक साथ मिल लेंगे. आपका डिप तैयार है. टाकोस के साथ सर्व करें.

खेल खिलौनों और कार्टून से आगे की दुनिया बच्चों के लिए न परियों की कहानी सी मोहक होती है और न आपकी गोद सी आरामदेह. ढेर सारे शारीरिक मानसिक बदलाव के साथ अपेक्षाओं, चुनौतियों से भरी नई जिंदगानी कई बार एक टीनएजर्स के साथ पैरेंट्स को भी असमंजस के मोड़ पर लाकर खड़ी कर देती है.

कच्ची धूप

लुक, ड्रेसिंग, हेयर स्टाइल

उम्र के इस दौर में कई बार बच्चों खास कर बेटियों का पहनावा, हेयर स्टाइल आदि झुंझलाहट भर देता है. कई बार उनकी ड्रेस, हेयर स्टाइल आदि को लेकर सीधे ना कहने की इच्छा होती है. पैरेंटिंग पर कई किताबें लिखने वाले रॉबर्ट इवान कहते हैं कि समस्या को बड़े कैनवास में देखने की दरकार है. अगर कपड़े हेयर स्टाइल को लेकर टीनएजर बच्चे की पसंद उसे किसी खतरे में नहीं डालती तो उसे उम्र के अनुसार खुद निर्णय लेने दें. ऐसी ड्रेस, हेयर स्टाइल या लुक से जो परिणाम या अनुभव मिलता है, उससे उनकी सीख अधिक बेहतर होगी. बकौल इवान कई पैरेंट्स चाहते हैं कि बच्चे उनकी सीख से आगे बढ़े, अपने निर्णय से वे खुद को दर्द, निराशा या असफलता में नहीं ढकेलें. पर सच्चाई से बचाकर की गई ऐसी परवरिश कई बार सीखने के खूबसूरत अवसरों पर पानी फेर देती है. यह भी ध्यान रखें कि लुक को लेकर आप खुद अधिक असहज होंगी तो बेटी पर भी प्रभाव पड़ेगा ही. उन्हें महसूस होना चाहिए कि आप जैसी दिखती हैं, उससे खुश और संतुष्ट हैं.

उनकी सुनिए

बच्चों की सुनिए और उन्हें यह जाहिर भी होने दें कि आप उन्हें सुन रही हैं. यह ध्यान देने की कोशिश करें कि बच्चे कब आपसे बात करने के मूड में अधिक होते हैं. यह आपका कार पर साथ होने का समय हो सकता है, या डिनर टेबल पर या फिर बेड टाइम पर. उन्हें अहसास कराएं कि आप उनसे बात करने के लिए न केवल मौजूद हैं, बल्कि उत्साहित भी. उनकी रुचि के बारे में जानिए. उनके फेवरिट म्यूजिक या एक्टिविटी के बारे में बात कीजिए. सवालों से बात की शुरुआत करने की बजाय आप इसके बारे में क्या सोचती हैं, यह बताएं. कठिन हो, फिर भी उनके नजरिए को धैर्य से सुने. सुनने के बाद प्रतिक्रिया देने से पहले, यह भी स्पष्ट करें कि आपने क्या सुना. उसके बाद असहमति होने पर अपने मत को कुछ यूं जाहिर करें, मैं जानती हूं कि तुम मेरी राय से सहमत नहीं, पर इस मसले पर मैं कुछ ऐसा सोचती हूं बातचीत के दौरान बच्चों की फीलिंग पर ज्यादा फोकस करें, बजाय अपनी.

दोस्ती-यारी, सब पर भारी

हमेशा आपसे चिपके रहने वाला बच्चा टीनएजर होते ही यारी दोस्ती को अधिक तरजीह देने लगता है. साथियों के दवाब में कई ऐसी आदतें शुरू होती है, जो पैरेंट्स को खटकने लगती हैं. ऐसे में बड़ों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की दरकार नहीं और न ही वे बच्चों को अपने साथियों को कमतर मानने के लिए मजबूर करें. केवल यह देखना है कि संगत में वे ऐसे काम नहीं करें जो उन्हें खतरे में डालें या नुकसान करे. उन्हें सामर्थ्य दिलाएं कि वे साथियों के दवाब का सामना कर सकें. मनोविज्ञान की एसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मीनाक्षी कुजूर कहती हैं कि इस स्थिति से एक दो दिन में निबटना संभव नहीं. शुरू से दोस्ताना संबंध रखें. खूब बातें करें. अपने ऑफिस और दूसरे अनुभव उससे शेयर करें. उनके दोस्तों को घर बुलाएं. सहजता से बातें करें. बच्चे को यह अहसास नहीं कराएं कि इस गलती पर आपको पैरेंट्स सजा दे सकते हैं. सेक्स और डेटिंग जैसे मसलों को हैंडल करने में भी यह तकनीक काम देगी.

मीडिया साक्षर

आज के दौर में बच्चों को मीडिया साक्षर करना भी जरुरी है. बच्चे अपने आसपास की घटनाओं से भी बहुत कुछ सीखते हैं. इन घटनाओं की मीडिया रिपोर्टिंग भी उनके व्यक्तित्व पर असर डालती है. उन्हें मीडिया साक्षर बनाने का मतलब है कि उन्हें बताएं कि मीडिया हमें कैसे सम्मोहित करता है, कैसे सच्चाई गढ़ता है और उसमें प्रचारित मान्यता को हम कैसे तोड़ सकते हैं. जब मुट्ठी में दुनिया है तो हमें बताना ही होगा कि इसका कैसे और कितना उपयोग करें ताकि इसके हानिकारक असर को कम किया जा सके.

अलार्मिंग सिग्नल

कभी कभी टीनएजर बच्चों का व्यवहार ऐसे मोड़ पर नजर आता है जब स्थिति को पटरी पर लाने के लिए बाहरी या प्रोफेशनल मदद की दरकार होती है. इसके कई अलार्मिंग सिग्नल हो सकते हैं. बच्चों के अचानक के बदलाव पर ध्यान दें. यह बदलाव उनके व्यवहार, स्कूल के रिजल्ट, दोस्तों आदि किसी रुप में नजर आ सकता है. घर में रखे मेडिसिन और कफ सिरप पर नजर रखें. बच्चों के कमरे या बैग में कफ सिरप, रोलिंग पेपर, माचिस की डिब्बी, अनजानी गोलियां, पाइप आदि का मिलना या आपके कैबनिट से कफ सिरप की बॉटल का गायब हो जाना अलार्मिंग सिग्नल हो सकता है. यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड्स सेंटर औन यंग एडल्ट हेल्थ एंड डवेलपमेंट की डायरेक्टर अमेलिया एम आरिया के अनुसार, कई बार पैरेंट्स उम्र के इस दौर में कभी कभार खुद के अल्कोहल लेने की घटना याद कर इसे अधिक तूल नहीं देते. पर यह स्थिति बच्चों के लिए घातक हो सकती है. बहरहाल पैरेंटिंग न तो क्लास में सीखने की चीज है और न किताबें पढ़ कर बच्चों की परवरिश की जा सकती है. आप और आपका बच्चा दोनों खास और दूसरों से अलग है. बस एक दूसरे की प्रकृति को पहचानिए और एक कली को खूबसूरत फूल बनने में अपनी ओर से पूरा योगदान दे. इसकी खुशबू से आपकी बगिया और दुनिया दोनों महकेगी.

इत्ती-बित्ती मिनी बैग्स

क्यूट सा मिनी बैग्स इन दिनों ट्रेंड में हैं जो साइज में बेहद छोटा लेकिन यूनिक होने के कारण तुरंत ध्यान आकृष्ट करते हैं. बॉलीवुड-हॉलीवुड सेलेब्स तो अक्सर इन मैनी बैग्स के साथ स्पॉट किए जाते. मार्केट में इसकी इतनी वेरायटी है कि आपका दिल एक साथ दो-चार खरीदने को मचल जाए तो आश्चर्य नहीं. आइए मिनी बैग्स के कुछ डिजाइन्स की करें चर्चा जो आपके लुक को बनाएगा थोड़ा अधिक स्टाइलिश और अट्रैक्टिव –

ट्राएंगल शेप्ड मिनी बैग

ट्राएंगल शेप्ड मिनी बैग अपनी शेप के कारण ध्यान आकृष्ट करता है. खास कर ब्राइट और बोल्ट कलर के ट्राएंगल शेप्ड मिनी बैग में एक स्टेटमेंट लुक क्रिएट करते हैं.

मिनी क्रॉस बॉडी बैग

ऐसे बैग बड़े स्ट्रेप वाले होते हैं जिसे हम कई तरह से कैरी कर सकते हैं. इसे शोल्डर पर यूं ही हैंग करें या क्रॉसबॉडी के रूप में कैरी करें, मर्जी आपकी है. रंग मैचिंग शेड्स का लें या डिफरेंट कलर का...स्टाइल में इजाफा होना तय है.

मिनी बकेट बैग

आमतौर पर मिनी बकेट बैग को रिस्ट पर कैरी किया जाता है. कलर आप पसंद का कोई भी ले सकती हैं लेकिन इसमें व्हाइट, ब्लैक, ग्रे, ब्राउन कलर सदाबहार हैं. कुछ में पैटर्न लुक भी काफी अच्छा लगता है. लुक को अधिक एलीगेंट बनाता है.

मिनी रिस्ट बैग

यह मिनी बैग इस अंदाज में अनोखा है कि इसे कलाई पर वैसे ही कैरी किया जाता है जैसे आप रिस्ट वॉच कैरी करती हैं. यह कई वेरायटी में अवेलेबल है जैसे मिनी बैगपैक रिस्ट बैग या फिर एनिमल प्रिंटेड मिनी रिस्ट बैग आदि.

मिनी पर्ल बैग

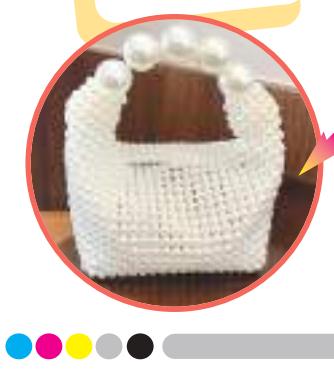

यह शाम की पार्टी/गेट टूगेदर के लिए परफेक्ट च्वॉइस हो सकता है. मिनी पर्ल बैग में भी डिजाइन और वेरायटी दिल चुराने वाली होती है. फैशन डिजाइनर्स की सुझाव माने तो पर्ल बैग के साथ बोल्ड लिप्स लुक अपनाएं.

आजमाएं ये किचन टिप्स

- एक पैन में 2 कप पानी में दो चम्मच चाय की पत्ती डालकर. इस पानी को छानकर एक बर्तन में निकालें. इसमें थोड़ा सा डिश सोप डालें और उसे अपने कांच के बर्तन को धो लें. कांच के बर्तन चमक जाएंगे.
- **कुकर नहीं पड़ेगा काला**
- आलू उबालने पर कुकर अंदर से काला पड़ जाता है. इससे बचने के लिए आलू उबालते समय जरा सा नमक और एक नींबू का टुकड़ा डाल कर सीटी लगवाएं.
- सूखी लाल मिर्च पीसने से पहले मिर्च को धूप में कुछ देर रखें और फिर इसे मिक्सर में डालें. अब इसमें 1 छोटा चम्मच नमक और 1 बड़ा चम्मच सरसों का तेल डालकर पीस लें. इससे रंग भी गहरा होगा और धसका भी नहीं लगेगा.
- हलवा बनाते समय चीनी की जगह चाशनी डालने से स्वाद और रंगत, दोनों बेहतर होगा.
- चीनी में चीटियां पड़ने की समस्या से परेशान हैं तो चीनी के डब्बे में 2-4 लौंग डाल दें. इससे चीनी में चीटियां नहीं पड़ेंगीं.
- अगर आपके फ्रिज से कभी-कभी बदबू आती है तो इसे हटाने के लिए एक न्यूजपेपर को हल्का भिगोकर इसे एक मुट्ठी में क्रश कर लें और इसका गोला बनाकर इसे रातभर के लिए फ्रिज में रख दें. ये पेपर सारी बदबू सोख लेगा. सुबह से पेपर को फ्रिज से हटा दें.

होममेड हेयर मास्क

हाय! ये चिपचिपे से बाल

गर्मियों में पसीने की वजह से बाल चिपचिपे हो जाते हैं और उनमें धूल-मिट्टी व गंदगी अधिक चिपकने लगती है जिससे बाल न केवल चिपचिपे हो जाते हैं, बल्कि बाल झड़ने जैसी समस्याएं भी शुरू हो जाती हैं. ऐसे में ये होम मेड मास्क असर दिखाएंगे.

- **एलोवेरा**

ऐलोवेरा जेल दो चम्मच, नींबू कर रस आधा चम्मच, दही आधा कप, शहद दो चम्मच, प्याज का रस चौथाई कप और एक चम्मच कॉफी इन सबको मिला कर पेस्ट तैयार करें. इसे बीस मिनट के लिए बालों में लगाएं और फिर शैम्पू कर लें.

- **दही-अंडा मास्क**

दही में मौजूद प्रोबायोटिक बालों को भरपूर पोषण देते हैं. एक कटोरी दही में इसमें एक बड़ा चम्मच नींबू का रस, एक अंडे का वाइट हिस्सा डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें. इसे अच्छी तरह से बालों और स्कैल्प पर लगाकर 1 घंटे के लिए छोड़ दें. जब ये सूख जाए तो माइल्ड शैम्पू कर लें.

- **संतरा पाउडर मास्क**

दो चम्मच संतरे के छिलके के पाउडर में आधा चम्मच नींबू के छिलके का पाउडर और एक चम्मच बादाम का पाउडर मिलाएं. जरुरत के अनुसार पानी डाल कर पेस्ट बनाएं और बालों पर आधे घंटे के लिए इस लगाएं. फिर साफ पानी से धो लें.

-कमलजीत कौर, ब्यूटी एक्सपर्ट

"हमें तवायफों जैसा दिखना ही क्यों!"

विमर्श

एक प्रसिद्ध शॉपिंग साइट पर हीरामंडी से इंस्पायर्ड कलेक्शंस पेश किए गए हैं. मीडिया के विभिन्न माध्यमों के जरिए जमकर इसका विज्ञापन भी किया जा रहा. इस पर झारखंड की महिलाओं/लड़कियों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है...

तवायफों जैसे कपड़े कौन पहनना चाहेगा!

जब एक प्रसिद्ध शॉपिंग साइट पर हीरामंडी से इंस्पायर्ड कलेक्शंस देखी तो पहला जो विचार मन में आया, वो ये था कि तवायफों के कपड़ों जैसा कौन खुद पहनना चाहेगा या अपने परिवार में बेटियों/बहुओं या अन्य महिलाओं को पहनाना चाहेगा! सच कहूं, तो तरस आया इस शॉपिंग/क्लोथिंग ब्रांड के स्ट्रेटजिस्ट पर. मुझे लगा, कौन खरीदेगा उस कपड़े को! फिर बाद में लगा कि भारत में अब अर्द्ध विक्षिप्तों की संख्या बढ़ती जा रही है.

मोनिका गुंजन आर्य
पत्रकार

तवायफों के साथ हमदर्दी हो सकती है, होनी भी चाहिए, लेकिन क्या उनके जैसा जीवन यापन करने, उनकी तरह बोलने, व्यवहार करने पर हमारा परिवार, हमारा सर्किल, हमारा समाज हमें स्वीकार करेगा? फिर उनके जैसे कपड़े पहनने से कैसे वो हमें बर्दाश्त करेंगे! सबसे बड़ी बात कि हम उनके जैसा दिखना ही क्यों चाहेंगी! क्या मैं इनसेंसिटिव साउंड कर रही हूं?

यह विरोध तो कट्टरपंथ है

स्नेहा सिंह
सीए स्टूडेंट

हीरामंडी वेबसीरीज से इंस्पायर्ड कपड़े का विरोध करना बहुत संकुचित मानसिकता का परिचायक है. किसी की तरह के कपड़े पहनने से हम वैसे ही नहीं हो जाते. फिर जिससे प्रेरित कपड़ों की बात कही जा रही, वे महिलाएं संगीत और सलीके के लिए अपनी पहचान रखने वाली महिलाएं थीं. जो कपड़े पहने दिख रही हैं या जो उनसे इंस्पायर्ड कपड़े हैं, वे भी बहुत रॉयल टच लिए हैं.

बहुत अशोभनीय फैशन है ये

अंधानुकरण की इंतेहा है ये और बाजारवाद का असर भी. हीरामंडीर बेबसीरीज के पोशाक को पहनने की होड़ का कोई औचित्य ही नहीं है. वैसे मैंने देखी है ये बेबसीरीज और जो संदेश इसमें देने की कोशिश की गई है वह है कि किस तरह स्वतंत्रता संग्राम के वक्त हर तबके- वर्ग के लोग इस युद्ध में अपने आप को होम कर रहे थे. पर इस बात को दरकिनार कर तवायफों से प्रेरित पोशाक को धारण करने का फैशन अशोभनीय है. विचार भी मन का पोशाक है. इस वैचारिक पोशाक पर भी तथाकथित आधुनिक महिलाएं ध्यान दें. उपभोक्तावाद और दिखावे की संस्कृति का यह स्तर ठीक नहीं.

डॉ कल्याणी कबीर
प्रिंसिपल, रंभा कॉलेज

हर्ज क्या है?

कोई कपड़ा किसी के व्यक्तित्व को परिभाषित नहीं करता है. अगर हीरामंडी वेबसीरीज से इंस्पायर्ड कपड़े हम पहन लें तो हम भी तवायफ नहीं बन जाएंगे. फिर तवायफों से इतनी घृणा क्यों! वे अगर उस गली में हैं तो इसके पीछे कहीं न कहीं यह समाज ही जिम्मेदार है. मैं यह भी कहना चाहती हूं कि ये कपड़े उसे पेशे विशेष को नहीं, बल्कि उस काल खंड की पोशाक को जाहिर करते हैं.

क्रान्ति श्रीवास्तव
साहित्यकार

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल का महामुकाबला

शुभम संदेश
रांची, बुधवार 22 मई, 2024
www.lagatar.in

ब्रीफ खबरें

वेन्नम रैंकिंग में चौथे भारत दूसरे स्थान पर

येचियोन (दक्षिण कोरिया)। एशियाई खेल चैम्पियन ज्योति सुरेखा वेन्नम के चौथे स्थान पर रहने से तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में भारतीय कंपाउंड महिला टीम क्वालीफाइंग रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई. विश्व कप में सत्र के पहले शंघाई चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाने के बाद ज्योति शीर्ष तीन में रहने से तीन अंक से चूक गई. वह तीसरे स्थान पर रही दक्षिण कोरिया की ओह युहयुन (707 अंक) से तीन अंक पीछे रह गई. हान सियुंगियोन पहले और लक्जेमबर्ग की मारिया शकोल्ना दूसरे स्थान पर रही. भारत की परनीत कौर आठवें और विश्व चैम्पियन अदिति स्वामी 15वें स्थान पर रही. भारतीय टीम दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर रही.

जर्मनी के महान खिलाड़ी टोनी क्रूज संन्यास लेंगे

मैड्रिड। जर्मनी के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी टोनी क्रूज 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप के बाद खेल को अलविदा कह देंगे. यह जानकारी उनके क्लब रीयाल मैड्रिड ने मंगलवार दी. रीयाल मैड्रिड ने बताया कि 34 साल के क्रूज ने यूरो 2024 के बाद पेशेवर फुटबॉलर के रूप में अपने करियर को समाप्त करने का फैसला किया है. क्लब ने कहा, रीयाल मैड्रिड टोनी क्रूज के प्रति अपना आभार और स्नेह व्यक्त करना चाहता है. वह हमारे क्लब के साथ अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के महानतम दिग्गजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे. क्रूज 2014 से रीयाल मैड्रिड के साथ है. इस दौरान टीम ने 22 खिताब जीते है.

अभ्यास के लिए रोलां गैरो पहुंचे नडाल

पेरिस। रिकॉर्ड 14 बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन रफेल नडाल तैयारी के लिए रोलां गैरो लौटे हैं हालांकि उनके फॉर्म और फिटनेस को लेकर संशय की स्थिति है. 37 वर्ष के नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और दो अभ्यास जोड़ीदारों के साथ यहां पहुंचे. फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम पर अभ्यास देखने के लिए करीब 6000 दर्शक मौजूद थे. करीब डेढ घंटे तक चले अभ्यास सत्र के बाद नडाल ने प्रशंसकों को आटोग्राफ दिए और लॉकर रूम में चले गए. फ्रेंच ओपन रविवार से शुरू हो रहा है. नडाल कूल्हे की चोट के कारण 2023 में लगभग पूरे सत्र से बाहर रहे. वह हाल ही में इटालियन ओपन के दूसरे दौर में हुबर्ट हुरकाज से हार गए थे.

चंदू ने डब्ल्यूबीसी इंडिया राष्ट्रीय खिताब जीता

हैदराबाद। तमिलनाडु के उभरते हुए मुक्केबाज चंदू जी ने पंजाब के जसकरण सिंह को चौथे दौर में नॉकआउट करते हुए डब्ल्यूबीसी इंडिया क्रूजरवेट चैंपियनशिप खिताब जीता. इस मुकाबले में 10-0 के जीत-हार के रिकॉर्ड के साथ उतरे चंदू उम्मीद के मुताबिक जीत दर्ज करने में सफल रहे. उन्होंने हालांकि धीमी की शुरुआत की और जसकरण (9-3) ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए बढ़त बना ली. दूसरे दौर से हालांकि चंदू ने दबदबा बनाना शुरू किया और फिर विरोधी मुक्केबाज को कोई मौका नहीं दिया. चंदू ने चौथे और निर्णायक दौर में जसकरण के चेहरे पर दाएं हाथ से दमदार मुक्का जड़कर उन्हें धराशाई कर दिया.

खेल हॉकी प्रो लीग : अर्जेंटीना के खिलाफ भारतीय पुरुष टीम का पहला मुकाबला आज

महिला टीम को भी यूरोपीय चरण का फायदा मिलने की उम्मीद

एजेंसी। एंटवर्प (बेल्जियम)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ओलंपिक से पहले बुधवार को अर्जेन्टीना के खिलाफ मुकाबले से शुरू हो रहे एफआईएच प्रो लीग के कठिन यूरोपीय चरण के दौरान अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगी. भारतीय महिला हॉकी टीम भी नई कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई में जब अर्जेन्टीना से भिड़ेगी, तो पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाने की निराशा से उबरने का प्रयास करेगी. ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया के हाथों टेस्ट सीरीज में 0-5 से सूपड़ा साफ होने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर आएगी और पेरिस खेलों से पहले जीत की राह पर लौटने के लिए यूरोप में मिले मौके का पूरा फायदा उठाना चाहेगी. हरमनप्रीत ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हमारा ध्यान ओलंपिक पर है, लेकिन हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चैंपियन (प्रो लीग में) बनने और 2026 हॉकी विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की भी जरूरत है.

खास बातें

- कप्तान सलीमा टेटे की अगुवाई में अर्जेंटीना से भिड़ेगी टीम
- बोलीं कप्तान-कोई शक नहीं कि हमारा ध्यान ओलंपिक पर है

भारतीय टीम अभी आठ प्रो लीग मैच में 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है. नीदरलैंड 26 अंक (12 मैच) के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया 20 अंक (8 मैच) के साथ दूसरे पायदान पर है. कप्तान ने कहा, इन दोनों लक्ष्यों (ओलंपिक से पहले अच्छा प्रदर्शन करना और 2026 विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन हासिल करना) को हासिल करने के लिए हम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपने सभी मैच जीतने का प्रयास करेंगे. अर्जेंटीना के अलावा भारतीय पुरुष टीम बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ भी अपनी ओलंपिक की तैयारियों को परखेगी. प्रो लीग तालिका में छठे स्थान पर काबिज भारतीय महिलाओं के पास बुधवार को दुनिया की सातवें नंबर की टीम अर्जेंटीना के खिलाफ मुकाबले के साथ तालिका में ऊपर चढ़ने का मौका है. दुनिया की छठे नंबर की टीम भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में आठ मैच में आठ अंक हासिल किए जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत भी शमिल हैं. नवनियुक्त कप्तान सलीमा ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में भारत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैत्री मैचों से उनकी टीम को प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए तैयार होने में मदद मिली. महिला वर्ग में चीन आठ मैचों में 15 अंक के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है जबकि शीर्ष पर मौजूद नीदरलैंड ने अपने सभी 12 मैच जीतकर 36 अंक जुटाए हैं. अर्जेंटीना के बाद महिला टीम 23 मई को बेल्जियम से भिड़ेगी जबकि पुरुष टीम एक दिन बाद मेजबान का सामना करेगी.

आईपीएल एलिमिनेटर का दूसरा मुकाबला आज

राजस्थान के सामने होगी आरसीबी की कठिन चुनौती

एजेंसी। अहमदाबाद

संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स के सामने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग प्लेआफ में आत्मविश्वास से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कठिन चुनौती होगी जो चमत्कारिक प्रदर्शन करके यहां तक पहुंची है. एक समय पर रॉयल्स का शीर्ष दो में रहना तय लग रहा था लेकिन लगातार चार हार और केकेआर के खिलाफ आखिरी मैच बारिश में धुलने के कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद के बाद दूसरे स्थान पर रही. दूसरी ओर आरसीबी प्लेआफ से बाहर होने की कगार पर पहुंचने के बाद सनसनीखेज तरीके से चौथे स्थान तक पहुंची. पहले आठ में से सात मैच हारने के बाद फाफ डु प्लेसी की टीम ने गत चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर प्लेआफ में जगह बनाई. रॉयल्स चार हार और एक वर्षाबाधित मैच रद्द होने के बाद यहां पहुंची है, तो आरसीबी ने लगातार छह जीत दर्ज करके अपने प्रतिद्वंद्वी के लिए खतरे की घंटी बजा दी है. आईपीएल के पहले सत्र 2008 की चैम्पियन रॉयल्स कुछ सप्ताह पहले खिताब की सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही थी लेकिन पिछले चार मैचों में उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरियां उजागर हुई. जोस बटलर के इंग्लैंड लौट जाने से उसकी बल्लेबाजी पर असर पड़ा है. अब यशस्वी जायसवाल (348 रन), कप्तान सैमसन (504 रन) और रियान पराग (531 रन) को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी. सैमसन और पराग के अलावा इंग्लैंड के टॉम होलेर कैडमोर से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी जो जायसवाल के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं. शिमरोन हेटमायेर निचले क्रम को मजबूती दे सकते हैं हालांकि अभी तक बल्ले से इस सत्र में कमाल नहीं कर सके हैं. अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम बाकी मैदानों की तरह बल्लेबाजों की ऐशगाह नहीं है लिहाजा यहां रॉयल्स के गेंदबाज उपयोगी साबित हो सकते हैं. इस मैदान पर इस सत्र में 12 पारियों में सिर्फ दो बार 200 से पार का स्कोर बना है यानी अनुशासित गेंदबाजी करने वाली टीम का पलड़ा भारी हो सकता है. दूसरी ओर आरसीबी के विराट कोहली इस सत्र में 14 मैचों में 708 रन बना चुके हैं और वह ट्रंपकार्ड साबित हो सकते हैं. कप्तान फाफ डु प्लेसी भी फॉर्म में लौट आये हैं जबकि रजत पाटीदार ने भी पांच अर्धशतक जमाये हैं. इंग्लैंड के विल जैक्स के जाने का आरसीबी पर असर नहीं पड़ा है चूंकि निचले क्रम पर दिनेश कार्तिक 195 की स्ट्राइक रेट से अधिक से रन बना रहे हैं. पिछले मैच में यश दयाल ने चेन्नई सुपर किंग्स के महेंद्र सिंह धौनी और रविंद्र जडेजा के सामने बेहतरीन आखिरी ओवर डालकर टीम को जीत दिलाई थी. वह इस लय को कायम रखना चाहेंगे.

टीमें

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नांद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पावेल, टॉम कोहलर-केडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुश कोटियन.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉप्ली, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्युसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान.

पहला क्वालीफायर: सनराइजर्स 8 विकेट से हारा

केकेआर फाइनल में पहुंचा

एजेंसी। अहमदाबाद

मिचेल स्टार्क (34 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर (24 गेंद में नाबाद 58) और वेंकटेश (28 गेंद में नाबाद 51) की आक्रामक पारियों से कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के पहले क्वालीफायर मुकाबले में मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद को 38 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की. सनराइजर्स की पारी को 159 रन पर समेटने के बाद केकेआर ने महज 13.4 ओवर में दो विकेट पर 164 रन बना कर चौथी बार इस लीग में फाइनल का टिकट कटाया. सनराइजर्स को 26 मई को खेले जाने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच बुधवार को खेले जाने वाले एलिमिनेटर के विजेता से शुक्रवार भिड़ना होगा. श्रेयस और वेंकटेश दोनों ने अपनी नाबाद पारियों में एक समान पांच चौके और चार छक्के जड़े. दोनों ने तीसरे विकेट के लिए महज 44 गेंद में 97 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की एकतरफा जीत पक्की की. आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी स्टार्क को शुरुआती ओवरों में वैभव अरोड़ा (17 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला और दोनों ने पहले दो ओवरों में शानदार लय में चल रहे सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाजों ट्रेविस हेड (0) और अभिषेक शर्मा (3) को पवेलियन की राह दिखा दी. वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर दो विकेट) और सुनील नारायण (40 रन पर एक विकेट) की फिरकी ने मध्यक्रम में सनराइजर्स के बल्लेबाजों को ज्यादा देर तक पैर जमाने का मौका नहीं दिया. हर्षित राणा (27 रन पर एक विकेट) और आंद्रे रसेल (15 रन पर एक विकेट) को भी एक-एक सफलता मिली. सनराइजर्स के लिए राहुल त्रिपाठी ने 35 गेंद की पारी में सात चौके और एक छक्का की मदद से 55 रन बनाने के साथ हेनरिच क्लासेन (32) के साथ महज 37 गेंद में 62 रन की आक्रामक साझेदारी की. इससे पहले गेंदबाजी का न्योता मिलने के बाद स्टार्क ने अपने शुरुआती तीन ओवरों में तीन विकेट चटकाकर आईपीएल में अपनी महंगी कीमत को चरितार्थ किया. जसजस

स्कोर बोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद : ट्रेविस हेड बो स्टार्क 00, अभिषेक शर्मा कै रसेल बो अरोड़ा 03, राहुल त्रिपाठी रन आउट 55, नीतिश रेड्डी कै रहमानुल्लाह बो स्टार्क 09,शाहबाज अहमद बो स्टार्क 00,हेनरिच क्लासेन कै रमनदीप बो चक्रवर्ती 32,अब्दुल समद कै अय्यर बो हर्षित 16,सनवीर सिंह बो नारायण 00, पैट कमिंस कै रहमानुल्लाह बो रसेल 30,भुवनेश्वर कुमार पगबाधा चक्रवर्ती 00, विजयकांत व्यासकांत नाबाद 07, अतिरिक्त: 07, कुल योग: (19.3 ओवर में सभी आउट) 159 रन, विकेट पतन: 1-0, 2-13, 3-39, 4-39, 5-101, 6-121, 7-121, 8-125, 9-126 गेंदबाजी, स्टार्क 4-0-34-3 अरोड़ा 2-0-17-1 हर्षित 4-0-27-1 नारायण 4-0-40-1 रसेल 1.3-0-15-1 चक्रवर्ती 3-0-15-2

केकेआर : गुरबाज कै व्यासकांत बो नटराजन 23, सुनील नारायण कै व्यासकांत बो कमिंस 21,वेंकटेश अय्यर नाबाद 51, श्रेयस अय्यर नाबाद 58, अतिरिक्त: 11 रन, कुल योग: (13.4 ओवर में दो विकेट पर) 164 रन, विकेट पतन: 1-44, 2-67, गेंदबाजी: भुवनेश्वर 3-0-28-0 कमिंस 3-0-38-1 नटराजन 3-0-22-1 व्यासकांत 2-0-22-0 रेड्डी 1.4-0-32-0 शाहबाज 1-0-13-0

बोले आस्ट्रेलियाई कोच-जैक फ्रेसर मैकगुर्क और शॉर्ट कुछ अलग हैं

एजेंसी। सिडनी

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने मंगलवार को कहा कि करिश्माई युवा बल्लेबाज जैक फ्रेसर मैकगुर्क और हरफनमौला मैथ्यू शॉर्ट को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए यात्रा रिजर्व के तौर पर इसलिए रखा गया है क्योंकि वे टीम में कुछ अलग लेकर आते हैं. 22 वर्ष के फ्रेसर मैकगुर्क ने अपने पहले आईपीएल सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के लिये नौ मैचों में 234 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाये जिसमें 32 चौके और 28 छक्के शामिल थे. उन्हें टी20 विश्व कप के लिए आस्ट्रेलिया की 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन अब वह रिजर्व के तौर पर जाएंगे. मैकडोनाल्ड ने सेन रेडियो से कहा, ये दोनों बाकियों से अलग हैं. फ्रेसर बेहतरीन सलामी बल्लेबाज है तो शॉर्ट मध्यक्रम का बल्लेबाज होने के साथ स्पिनर भी है. टीम में किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर ही इन्हें खेलने का मौका मिलेगा. कोच ने कहा, ये दोनों अंतिम 15 में नहीं है लिहाजा किसी के चोटिल होने पर ही खेल सकते हैं. हमारे पास दो उम्दा विकल्प के रूप में ये दोनों खिलाड़ी हैं.

बोले पूर्व क्रिकेटर- हार्दिक पांड्या की इसमें कोई गलती नहीं

मुंबई की दुर्दशा के लिए क्या सीनियर खिलाड़ी जिम्मेदार : हरभजन सिंह

एजेंसी। मुंबई

आईपीएल में मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होनेवाली पहली टीम बनी, इसके अलावा लीग राउंड खत्म होने पर मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में भी सबसे नीचे 10वें पायदान पर रही. आईपीएल इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी टीम मुंबई इंडियंस का यह हाल देख कर सबलोग चौंक गए. मुंबई इंडियंस ने आईपीएल के लिए रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया था. टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि मुंबई इंडियंस टीम की इस हाल के लिए टीम के सीनियर खिलाड़ी जिम्मेदार हैं. हरभजन सिंह ने रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव या किसी और का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका मानना है कि सीनियर खिलाड़ी इस सीजन में टीम को बांध कर नहीं चल पाए मुंबई इंडियंस की खस्ता हालत को लेकर जब हरभजन सिंह से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, देखिए मुंबई इंडियंस बहुत बड़ी टीम है, मैं 10 साल उस फ्रेंचाइजी टीम के लिए खेला हूं, बहुत जबर्दस्त मैनेजमेंट भी है वहां, एक-एक चीज बड़ी सही तरीके से चलती है वहां, और ये जो फैसला था, ये बैकफायर कर गया, हार्दिक पंड्या गुजरात सेआए और कप्तान बने. मुझे लगता है कि वहां ये सोच थी कि आगे और फ्यूचर को लेकर ये फैसला लिया गया था, लेकिन मेरे हिसाब से वो टीम में ठीक से बैठा नहीं.

एकता ने क्लब थ्रो में स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी। कोबे (जापान)

भारत की एकता भयान ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ 20.12 मीटर का थ्रो फेंककर विश्व पैरा एथलेटिक चैम्पियनशिप में महिलाओं की एफ51 क्लब थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया. इससे पहले दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी20 श्रेणी की रेस में स्वर्ण पदक जीता था. एकता के स्वर्ण के अलावा कशिश लाकड़ा ने 14.56 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता. अल्जीरिया की नाजेत बूशेर्फ ने 12.70 मीटर के साथ कांस्य पदक हासिल किया. हरियाणा सिविल सेवा अधिकारी एकता ने एशियाई पैरा खेलों में कांस्य पदक जीता था. उन्होंने तोक्यो पैरालम्पिक 2020 के लिए भी क्वालीफाई किया था. एकता डॉक्टर बनना चाहती थी लेकिन 2003 में एक सड़क दुर्घटना ने उनके सारे सपने छीन लिये. वह कैब में जा रही थी जब दिल्ली हरियाणा सीमा पर एक ट्रक उनकी कैब पर उलट गया. वह तब से व्हीलचेयर पर है. उस हादसे में छह अन्य छात्रों की मौत हो गई थी. भारत के अब दो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं.

समीक्षा चेन्नई की बर्बादी का सबसे बड़ा कारण रहे टीम के गेंदबाज दीपक चाहर

सीएसके देती है इस गेंदबाज को एमएस धौनी से ज्यादा पैसे

एजेंसी। नयी दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स ने आगाज दमदार किया था, लेकिन आखिरी में ऐसी हालत हुई कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हारकर आईपीएल 2024 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई. महेंद्र सिंह धौनी रांची लौट चुके हैं और अपने शहर में बाइक दौड़ाते नजर आए. माना जा रहा है कि पूर्व कप्तान एमएस धौनी ने अपना आखिरी मैच खेल लिया है. हालांकि, उन्होंने रिटायरमेंट का ऐलान नहीं किया. अब जब टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, तो उसके चाहने वालों और टीम मैनेजमेंट के लिए रिव्यू का समय है. ओवरऑल देखेंगे तो टीम का प्रदर्शन उस तरह का नहीं रहा, जिस तरह की उम्मीद थी या जितना उसके प्लेयर्स में दम था.

राजस्थान के खिलाफ हैमस्ट्रिंग पकड़ कर बैठ गए थे

टीम में सबसे अधिक पैसे पाने वाले प्लेयर्स में शामिल दीपक चाहर ने टूर्नामेंट में आखिरी बार 1 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ घरेलू मुकाबले में खेला था. दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने अपने स्पेल का पहला ओवर फेंकते समय ही अपनी हैमस्ट्रिंग पकड़ ली और पवेलियन चले गए. सीएसके के मुख्य कोच ने बाद में पुष्टि की कि चोट गंभीर है और चाहर तब से खेलने के लिए मैदान पर नहीं उतरे हैं. सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने आरसीबी के खिलाफ पुष्टि की कि चाहर अभी भी टीम का हिस्सा नहीं हैं और उन्होंने केवल एक बदलाव का नाम लिया, वह भी मजबूरी में.

गायकवाड़ ने कहा था- अगर प्लेऑफ में पहुंचे, तो दीपक खेलेंगे

उन्होंने उस समय कहा था- हम पहले गेंदबाजी करेंगे. विकेट अच्छा लग रहा है, परिस्थितियां बादल छाए हुए हैं और हम पहले 2-3 ओवरों में ज्यादा से ज्यादा मूवमेंट का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे. कुछ प्लेयर्स चोटिल हैं और कुछ प्लेयर्स मौजूद नहीं हैं तो प्लेइंग-11 में बदलाव होगा. उस समय दीपक चाहर को लेकर गायकवाड़ ने कहा था- दीपक चाहर को टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया गया है. वास्तव में उन्हें नेट्स में गेंदबाजी करते भी देखा गया. हालांकि, वह अंतिम लीग प्रतियोगिता में मैदान पर उतरने के लिए पर्याप्त रूप से फिट नहीं हैं. अगर सीएसके इसके लिए क्वालीफाई करता है तो वह प्लेऑफ में भूमिका निभा सकते हैं.

ऐसा रहा दीपक चाहर का आईपीएल में प्रदर्शन

ऐसा हालांकि हुआ नहीं, क्योंकि टीम प्लेऑफ में पहुंची ही नहीं. दीपक चाहर ने आईपीएल 2024 में आठ मैचों में पांच विकेट लिए हैं. चाहर का अभियान निराशाजनक रहा है. पावरप्ले में गेंद को स्विंग करने की क्षमता के कारण नई गेंद के साथ आमतौर पर भरोसेमंद होते थे, लेकिन वह काफी हद तक अप्रभावी रहे हैं. आंकड़े भी यही दर्शाते हैं. उन्होंने इस सीजन में आठ मैच खेले हैं, जिसमें 40.40 की औसत और 8.60 की इकॉनमी से केवल 5 विकेट लिए हैं.

भारतीय जूनियर हॉकी टीम की शानदार शुरुआत

खास बातें

- बेल्जियम को पेनल्टी शूटआउट में हराया
- तिवारी ने तीसरे और 27वें मिनट में गोल दागे

एजेंसी। एंटवर्प

श्रद्धानंद तिवारी के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने बेल्जियम को पेनल्टी शूटआउट के जरिये हराकर यूरोप दौरे की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की. तिवारी ने तीसरे और 27वें मिनट में गोल किये. निर्धारित समय तक स्कोर 2 . 2 था लेकिन भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 4 . 2 से जीत दर्ज की. तिवारी ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करके भारत को बढत दिलाई और पहले क्वार्टर तक यह बढत कायम रही. दूसरे क्वार्टर में तिवारी ने 27वें मिनट में एक और पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला. हाफटाइम तक भारत के पास दो गोल की बढत थी. तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही बेल्जियम ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर दिया. चौथे क्वार्टर में भी बेल्जियम ने दबाव बनाये रखा और पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी का गोल दाग दिया. पेनल्टी शूटआउट में भारत के लिए गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाह, दिलराज सिंह और मनमीत सिंह ने गोल किये. भारतीय गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने दो शानदार गोल बचाकर भारत की जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई. भारत को अब बुधवार को नीदरलैंड के ब्रेडा में बेल्जियम से ही खेलना है.

ब्रीफ खबरें

बालू लदा अवैध 12 ट्रैक्टर जब्त

नवादा । नवादा जिले में अवैध बालू खनन के विरुद्ध नवादा के डीएम प्रशांत कुमार, एसपी कार्तिकेय शर्मा ने सख्त कदम उठाते हुए व्यापक छापेमारी अभियान शुरू कर दी है, जिसके तहत मंगलवार को 12 बालू लदे ट्रैक्टर जब्त कर लिए गए हैं. नवादा की पुलिस व खनन विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध बालू खनन व परिवहन के विरुद्ध छापेमारी कर 13 बालू लदे ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया. नेमदारगंज थाना क्षेत्र के गोसाईं बिगहा गांव स्थित सकरी नदी बालू घाट की बतायी जाती है.

ट्रैक्टर की बैट्री में हुआ ब्लास्ट, एक घायल

भागलपुर । जिले के मोजाहिदपुर थाना क्षेत्र के मिरजानहाट चौक के समीप मंगलवार को ट्रैक्टर के बैट्री में ब्लास्ट होने से एक खलासी गंभीर रूप से जख्मी हो गया. उसके आंख समेत शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई है. घटना के बाद खलासी जमीन पर अचेत होकर गिर पड़ा. वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया. बताया जा रहा है कि एक बालू डिपो में ट्रैक्टर पर गिट्टी लोड किया जा रहा था. इसी दौरान ड्राइवर ने खलासी को ट्रैक्टर के बैट्री को चेक करने के लिए भेजा. जैसे ही उसने बैट्री का ढक्कन खोल तो बैटरी ब्लास्ट हो गया. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

पिता ने बेटी की हत्या कर शव को रूम में दफनाया

मोतिहारी । पूर्वी चंपारण में एक कलयुगी पिता की हैवानियत सामने आई है. जहां नशे में धुत पिता ने पहले अपनी बेटी की हत्या की फिर उसके शव को बेडरूम में दफन कर दिया. यहीं नहीं नशेड़ी पिता ने गड्ढे में चार किलो नमक भी डाल दिया और आराम से रूम में सोता रहा. जानकारी अनुसार पूरी घटना पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा थाना क्षेत्र के मुरला गांव की है. जहां एक सनकी पिता ने पहले अपनी बेटी की हत्या की और शव को बेडरूम में ही दफन कर आराम से सोता रहा. बेटी की लाश जल्दी गल जाए इसके लिए हत्यारे पिता ने गड्ढे में चार किलो नमक भी डाल दिया था.

कटिहार में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत, सात गंभीर

कटिहार । कटिहार जिले के में कोढ़ा थाना क्षेत्र के गोंदवारा चौक के पास सोमवार देर रात सड़क दुर्घटना में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि सात लोग गंभीर रुप से घायल हैं. आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच 31 को जाम कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही कोढ़ा सहित आसपास के थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आक्रोशित परिजनों को शांत कराने में जुट गई है. जिले में कोढ़ा थाना क्षेत्र के गोंदवारा चौक के पास यह दुर्घटना हुई है. मृतकों में शंभू मंडल (34), सीटू सिंह (32) वर्ष शामिल है. जबकि सात लोग गंभीर रुप से घायल हो गए है. सभी मदरौनी के रहने वाले है. घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोढ़ा लाया गया. जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए अस्पताल रेफर कर दिया गया.

मोतिहारी में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में पीएम मोदी ने चुनावी जनसभा को किया संबोधित, बोले-

जंगलराज वालों ने बिहार को अपराध का फैक्ट्री बना दिया

संवाददाता । पटना

मोतिहारी में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस ने देश को बर्बाद किया और जंगलराज वालों ने बिहार को अपराध का फैक्ट्री बनायी. कांग्रेस ने सिर्फ एक परिवार को आगे बढ़ाने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया. इससे पहले पीएम ने पूर्वी चंपारण की धरती को नमन किया. लोगों का उत्साह देखते हुए उन्होंने कहा कि आपका उत्साह ही बता रहा है कि 4 जून को क्या रिजल्ट आने वाला है. पार्टी उम्मीदवार राधामोहन सिंह के पक्ष में संबोधन के दौरान पीएम कांग्रेस पर लगातार बरसते रहे. उन्होंने कहा कि आजादी के बाद केंद्र की सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने सिर्फ एक परिवार को आगे बढ़ाने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया. कांग्रेस और उसके साथियों ने मिलकर देश से 60 साल बर्बाद कर दिए. तीन-तीन पीढियों का जीवन तबाह कर दिया. 60 साल में इन लोगों ने बड़े-बड़े महल बना लिए, स्विस बैंक में अकाउंट खुल गए और गरीबों और बेसहारों का हक मारा गया. आप लोगों की परेशानी और गरीबी से इन्हें कोई मतलब नहीं रहा.

पीएम ने कांग्रेस के साथ राजद पर भी प्रहार किया. उन्होंने कहा कि बिहार में जंगलराज वालों ने बिहार को अपराध का फैक्ट्री बना कर रख दिया है. बिहार के लोगों को जंगलराज वालों ने बम, बारूद और माफिया दिया. जंगलराज में जो सिर्फ अपराध को फलने-फूलाने में लगे रहे वो बिहार का विकास कैसे करते. नीतीश कुमार के साथ सुशील मोदी को यादव करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ने मिलकर बिहार में जंगलराज को खत्म करने में सराहनीय भूमिका निभायी. उनके प्रयास से ही बिहार में बेटियां आगे बढ़ी, पलायन रूका, लोगों कई सुविधाएं मिली.

आईएनडीआई गठबंधन पर हमला करते हुए उन्होंने कहा 21वीं सदी का भारत आईएनडीआई गठबंधन के पापों के साथ आगे नहीं बढ़ सकता है. इसलिए हर चुनाव में कांग्रेस और राजद जैसे दलों पर जनता जोर का प्रहार कर रही है. चार जून को आईएनडीआई वालों के इरादों पर सबसे बड़ा प्रहार होगा. जनता के वोट का प्रहार होगा देश में भ्रष्टाचार पर, यह प्रहार होगा तुष्टीकरण की राजनीति पर, यह प्रहार होगा टुकड़े-टुकड़े गैंग पर, यह प्रहार होगा सनातन को गाली देनी वाली विकृत मानसिकता पर, यह प्रहार होगा अपराधी, माफिया और जंगलराज पर, यह प्रहार होगा महिला विरोधी मानसिकता पर.

पीएम ने कहा कि महात्मा गांधी ने चंपारण में सत्याग्रह और स्वच्छाग्रह का प्रयोग किया था. आजादी के बाद इसी से प्रेरणा लेकर कांग्रेस को देश में सफाई के लिए आंदोलन करना चाहिए था, बापू को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि देने का उनको अवसर मिला था लेकिन उन्होंने सत्ता में आने के पहले दिन ही बापू को पूरी तरह से छोड़ दिया.

पांचवें चरण के मतदान के दौरान उपजे तनाव ने हिंसक रूप ले लिया

चुनावी रंजिश में एक की मौत दो दिनों के लिए इंटरनेट बैन

संवाददाता । पटना

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान के दौरान छपरा में सोमवार को भिखारी चौक स्थित बूथ पर उपजे तनाव ने हिंसक रूप ले लिया है. मंगलवार सुबह बीते शाम हुए चुनावी तकरार को लेकर भाजपा और राजद के कार्यकर्ता के बीच हिंसक झड़प हो गयी. झड़प के बीच दोनों ओर से गोलीबारी भी की गयी, जिसमें एक की मौत हो गई जबकि दो अन्य कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हैं, जिनको इलाज के लिए पटना पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एहतियात के तौर पर जिले में दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं ठप कर दी गई हैं. वहीं छपरा में हुई चुनावी हिंसा के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. पूरा इलाका पुलिस छावनी में तबदील हो गयी है. पुलिस ने झड़प के दौरान हुई राजद कार्यकर्ता के हत्या के मामले में भाजपा नेता रमाकांत सिंह सोलंकी और उसके भतीजे रामप्रताप सिंह को हिरासत में भी लिया है. घटनास्थल पर सारण के आयुक्त एम श्रवण और पुलिस उप महानिरीक्षक विकास वैभव सहित जिलाधिकारी अमन समीर और पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव मंगला ने स्वयं दौरा किया और तैनात जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव मंगला ने कहा कि यहां शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास किये जा रहे है. आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी.

दरअसल, सोमवार की शाम वोटिंग खत्म होने के बाद कुछ लोग सारण से राजद उम्मीदवार रोहिणी आचार्य के विरोध में हंगामा कर रहे थे. बताया जा रहा है कि कुछ लोग रोहणी के लिए अभद्र बातें बोल रहे थे. उस वक्त प्रशासन के हस्तक्षेप से मामले को शांत कराया गया लेकिन मंगलवार सुबह दोनों पक्षों के लोगों में फिर से कहासुनी हो गयी और विवाद के बीच गोलियां और शीशे के बोतलें दोनों ओर से चलने लगीं. झड़प के दौरान नगर थाना क्षेत्र के बड़ा तेलपा निवासी नागेंद्र राय के पुत्र चंदन कुमार (26) की गोली लगने से मौत हो गयी, जबकि शंभू राय का पुत्र गुड्डू राय (30) और विदेशी राय के पुत्र मनोज राय (40) गंभीर रूप से घायल हो गये. दोनों को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है. घायल चंदन के कमर में गोली लगी है जबकि गुड्डू राय के सिर में गोली मारी गई है.

छपरा फायरिंग पर बोले तेजस्वी, दिख रही है हार की बौखलाहट

छपरा । छपरा में वोटिंग के बाद हुई चुनावी हिंसा को लेकर सियासत शुरू हो गई है. राजद नेता ने इस घटना के लिए बीजेपी को जिम्मेवार बताया है और कहा है कि हार की बौखलाहट में कुछ लोग इस तरह की घटना को अंजाम दे रहे हैं. ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन होना चाहिए. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव में हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए. तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रशासन के लोगों से मेरी बात हुई है. दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है और दो लोग फरार हैं. प्रशासन के लोगों ने मुझे आस्वस्त किया है कि शाम तक जो बाकी के दो लोग फरार हैं उनको भी पकड़ लिया जाएगा. कुछ लोग हैं जो हार की बौखलाहट में इस तरह का काम करते हैं. चुनाव में ऐसी चीजों की कोई जगह नहीं है, प्रशासन के लोगों को इसे देखना चाहिए.

बालू कारोबारी की गोली मारकर हत्या

आरा के मझौव बांध के पास अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

संवाददाता । आरा

आरा के नगर थाना क्षेत्र के मझौव बांध के पास मंगलवार की सुबह एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतक की पहचान 26 वर्षीय प्रिंस सिंह के रूप में की गई है. जो बड़हरा के सिन्हा थाना क्षेत्र के कुदरिया गांव का रहने वाला था. मृतक पेशे से बालू कारोबारी था और जमीन की खरीद-बिक्री का काम भी करता था. आशंका जताई जा रही है कि जमीन विवाद में हत्या की गई है. जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह प्रिंस सिंह अपनी बाइक से पुलिस लाइन की ओर जा रहे थे. तभी बांध के पास कुछ हथियारबंद बाइक सवार बदमाशों ने उसे गोली मार दी. गोली प्रिंस के सीने में लगी. जिसके बाद घायल प्रिंस को वहां मौजूद लोगों ने तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया. जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक के परिजनों का कहना है कि सात कट्ठा जमीन को लेकर प्रिंस का कुछ लोगों से विवाद चल रहा था. इस विवाद को सुलझाने के लिए पंचायती स्तर पर प्रयास भी किया गया था. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया. पोस्टमार्टम के दौरान मृतक के शरीर से एक गोली बरामद हुई है. वहीं मृतक की जेब से भी पुलिस को तीन गोलियां मिली हैं. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. घटना के बारे में परिजनों से भी पूछताछ की गई है. आरोपियों की तलाश की जा रही है.

दहेज के लिए विवाहिता की पीट-पीटकर हत्या

लखीसराय । लखीसराय में जहां दहेज नहीं मिलने पर ससुराल वालों ने विवाहिता की पीट पीटकर हत्या कर दी. जिसके बाद शव को काटकर बोरे में बंद कर फेंक दिया है. बताया जा रहा है कि ससुराल वाले शव को जलाने की फिराक में थे. वहीं पुलिस ने बोरे में से शव के टुकड़ों को बरामद किया है. दरअसल, मामला लखीसराय के बड़हिया थाना क्षेत्र के बड़हिया कॉलेज घाट का है. शव की पहचान महिसोना निवासी अवधेश सिंह की पुत्री रजनी देवी के रूप में हुई है. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है.

कटिहार में शिक्षिका की चाकू से गोद कर दी हत्या

संवाददाता । कटिहार

कटिहार में एक शिक्षिका की निर्मम हत्या कर दी गयी है. शिक्षिका की पहले चाकू से गोद-गोद कर हत्या किया गया. फिर पेट्रोल छिड़क कर शव को जिंदा जलाने का प्रयास किया गया. इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी है. घटना के संबंध में बताया जा रहा है की प्राणपुर थाना क्षेत्र के पकड़िया प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका यशोदा देवी को विद्यालय जाते समय हलचल कुमार नाम के युवक ने चाकू से गोद-गोद कर हत्या कर दिया और फिर पेट्रोल छिड़ककर शव को जिंदा जलाने की कोशिश किया है. मृतका के पति परमेश्वर राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि हत्या के आरोपी युवक से पहले से ही उन लोगों का झंझट रहा है. जिससे जुड़ा हुआ मामला भी थाना में दर्ज है. वहीं पूरे मामले पर पुष्टि करते हुए सदर डीएसपी अभिजीत कुमार सिंह ने कहा कि यह एक संगीन वारदात है. पुलिस ने जल्द आरोपी के गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है.

कारोबार

व्हील्स इंडिया का शुद्ध लाभ 64.3% बढ़ा

चेन्नई । व्हील्स इंडिया लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 64.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 36.8 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का पिछले साल इसी अवधि में शुद्ध लाभ 22.4 करोड़ रुपये रहा था. व्हील्स इंडिया लिमिटेड का 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 का शुद्ध लाभ 8.6 प्रतिशत बढ़कर 67.9 करोड़ रुपये रहा. वित्त वर्ष 2022-23 में यह 62.5 करोड़ रुपये था. वित्तीय प्रदर्शन पर कंपनी के प्रबंध निदेशक श्रीवत्स राम ने कहा, वित्त वर्ष 2023-24 में निर्यात अच्छा रहा.

केरल ने रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि दर्ज की : मंत्री

तिरुवनंतपुरम । केरल के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने बताया कि राज्य ने 2020-21 में 47,000 करोड़ रुपये से 2023-24 में 77,000 करोड़ रुपये तक की रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि हासिल की है. बालगोपाल ने कहा, हमने राज्य के अपने राजस्व में रिकॉर्ड वृद्धि हासिल की है, भले ही केंद्र हमें वित्तीय रूप से निचोड़ रहा हो. राज्य का खुद का कर राजस्व 2020-21 में 47,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 77,000 करोड़ रुपये हो गया. उन्होंने बताया कि यह केवल तीन वर्षों में कर राजस्व में 60% की वृद्धि दर्शाता है.

जेनसोल इंजी. ने शिल्पा को किया नियुक्त

नयी दिल्ली । जेनसोल इंजीनियरिंग ने शिल्पा उरहेकर को सोलर ईपीसी (भारत) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है. कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि शिल्पा उरहेकर, अली इमरान नकवी का स्थान लेंगी. नकवी को जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड और उसकी अनुषंगी कंपनियों की वृद्धि की देखरेख के लिए नामित किया गया है. जेनसोल में शामिल होने से पहले उरहेकर ने स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड में कंट्री हेड के रूप में सेवाएं दी हैं. प्रबंध निदेशक अनमोल सिंह जग्गी ने बयान में कहा, शिल्पा की नियुक्ति सोलर ईपीसी परियोजना के आकार को बढ़ाने की जेनसोल की वृद्धि रणनीति के अनुरूप है.

सरकार ने एक्सपोर्ट से पहले की जांच प्रक्रिया को लेकर जारी किये दिशा निर्देश

कंपनी से मसालों की सैंपल लेकर हुई जांच प्रक्रिया शुरू

भाषा । नयी दिल्ली

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर उठे विवाद के बाद सरकार ने निर्यात होने वाले मसालों की जांच प्रक्रिया कड़ी कर दी है. एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इन कंपनियों के चार प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड (ईआईओ) होने से जुड़े सवाल उठने के बाद मसाला बनाने वाली कंपनियों के पास से सैंपल लिए गए. इनकी जांच की गई. एक्सपोर्ट से पहले की जांच प्रक्रिया के बारे में व्यापक दिशानिर्देश जारी किए गए. जिससे भारतीय मसालों के बारे में उठी चिंताओं को दूर किया जा सके. सिंगापुर और हांगकांग ने कथित तौर पर कीटनाशक ईटीओ की मात्रा तय मानक से अधिक होने का हवाला देकर एमडीएच और एवरेस्ट के चार प्रोडक्ट्स को बाजार से हटाने का आदेश दिया था. इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी उत्पादों पर निगरानी बढ़ाई गई. एमडीएच और एवरेस्ट का कहना है कि उनके उत्पादों की क्वॉलिटी बिल्कुल ठीक है. सरकारी अधिकारी ने कहा कि विवाद उठने के बाद हांगकांग और सिंगापुर निर्यात किए जाने वाले मसालों की जांच अनिवार्य करने जैसे कदम उठाए गए. अधिकारी ने कहा कि सभी निर्यातकों के लिए गाइडलाइंस जारी की गई हैं कि वे जिन देशों में मसाला निर्यात करते हैं, वहां ईटीओ के बारे में जो भी मानक हैं, उनके हिसाब से पूरी जांच-परख माल भेजने से पहले कर लिया करें.

ईटीओ पूरी तरह प्रतिबंधित है : स्पाइसेज बोर्ड ने सिंगापुर और हांगकांग भेजे जाने वाले मसालों में ईटीओ जांच को छह मई से अनिवार्य कर दिया था. हांगकांग में फूड प्रोडक्ट्स में ईटीओ पूरी तरह प्रतिबंधित है. सिंगापुर में 50 पाट्र्स पर मिलियन तक की इजाजत है. यूरोपियन यूनियन ने 0.1 मिलीग्राम प्रति किलो तक की सीमा तय की है. अधिकारी ने कहा कि इंडियन सैंपल के रिजेक्ट होने का रेट एक प्रतिशत से भी कम रहा है. 2023-24 में 14 लाख टन मसाले में से केवल 0.2% माल ही ऐसा था, जो विभिन्न देशों के मानकों पर खरा नहीं पाया गया था. वहीं, भारत में आयात होने वाले फूड कंसाइनमेंट्स में से 0.73% हिस्सा हमारे स्टैंडर्ड के हिसाब से ठीक नहीं पाया गया. वित्त वर्ष 2024 में 1.4 करोड़ टन मसाले निर्यात करने वाले भारत के लिए यह मामला सिंगापुर और हांगकांग ने भले ही बैन के बजाय रिकॉल का आदेश दिया, लेकिन इससे भारतीय मसालों पर गंभीर सवाल उठ गया. कंपनियां जरूरी जांच-परख करें और स्पाइसेज बोर्ड इनको सर्टिफिकेट देने की प्रक्रिया कड़ी करे क्योंकि यह साख का मसला है. बता दें कि जब भारतीय मसालों पर सवाल उठे तो एक के बाद देशों ने बिक्री पर रोक लगाना शुरू कर दिया था. इसमें सिंगापुर और हांगकांग के बाद पिछले सप्ताह नेपाल ने भी भारत की मसाला बनाने वाली एमडीएच और एवरेस्ट मसाला कंपनियों के उत्पादों के आयात और बिक्री पर रोक लगा दी. मतलब यह कि वहां पहुंच चुका मसालों का कंटेनर भी बाजार में बिक्री के लिए नहीं पहुंच पाएगा. साथ ही इन कंपनियों के मसालों की जो खेप नेपाली स्टोर के रैक पर होगी, उसे भी हटानी होगी.

एथिलीन ऑक्साइड होने की आशंका से लिया फैसला : जानकारी के अनुसार नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग ने एमडीएच और एवरेस्ट जैसी मसाला कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट में कीटनाशक, एथिलीन ऑक्साइड होने की आशंका के कारण यह फैसला लिया. नेपाल ने खाद्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग ने इन दोनों कंपनियों के मसालों में संदिग्ध केमिकल व एथिलीन ऑक्साइड की जांच भी शुरू कर दी. नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी और गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता मोहन कृष्ण महाराजन ने कहा कि इन दोनों कंपनी के मसालों को नेपाल में आयात में फिलहाल सात दिनों के लिए बैन किया गया है. इन दोनों कंपनियों के मसालों की बिक्री पर भी बैन लगा दिया गया है. इन दोनों कंपनी के मसालों में एथिलीन ऑक्साइड की जांच की जा रही है.

गौरतलब है कि तय मानक से ज्यादा एथिलीन ऑक्साइड होने पर कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है. एक तरफ वैसे ही कुछ समय पहले ही सिंगापुर और हांगकांग ने इन दो मसाला कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट पर इस तरह की कार्रवाई की है. हांगकांग के खाद्य नियामक सेंटर फार फूड सेफ्टी ने भी कहा था कि इन दोनों कंपनियों के प्रोडक्ट में एथिलीन ऑक्साइड है, जिससे कैंसर होने का खतरा बढ़ता है.

एमडीएच एवरेस्ट

- हांगकांग में फूड प्रोडक्ट्स में ईटीओ प्रतिबंधित
- सिंगापुर में 50 पाट्र्स पर मिलियन तक इजाजत

फोटो सेशन

अभिनेत्री जान्हवी कपूर मंगलवार को नई दिल्ली में अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान तस्वीरें खिंचवाती हुईं.

व्हील्स इंडिया ने 200 रुपये की योजना निर्धारित की

चेन्नई । ट्रक, कृषि ट्रैक्टर, यात्री वाहन के लिए स्टील के पहिए और निर्माण उपकरण बनाने वाली व्हील्स इंडिया लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 200 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना तैयार की है. कंपनी के प्रबंध निदेशक श्रीवत्स राम ने कहा कि पूंजीगत व्यय ट्रैक्टर पेश करने, निर्माण तथा कास्ट एल्यूमीनियम, पवनचक्की कास्टिंग खंडों के लिए मशीनिंग पर खर्च किया जाएगा. व्हील्स इंडिया लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 64.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 36.8 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का पिछले साल इसी अवधि में शुद्ध लाभ 22.4 करोड़ रुपये रहा था. व्हील्स इंडिया लिमिटेड का 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2023-24 का शुद्ध लाभ 8.6 प्रतिशत बढ़कर 67.9 करोड़ रुपये रहा.

जेएसडब्ल्यू सीमेंट 3,000 करोड़ का करेगा निवेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

जेएसडब्ल्यू सीमेंट राजस्थान के नागौर जिले में सीमेंट विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है. कंपनी ने मंगलवार को बताया कि एकीकृत सुविधा को ऋण तथा शेयर के मिश्रण से वित्त पोषित किया जाएगा. जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा जेएसडब्ल्यू सीमेंट ने एक बयान में कहा, नई सुविधा में 33 लाख टन प्रति वर्ष तक की 'क्लिंकराइजेशन' इकाई और 25 लाख टन प्रति वर्ष तक की 'ग्राइंडिंग' इकाई शामिल है. कंपनी ने कहा कि इस नए संयंत्र से 1,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की भी उम्मीद है.

जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने कहा कि यह सबसे महत्वपूर्ण निवेशों में से एक है, जो कंपनी राजस्थान में कर रही है.

शेयर मार्केट घरेलू बाजार में चांदी में आया भूचाल, बाजार में आ गयी मंदी

चांदी 1900 रुपए हुई सस्ती, सोना 560 रुपए हुआ सस्ता

एजेंसी । मुंबई

भारत में मंगलवार को वायदा बाजार में सोने-चांदी की कीमत में बड़ी कमी देखने को मिली है. बाजार खुलते ही एमसीएक्स पर चांदी की कीमतों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है और यह मंगलवार को 1900 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है. चांदी के साथ-साथ सोना भी मंगलवार को 500 रुपये तक सस्ता हुआ है और यह फिलहाल 73,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव के आसपास बना हुआ है. मंगलवार को मार्केट खुलने के साथ ही चांदी की कीमतों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली है. चांदी सोमवार के मुकाबले 1867 रुपये सस्ती होकर 93,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है. इससे पहले वायदा बाजार में चांदी 95,267 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थी.

सोने में भी आई बड़ी गिरावट : मंगलवार को एमसीएक्स यानी वायदा बाजार में चांदी के साथ-साथ सोने की कीमतों में भी बड़ी कमी देखने को मिली है. सोना एमसीएक्स पर 560 रुपये तक सस्ता होकर 73,807 रुपये के भाव पर बना हुआ है.

वहीं इससे पिछले कारोबारी दिन सोना वायदा बाजार में 74,367 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. बता दें कि घरेलू बाजार की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के भाव में कमी देखी जा रही है. मंगलवार को कॉमैक्स पर गोल्ड जून फ्यूचर्स में सोना 11.96 डॉलर की बड़ी गिरावट के साथ 2,414.59 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है. वहीं चांदी कॉमैक्स पर मई फ्यूचर्स कॉन्ट्रेक्ट 0.30 डॉलर सस्ती होकर होकर 31.48 डॉलर पर आ गई है.

निफ्टी मिडकैप इंडेक्स पहली बार 52000 के आंकड़े को किया पार

हफ्ते के पहले कारोबारी सत्र में उठापटक के बाद भारतीय शेयर बाजार फ्लैट बंद हुआ है. लेकिन मेटल्स एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. मिडकैप स्टॉक में भारी खरीदारी की बदौलत मिफ्टी का मिडकैप इंडेक्स पहली बार 52,000 के आंकड़े को पार करने में सफल रहा है. बीएसई का मार्केट कैप ऐतिहासिक हाई पर क्लोज हुआ है. मंगलवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 52 अंकों की गिरावट के साथ 73,953 अंकों पर क्लोज हुआ है जबकि निफ्टी 27 अंकों की तेजी के साथ बंद हुआ है. शेयर बाजार में कई सेक्टर्स के स्टॉक्स में तेजी के चलते बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप ऐतिहासिक हाई पर जा पहुंचा है. बीएसई मार्केट कैप 414.49 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 412.35 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था. यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 2.14 लाख करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

इक्रा ने चौथी तिमाही में जीडीपी बढ़ने का लगाया अनुमान

एजेंसी । नयी दिल्ली

घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर चार तिमाही के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है. इक्रा का अनुमान है समूचे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहेगी. इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि कम मात्रा में वृद्धि के साथ-साथ जिंस की कीमतों से कम लाभ के साथ कुछ औद्योगिक क्षेत्रों की लाभप्रदता में गिरावट से वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में भारत की जीवीए वृद्धि में कमी आने की उम्मीद है. वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में भारत की जीडीपी 6.1 प्रतिशत बढ़ी. समूचे वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वृद्धि सात प्रतिशत थी.

छत्तीसगढ़ में देखा गया जीपीएस टैग वाला प्रवासी पक्षी

एजेंसी। रायपुर

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में जीपीएस ट्रांसमीटर से टैग किए गए एक प्रवासी पक्षी 'यूरेशियन या कॉमन विम्ब्रेल' को पहली बार कैमरे में रिकॉर्ड किया गया. वन अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. बेमेतरा वन परिक्षेत्र की अधिकारी माधुरी सिंह ने बताया कि स्थानीय तौर पर 'छोटा गोंग' के नाम से मशहूर इस पक्षी को 18 मई को राज्य के बेमेतरा जिले के बेरला इलाके में एक बांध पर पक्षी पर्यवेक्षकों के एक दल ने देखा था. यह पक्षी सोमवार तक वहां देखा गया. सिंह ने बताया, 'राज्य में विम्ब्रेल को पहली बार कैमरे में रिकॉर्ड किया गया है. पक्षी में

जीपीएस ट्रांसमीटर और पीले रंग का टैग लगा हुआ था.' उन्होंने बताया, 'कई संगठन और देश पक्षी प्रवास का अध्ययन करने के लिए जियो-टैगिंग और रंग टैग का उपयोग करते हैं, जो पक्षी की प्रवास स्थिति और व्यवहार पर नजर रखने में मदद करते हैं. इस अकेले विम्ब्रेल की तस्वीर सबसे

खास बातें

- 'छोटा गोंग' के नाम से मशहूर है यह पक्षी
- पहली बार इसे रियूनियन द्वीप पर पकड़ा गया था

पहले बेरला में पक्षी पर्यवेक्षक डॉक्टर हिमांशु गुप्ता, जागेश्वर वर्मा और अविनाश भोई ने ली थी.' एक सरकारी अधिकारी भोई ने बताया, 'संभवतः पहली बार छत्तीसगढ़ में जीपीएस ट्रांसमीटर से लैस लंबी दूरी का प्रवासी पक्षी देखा गया है. डी ला रीयूनियन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर द्वारा टैग किए जाने के बाद यह भारत में पहली बार देखा गया है.' उन्होंने बताया कि प्रोफेसर द्वारा पक्षी का नाम 'मेरलीन' रखा गया है. उन्होंने बताया कि फ्रांस का एक द्वीप ला रीयूनियन, मेडागास्कर के पूर्व में हिंद महासागर में है. अधिकारी ने बताया कि विभिन्न देश पक्षियों की आबादी पर नजर रखने और उनका अध्ययन करने के लिए विभिन्न रंग के टैग का उपयोग करते हैं. भोई ने बताया कि पक्षी निरीक्षकों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस विम्ब्रेल को पहली बार पिछले साल 16 नवंबर को रियूनियन द्वीप पर पकड़ा गया था, जहां यह अपना शीतकालीन या गैर-प्रजनन समय बिताता है. उसी दिन पक्षी को पीला टैग लगाया गया था. उन्होंने बताया कि इस साल सात मार्च को इसे दोबारा पकड़ लिया गया और जीपीएस टैग लगाया गया.

लोकसभा चुनाव के पांच चरण के बाद भाजपा 310 सीट जीत चुकी है : शाह

एजेंसी। संबलपुर (ओडिशा)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के पांच चरण पूरे होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 310 सीट मिलने का दावा करते हुए ओडिशा के लोगों से मंगलवार को अपील की कि वे राज्य को 'बाबू-राज' से आजाद कराएं और भाजपा को केंद्र एवं राज्य दोनों में सरकार बनाने के लिए समर्थन दें. शाह ने संबलपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार ओडिशा में भाजपा का चुनाव चिह्न 'कमल' खिलेगा. संबलपुर सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को मैदान में उतारा है. उन्होंने कहा,

'पांचवें चरण के मतदान के बाद भाजपा को 310 सीट पहले ही मिल चुकी हैं. छठे और सातवें दौर के मतदान के बाद हम 400 से अधिक सीट हासिल कर लेंगे.' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में 'मुट्ठी भर अधिकारियों' का शासन है. उन्होंने दावा किया कि यह चुनाव राज्य में मौजूदा 'बाबू राज' को समाप्त कर देगा. शाह ने राज्य में बीजू जनता दल (बीजद) की सरकार पर ओडिशा के गौरव, भाषा, संस्कृति और परंपरा का अपमान करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा, 'बीजद सरकार जगन्नाथ मंदिर को एक वाणिज्यिक केंद्र में बदलना चाहती है. मठों और मंदिरों को नष्ट कर दिया गया है और मंदिर के चारों द्वार अब भी जनता के लिए नहीं खोले गए हैं.' शाह ने कहा, 'नवीन बाबू ने ओडिशा के लोगों पर 'अधिकारी राज' थोपकर उनका अपमान किया है.' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक राज्य के 'खनिज संसाधनों को लूटने' में कोई कसर नहीं छोड़ रहे.

ब्रीफ खबरें

रईसी की अंत्येष्टि में शामिल होंगे धनखड़!

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम संस्कार में भारत के प्रतिनिधि के तौर पर शामिल होने की संभावना है. सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सोमवार को मृत्यु हो गई थी. धनखड़ के बुधवार को ईरान रवाना होने की संभावना है. रईसी के सम्मान में मंगलवार को पूरे भारत में राजकीय शोक रहा. कोहरे वाले पहाड़ी क्षेत्र में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ घंटों बाद राष्ट्रपति रईसी, देश के विदेश मंत्री आदि मृत पाए गए.

कांग्रेस नेता हत्या की साजिश मामले में बरी

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुख के. सुधाकरन को 1995 में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के मौजूदा संयोजक ई. पी. जयराजन सहित मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में मंगलवार को बरी कर दिया. उच्च न्यायालय ने सुधाकरन और मामले के एक अन्य आरोपी राजीवन को यह कहते हुए बरी कर दिया कि आंध्र प्रदेश पुलिस पहले ही उनके खिलाफ आपराधिक साजिश के आरोपों की जांच कर चुकी है. ऐसे में उन्हीं आरोपों पर केरल में दर्ज दूसरी प्राथमिकी उचित नहीं थी.

बांग्लादेश के पूर्व सेना प्रमुख पर लगा प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के कारण सोमवार को प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि उनके कदमों ने बांग्लादेशी लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं में लोगों के भरोसे को कमजोर किया. अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, 'अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अजीज अहमद पर बड़े भ्रष्टाचार में संलिप्तता के कारण प्रतिबंध लगाने की आज सार्वजनिक रूप से घोषणा की.'

लंदन-सिंगापुर उड़ान में एक की मौत, कई घायल

बैंकॉक। सिंगापुर एयरलाइन्स ने कहा है कि लंदन से सिंगापुर के लिए उड़ान भरने वाले उसके एक विमान को कई बार वायुमंडलीय विक्षोभ का सामना करने के कारण उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए. एयरलाइन ने अपने फेसबुक पेज पर बताया कि हीथ्रो से रवाना हुई सिंगापुर एयरलाइन्स की उड़ान संख्या एसक्यू321 को बैंकॉक की ओर भेजा गया और विमान स्थानीय समयानुसार अपराह्न 3.45 बजे सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पर उतरा. विमान बोइंग 777-300ईआर में कुल 211 यात्री और 18 विमानकर्मी सवार थे.

झील में नहाते वक्त चार लड़कियां डूबीं

भावनगर (गुजरात)। गुजरात के भावनगर शहर में मंगलवार को नहाने के लिए झील में गईं चार नाबालिग लड़कियां डूब गईं जिसमें दो बहनें भी शामिल हैं. मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रद्युम्नसिंह जडेजा ने बताया कि घटना शहर में मानव निर्मित झील बोर तलाब की है. नौ से 17 साल की उम्र की पांच नाबालिग लड़कियां एक महिला के साथ झील पर गई थीं. जब महिला झील के किनारे कपड़े धो रही थी तभी लड़कियां नहाने के लिए जलाशय में कूद गईं और डूबने लगीं. 12 साल की एक लड़की को बचा लिया गया और ए एक सरकारी अस्पताल भेजा गया.

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा : भाजपा को बहुमत हासिल करने से रोकेगा 'इंडिया' ब्लॉक

जनता हमारे लिए लड़ रही है : खरगे

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के पक्ष में 'भीतर ही भीतर लहर' चल रही है तथा यह गठजोड़ लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बहुमत हासिल करने से रोकने में सफल रहेगा. खरगे ने 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में कहा कि लोग अब उनके समर्थन में और उस भाजपा तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा के खिलाफ लड़ रहे हैं जो समाज में 'नफरत एवं विभाजन' फैलाते हैं. कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि लोगों को लगता है कि यह लड़ाई अब लोकतंत्र और संविधान को बचाने की है और वे उनकी पार्टी को समर्थन दे रहे हैं. खरगे ने भाजपा पर राम मंदिर, हिंदू-मुस्लिम और भारत-पाकिस्तान के नाम पर लोगों को बार-बार भड़काने और उन्हें 'भावनात्मक रूप से लूटने' का भी आरोप लगाया और दावा किया कि लोग अब उसका 'असली रंग समझ गए हैं.'

सरकार लोगों को बेवकूफ बना रही : इस लोकसभा चुनाव को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने का आह्वान सभी भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों और बोलने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बचाने के लिए है. लोकसभा चुनाव सात चरणों में हो रहे हैं जिनमें से पांच चरण संपन्न हो चुके हैं. खरगे का कहना था कि लोग महंगाई और बेरोजगारी से भी परेशान हैं जो इस चुनाव में दो प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा पहले किए गए वादों को भी पूरा नहीं कर पाई है, चाहे वह दो करोड़ नौकरियां देना हो, विदेश से काला धन वापस लाना हो या किसानों की आय दोगुनी करना हो. कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार पर झूठ बोलने और लोगों को बेवकूफ बनाने का भी आरोप लगाया तथा दावा किया कि लोग उनके इरादों को समझ गए हैं और अब वे उनके सामने बेनकाब हो गए हैं.

यह साफ है कि भाजपा पिछड़ जाएगी और हम आगे बढ़ेंगे

खरगे ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'देश भर में यात्रा करने के बाद हम यह महसूस कर रहे हैं कि हमारे पक्ष में 'भीतर ही भीतर लहर' चल रही है. कांग्रेस पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों को इस बार अधिक सीट मिलेंगी. हम भाजपा को सत्ता में आने के लिए आवश्यक सीट हासिल करने से रोकने में सफल रहेंगे. मुझे लगता है कि भाजपा अपनी सरकार नहीं बना पाएगी.' उन्होंने कहा, 'केवल हम ही नहीं, बल्कि जनता भी हमारे लिए लड़ रही है. हम जिस विचारधारा को मानते हैं लोग उसका समर्थन कर रहे हैं और हमारे लिए लड़ रहे हैं. यह साफ है कि भाजपा पिछड़ जाएगी और हम आगे बढ़ेंगे.' यह पूछे जाने पर कि उन्हें यह भरोसा कहां से हो रहा है तो खरगे ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के प्रति लोगों की जो प्रतिक्रिया मिल रही है, लोगों ने समर्थन करना शुरू कर दिया है और उनकी विचारधारा के लिए लड़ रहे हैं, इससे उनके भीतर यह विश्वास पैदा हो रहा है.

हम संविधान और लोकतंत्र को बचाने का आह्वान करते हैं : मल्लिकार्जुन

इस चुनाव में आरक्षण और संविधान को दो प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में उभरने की पृष्ठभूमि में खरगे ने कहा कि यह सवाल नहीं है कि कौन जीत रहा है. उनका कहना था, 'यह किसने कहना शुरू किया कि संविधान को बदलने के लिए हमें दो-तिहाई बहुमत चाहिए और 400 पार चाहिए. आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी आरक्षण की बात की है. वे संविधान में जो लिखा है उसे हटा नहीं सकते, लेकिन उन्हें लागू नहीं कर रहे हैं. वे संविधान बदलना चाहते हैं, क्योंकि वे वहां अपने और आरएसएस के लोगों को नियुक्त करना चाहते हैं, जो योग्य भी नहीं हैं, इसलिए हम कहते हैं कि भाजपा संविधान में लिखी बातों का पालन नहीं कर रही है.' कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, 'वे (भाजपा) लोकतंत्र को भी स्वीकार नहीं करते, क्योंकि उन्होंने मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, मणिपुर, उत्तराखंड, गोवा में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया. उन्होंने ऐसा कहां नहीं किया है? वे लोकतांत्रिक मार्ग का अनुसरण नहीं करते और संविधान के अनुसार काम नहीं करते.' खरगे ने कहा, 'इसीलिए हम संविधान और लोकतंत्र को बचाने का आह्वान करते हैं, क्योंकि यह सभी के मौलिक अधिकारों को बचाएगा.'

बोलने व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर अंकुश लगाया जा रहा

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार पर अंकुश लगाया जा रहा है और संविधान को बचाने का मतलब सभी भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बचाना है. उन्होंने कहा, 'वे लोकतंत्र को दबा रहे हैं और संविधान का विरोध कर रहे हैं, इसलिए यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है - बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक और प्रिंट मीडिया से लेकर टेलीविजन और यहां तक कि सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं तक के लिए.' कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी कहा कि चुनाव हो रहे हैं, विपक्षी नेताओं को धमकाया जा रहा है, परेशान किया जा रहा है और सलाखों के पीछे डाल दिया जा रहा है, उन्हें प्रचार करने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है. उन्होंने दावा किया, 'ये चीजें लोकतंत्र में अच्छी नहीं हैं. एक अधिनायकवादी शासन लागू किया जा रहा है.'

चार जून को '20 साल बाद' 2004 जैसा क्षण' देखने को मिलेगा : रमेश

वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि आगामी जून को लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन

'इंडिया' को स्पष्ट जनादेश मिलने के साथ ही '2004 जैसा क्षण' देखने को मिलेगा और इस गठजोड़ के 'शानदार प्रदर्शन' का एक कारण उत्तर प्रदेश में होने वाला 'बहुत प्रभावशाली' बदलाव है. रमेश ने एक साक्षात्कार में यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक 'सांप्रदायिक पिच' तैयार कर रहे थे लेकिन उनकी पार्टी ने इस पर खेलने से इनकार कर दिया. विश्वास जताया कि चार जून को नतीजे वाला दिन '2004 के क्षण' की याद दिलाएगा जब भाजपा अपने 'इंडिया शाइनिंग' अभियान के बावजूद सत्ता से बेदखल हो गई थी.

ईडी ने डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव के ठिकानों पर मारे छापे

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और डीपीआईआईटी के पूर्व सचिव रमेश अभिषेक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत मंगलवार को उनके ठिकानों पर छापे मारे. आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी.

ईडी का मामला उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के पूर्व सचिव अभिषेक के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा हाल में दर्ज एक प्राथमिकी पर आधारित है। 1982 बैच के भारतीय प्रशासनिक

सेवा (आईएएस) के अधिकारी के खिलाफ सीबीआई ने फरवरी में छापेमारी की थी. वह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाले डीपीआईआईटी से 2019 में सेवानिवृत्त हुए थे. सूत्रों ने बताया कि ईडी धनशोधन जांच के तहत राष्ट्रीय राजधानी के ग्रेटर कैलाश इलाके में और कुछ अन्य स्थानों पर अभिषेक के परिसरों की तलाशी ले रही है.

निर्वाचन आयोग भाजपा की विस्तारित शाखा है : राउत

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) नेता संजय राउत ने निर्वाचन आयोग पर 'भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विस्तारित शाखा' होने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र की उन लोकसभा सीट पर मतदान प्रक्रिया धीमी थी, जहां महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे थे. राउत ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान दावा किया कि जिस क्षेत्रों में सत्तारूढ़ भाजपा या उसके सहयोगी दलों को अधिक वोट मिलने की संभावना थी, वहां चुनाव निर्बाध हुआ. निर्वाचन प्राधिकारियों के अनुसार, राज्य में आम चुनाव के

पांचवें और अंतिम चरण के दौरान मुंबई के छह क्षेत्र सहित 13 लोकसभा क्षेत्रों में सोमवार को औसत 54.33 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि अंतिम आंकड़े बाद में घोषित किए जाएंगे. सोमवार को 13 सीट पर हुए मतदान के दौरान मुंबई की छह लोकसभा सीट पर औसतन 52.27 प्रतिशत मतदान हुआ जबकि 2019 के आम चुनावों में मुंबई में 55.38 प्रतिशत मतदान हुआ था.

मानव तस्करी के जरिये कंबोडिया पहुंचे 300 भारतीयों की 'बगावत'

एजेंसी। विशाखापत्तनम

- 150 लोग विशाखापत्तनम के निवासी हैं और पिछले एक साल से कंबोडिया में फंसे हुए हैं : आंध्र पुलिस

हाल में यहां मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ होने की पृष्ठभूमि में आंध्र प्रदेश पुलिस ने मंगलवार को कहा कि अवैध तरीके से कंबोडिया ले जाए गए 300 भारतीयों ने 20 मई को अपने संचालकों के खिलाफ 'बगावत' कर दी जिसकी वजह से उनमें से अधिकतर को गिरफ्तार कर लिया गया है. पुलिस ने बताया कि इनमें से 150 लोग विशाखापत्तनम के निवासी हैं और पिछले एक साल से कंबोडिया में फंसे हुए हैं, जहां उन्हें चीनी संचालकों द्वारा साइबर अपराध और 'पोंजी' घोटाले को अंजाम देने के लिए मजबूर किया जा रहा है. विशाखापत्तन के पुलिस आयुक्त ए. रवि शंकर ने रेखांकित किया कि मानव तस्करी के जरिये कंबोडिया ले जाए गए भारतीयों ने शिहानोउकविले के जिनबेई और कम्पाउंड में बलवा कर दिया जो कथित तौर पर साइबर अपराध का केंद्र है. शंकर ने एक विज्ञप्ति में बताया, 'कई लोगों ने व्हाटसऐप के जरिये विशाखापत्तनम पुलिस से संपर्क किया और वीडियो भेजे. सोमवार को करीब 300 भारतीयों ने कंबोडिया में अपने संचालकों के खिलाफ 'बगावत' कर दी.' पुलिस ने 18 मई को चुक्क राजेश, एस कोंडल राव और एम. ज्ञानेश्वर राव को मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था. ये भारत में युवाओं को सिंगापुर में डाटा एंट्री की नौकरी दिलाने का प्रलोभन देते थे.

पश्चिम बंगाल में भाजपा उम्मीदवार के चुनाव प्रचार पर 24 घंटे की लगाई रोक

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ की गई कथित टिप्पणी को लेकर मंगलवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अभिजीत गंगोपाध्याय के चुनाव प्रचार करने पर 24 घंटे के लिए रोक लगा दी. निवार्चन आयोग ने गंगोपाध्याय की टिप्पणी को 'निचले दर्जे का निजी हमला' करार दिया और कहा कि यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है. आयोग का आदेश मंगलवार को शाम पांच बजे से प्रभावी होगा. निर्वाचन आयोग ने गंगोपाध्याय को बनर्जी के खिलाफ कथित 'असम्मानजनक' टिप्पणी को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया था जिसका जवाब उन्होंने सोमवार को दाखिल किया था.

रत्न भंडार की चाबी मुद्दे पर प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा

'वोट के लिए मोदी तमिलों को बदनाम नहीं करें'

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एमके स्टालिन ने ओडिशा में भगवान जगन्नाथ मंदिर के कोषागार की गायब चाबियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक टिप्पणी पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि यह वोटों की खातिर तमिलों को बदनाम करने का प्रयास है. प्रधानमंत्री मोदी ने ओडिशा में एक रैली में कहा था कि भगवान जगन्नाथ मंदिर के कोषागार की चाबियां तमिलनाडु चली गई हैं.

स्टालिन ने यहां एक बयान में कहा कि मोदी को तमिलों की छवि खराब करने वाली इस तरह की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की चाबियां पिछले छह साल से गायब होने पर चिंता जताते हुए सोमवार को ओडिशा में नवीन पटनायक नीत बीजू जनता दल (बीजद) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, 'पुरी में भगवान जगन्नाथ का मंदिर भी इस सरकार के हाथों में सुरक्षित नहीं है.' उन्होंने कहा था कि ओडिशा जानना चाहता है कि बीजद ने रत्न भंडार चाबियों पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को क्यों दबाया. मोदी ने कहा था, 'मामले में बीजद की भूमिका संदिग्ध है. भाजपा सरकार 10 जून को सत्ता में आने के बाद रिपोर्ट सार्वजनिक करेगी.' उन्होंने कहा था कि ऐसा कहा जा रहा है कि रत्न भंडार की चाबी तमिलनाडु चली गयी हैं.

मोदी नफरत भरे भाषणों से लोगों व राज्यों के बीच गुस्से की भावना पैदा कर रहे

स्टालिन ने आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि मोदी अपने नफरत भरे भाषणों से लोगों के बीच दुश्मनी और राज्यों के बीच गुस्से की भावना पैदा कर रहे हैं. उन्होंने रत्न भंडार की चाबियों के गायब होने पर प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए कहा, ''यह करोड़ों लोगों द्वारा पूजे जाने वाले भगवान जगन्नाथ का अपमान करने के साथ-साथ तमिलनाडु के लोगों का भी अपमान है, जो ओडिशा राज्य के साथ अच्छे संबंध और मित्रता रखते हैं.'

स्टालिन ने पूछा, 'क्या प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु के लोगों को मंदिर का खजाना चुराने वाले चोरों के तौर पर अपमानित कर सकते हैं...क्या यह तमिलनाडु का अपमान नहीं है? तमिलों के प्रति इतनी नापसंदगी और नफरत क्यों है?' उन्होंने कहा कि जनता तमिलनाडु में तमिल भाषा और यहां के लोगों की प्रशंसा करने और राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व ओडिशा जैसे राज्यों में प्रचार करते समय उनके (तमिलनाडु के) बारे में बुरा-भला बोलने के मोदी के 'दोहरेपन' को समझेगी. स्टालिन ने कहा, 'प्रधानमंत्री को वोटों के लिए तमिलनाडु और तमिलों को बदनाम करना बंद करना चाहिए.'

बयान | शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने भारत के संदर्भ में न्यूयॉर्क टाइम्स के लेख पर कहा

अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि देश के राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन सभी की धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने एवं उसके लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह सभी धार्मिक समुदायों के सदस्यों के साथ समान व्यवहार की महत्ता को लेकर भारत समेत कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है. अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने सोमवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम सभी धार्मिक समुदायों के सदस्यों के साथ समान व्यवहार की महत्ता पर भारत समेत कई देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं.' 'न्यूयॉर्क टाइम्स' में हाल में प्रकाशित 'स्ट्रेंजर्स

इन देयर ओन लैंडः बीइंग मुस्लिम इन मोदीज इंडिया' (अपने ही देश में अजनबीः मोदी के भारत में मुस्लिम होना) शीर्षक वाले एक लेख में आरोप लगाया गया है कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम समुदाय भय और अनिश्चितता के माहौल में अपने परिवारों और बच्चों का पालन-पोषण कर रहा है. मिलर इसी से जुड़े सवाल का जवाब दे रहे थे. मिलर से पूछा गया, 'क्या आपने इस मामले पर भारतीय अधिकारियों से बातचीत की है.' इसके जवाब में मिलर ने कहा, 'मैं निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करूंगा लेकिन हम पूरी दुनिया में किसी भी धर्म या आस्था को मानने की स्वतंत्रता के अधिकार के सम्मान की रक्षा करने एवं उसे बढ़ावा देने के लिए गहनता से प्रतिबद्ध हैं.'

लेख में मोदी पर 'धर्मनिरपेक्ष ढांचे व मजबूत लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप

सप्ताहांत में प्रकाशित लेख में आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पद संभालने के बाद से 'धर्मनिरपेक्ष ढांचे और मजबूत लोकतंत्र को कमजोर कर दिया है.' भारत पहले भी इस प्रकार के आरोपों को खारिज करता रहा है. उसका कहना है कि ये आरोप देश के बारे में 'गलत सूचना एवं त्रुटिपूर्ण समझ' पर आधारित हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उन्होंने अल्पसंख्यकों के खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं कहा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केवल आज ही नहीं, बल्कि कभी भी अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं रही. प्रधानमंत्री ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह किसी को भी 'खास नागरिक' (स्पेशल सिटीजन) के तौर पर स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं. मोदी ने रविवार रात 'पीटीआई वीडियो' के साथ साक्षात्कार में ये बातें कहीं. विपक्ष ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री के चुनावी भाषण समाज को बांटने वाले और ध्रुवीकरण करने वाले हैं. इन आरोपों के बीच मोदी की यह टिप्पणी अल्पसंख्यकों को लेकर उनका अब तक का सबसे स्पष्ट बयान है.

इजराइल ने वेस्ट बैंक में किया हमला, सात फलस्तीनी मारे गए

- मरने वालों में चिकित्सा संस्थान के सर्जरी विशेषज्ञ ओसायेद कमाल जाबरीन भी शामिल

एजेंसी। जेनिन (वेस्ट बैंक)

इजराइली सैनिकों ने मंगलवार को वेस्ट बैंक के एक आतंकी ठिकाने पर धावा बोला, जिसमें एक चिकित्सक सहित कम से कम सात फलस्तीनी मारे गए. स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी. गाजा पट्टी में सात महीने पहले युद्ध छिड़ने के बाद से क्षेत्र में किये गए सबसे घातक हमलों में से यह एक है. इजराइली सेना ने कहा कि उत्तरी वेस्ट बैंक के शहर जेनिन में एक अभियान के तहत आतंकवादियों को निशाना बनाया गया. फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कम से कम सात फलस्तीनी

मारे गए हैं और अन्य नौ घायल हैं. उनकी पहचान अभी जाहिर नहीं की गई है. फलस्तीनी इस्लामी जिहाद आतंकी समूह ने कहा कि इसके लड़ाकों ने इजराइली सैनिकों का मुकाबला किया. हालांकि, जेनिन गवर्नमेन्ट हॉस्पिटल के निदेशक विसम अबु बकर के अनुसार, मरने वालों में चिकित्सा संस्थान के सर्जरी विशेषज्ञ ओसायेद कमाल जाबरीन भी शामिल हैं. जेनिन आतंकवाद का एक मुख्य केंद्र रहा है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)